बालाघाट
मंगलवार 23 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 269
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,094.07
निफ्टी - 24,102.90
सोना - 1,54,928
चांदी - 2,50,000
डॉलर - 94.53

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नीट मामले को लेकर सीजेपी का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी

नई दिल्ली। नीट मामले में शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांग रही कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का जंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके और उनके समर्थकों ने कैंडल मार्च की अपील करते हुए किसान संगठनों से भी आंदोलन में शामिल होने का आव्हान किया है। जंतर-मंतर में मौजूद प्रदर्शनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी ने नीट परीक्षा विवाद और कथित तौर पर इससे प्रभावित होकर आत्महत्या करने वाले छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए सोमवार शाम 5:30 बजे जंतर-मंतर पर कैंडल मार्च आयोजित करने की अपील की।

1 जुलाई से शिक्षकों के साथ अब अफसरों और कर्मचारियों के लिए भी ई-अटेंडेंस अनिवार्य

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में अब केवल शिक्षकों ही नहीं, बल्कि अधिकारियों और कर्मचारियों को भी ई-अटेंडेंस दर्ज करना अनिवार्य होगा। लोक शिक्षण संचालनालय (डब्ल्यूह्) के आयुक्त अभिषेक सिंह ने सोमवार को इस संबंध में आदेश जारी करते हुए निर्देश दिए हैं कि 1 जुलाई 2026 से विभाग के सभी अधिकारी और कर्मचारी हमारे शिक्षक प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। नए आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था अब विभाग के सभी स्तरों पर समान रूप से लागू होगी। इससे उपस्थिति संबंधी निगरानी मजबूत होगी और अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में अधिक पारदर्शिता आएगी।

एमपी में यूसीसी का ड्राफ्ट 30 जून तक होगा तैयार

भोपाल। प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने से पहले सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय समिति ने सोमवार को भोपाल स्थित प्रशासन अकादमी में सुबह साढ़े दस बजे से देर शाम तक राज्य स्तरीय सुनवाई की। इसमें संस्थाओं, शासकीय विभागों, राजनीतिक दल, धर्मगुरुओं सहित विभिन्न आयोगों के प्रतिनिधियों से उनका पक्ष जाना। इसमें आदिवासियों को अन्य प्रांतों की तरह यूसीसी के दायरे से बाहर रखने और मतांतरित होने वालों पर कानून लागू किए जाने का प्रावधान रखे जाने की बात सामने आई। इसके पीछे यह तर्क दिया गया कि मतांतरण के बाद परंपराएं बदल जाती हैं। उधर, लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर अधिकतर का मत रहा कि इसे मान्यता नहीं दी जानी चाहिए।

कुछ ना कहना

मौत का कोचिंग सेंटर...बिना फायर एनओसी के बने बिल्डिंग में चल रहे कोचिंग सेंटर के गेमिंग जोन में आग लगने से हुआ हादसा... आग लगी तो बाथरूम में जा छिपे थे छात्र

सिस्टम लापरवाह, 15 जिंदगियां खाक

आग लगने पर छह लोग कांच तोड़कर एसी का तार पकड़कर नीचे कूदे, दो लोग सीधे ऊपर से कूद गए

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि जान बचाने के लिए कई छात्रों को ऊपरी मंजिलों से कूदना पड़ा। सात से आठ लोगों के घायल होने और 15 छात्रों की मौत होने की सूचना है। यह हादसा सरकारी सिस्टम की लापरवाही का एक और नमूना है। जिस बिल्डिंग में कोचिंग सेंटर चल रहा था वह बिना फायर एनओसी की बनी है। आग लगते ही कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्रों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई। कई छात्रों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनी से बाहर निकलने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत कार्य में सहयोग करते हुए छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। पीछे की दीवार तोडक़र छात्रों को निकाला गया। अग्निकांड की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने तय कार्यक्रमों को बीच में छोड़कर अलीगढ़ से तुरंत घटना स्थल पहुंचे । मुख्यमंत्री ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने कहा है कि दोषियों के खिलाफ बेहद सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। उनसे पहले घटना स्थल पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी पहुंच गए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एसीएस होम संजय प्रसाद डीजीपी राजीव कृष्णा के अलावा डीएम और दूसरे पुलिस अधिकारी मौके पर बचाव और राहत कार्य में जुटे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर के समय अचानक इमारत से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे इलाके में हडक़ंप मच गया।

दीवार तोड़कर चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए। कई बच्चों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान आसपास के लोगों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर छात्रों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया। बगल के मकान की छत से कोचिंग सेंटर की दीवार तोडक़र अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की गई। मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि घटना के वक्त कई बच्चे कोचिंग सेंटर के अंदर थे। आग लगी तो बच्चे नीचे कूदने लगे। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के बाद पूरी बिल्डिंग घने धुएं से भर गई थी, जिसके कारण अंदर फंसे लोगों तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। रेस्क्यू टीम को कई जगहों पर दीवार काटकर अंदर प्रवेश करना पड़ा। फायर ब्रिगेड कर्मियों, एनडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीमों ने बिल्डिंग के भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए विशेष अभियान चलाया। कई लोगों को स्ट्रेचर और गीले कंबलों की मदद से बाहर लाया गया। रेस्क्यू टीम लगातार बिल्डिंग के भीतर फंसे अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

घायलों को केजेएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाले गए कई लोग घायल अवस्था में मिले। चार घायलों को तत्काल किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजेएमयू) ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल प्रशासन ने घायलों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गंभीर हालत में निकाले गए कई लोग

बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में इमारत से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसके शरीर में कोई हरकत दिखाई नहीं दे रही थी। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति को लाल रंग के गीले कंबल में लपेटकर स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। बचाव दल ने तीसरे व्यक्ति को भी स्ट्रेचर पर बाहर निकालकर अस्पताल के लिए रवाना किया। हालांकि प्रशासन ने अभी तक इन लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

एंबुलेंस कम पड़ीं, डिप्टी सीएम पाठक रो पड़े

घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं। सीएम योगी घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाएंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ आ रहे हैं।

आग लगने पर ऑटोमैटिक लॉक नहीं खुला

हादसे में सुखमणि (23) की मौत हो हुई है। उनके दोस्त यश ने बताया- सुखमणि उ8 एनीमेशन के ऑफिस में चार साल से नौकरी कर रहे थे। ऑफिस में करीब 40 लोग काम करते हैं। ऑफिस का मुख्य गेट थंब इंप्रेशन से खुलता था। आग फैलने के बाद गेट ऑटोमैटिक लॉक था। उसे खोलने में देरी हुई। जिसकी वजह से हादसा और ज्यादा गंभीर हो गया।

वीरेंद्र शुक्ला की इमारत, नक्शा धीरेंद्र और सुरेंद्र शुक्ला के नाम से पास

बताया जा रहा है इमारत वीरेंद्र शुक्ला की जमीन पर है। वे सीतापुर रोड पर गोविंदपुरम में स्थित रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट कॉलेज के मालिक हैं। इमारत का नक्शा धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला के नाम से पास हुआ था।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की एसआईटी जांच में सामने आई कई गंभीर लापरवाहियां

प्राइवेट कर्मचारियों से गिनवाए जा रहे थे नोट

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावे चोरी मामले की एसआईटी जांच कर रही है। इसी बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एसआईटी को हर स्तर पर घोर लापरवाही मिली है। राम मंदिर ट्रस्ट की रकम में बैंकिंग का काम देख रही एसबीआई का ही नोट अलग कराने/गड्डी बनवाने और गिनवाने का काम था। एसबीआई निजी सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारियों को ठेके पर लेकर नोट गिनवाती थी। जानकारी के अनुसार एसबीआई ने वाराणसी की निजी सिक्योरिटी एजेंसी को ठेका दिया था। निजी सिक्योरिटी एजेंसी ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोगों की सिफारिश पर अयोध्या के ही लडक़ों को नोट गिनवाने के काम में रख दिया था। परिचित की सिफारिश पर ही नौकरी मिलने की प्रथा पर अनुकल्प मिश्रा ने अपने साले लवकुश मिश्रा को राम मंदिर ट्रस्ट में नौकरी पर लगवा दिया था।

इ्यूटी पर आने-जाने के दौरान चेकिंग में भी लापरवाही सामने आई है। कौन क्या लेकर आ रहा क्या लेकर जा रहा, कोई जांच नहीं होती थी। घरेलू कपड़ों में ही कर्मचारी राम मंदिर ट्रस्ट के कमरे में बैठकर नोट गिनने लगते थे। सीसीटीवी कैमरा की फुटेज देखने में भी लापरवाही सामने आई है। चोरी करने के लिए कर्मचारी सीसीटीवी कैमरे के सामने खड़े हो जाते थे और चोरी कर लेते थे।

ड्रेस कोड का भी नहीं होता था पालन

सभी के लिए ड्रेस कोड बनाया गया था और एक ड्रेस भी दी गई थी। लेकिन पहनता कोई नहीं था। एसआईटी की पड़ताल में मंदिर परिसर से दान पेटी ट्रस्ट के कमरे में ले जाने से लेकर बैंक में नोट जमा होने तक हर स्तर पर लापरवाही सामने आई है। इधर अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे और दान राशि के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका दायर की गई है। मामला कोर्ट नंबर-2 में सूचीबद्ध किया गया है। याचिकाकर्ता पक्ष के अधिवक्ता मोहित अशोक शर्मा ने बताया कि मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है और खंडपीठ के समक्ष विशेष उल्लेख (मेंशनिंग) कर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया जाएगा। उनके अनुसार यह मामला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और व्यापक जनहित से जुड़ा है, इसलिए इस पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई की अपेक्षा की जा रही है।

नीट-यूजी री-एग्जाम : मोबाइल से चीटिंग करने वाली छात्रा कोर्ट में पेश

जयपुर । नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट)-यूजी 2026 री-एग्जाम में सेंटर के अंदर मोबाइल से चीटिंग करने वाली छात्रा को सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने छात्रा को जेल (ज्यूडिशियल कस्टडी) भेज दिया है। कोर्ट में पेशी के बाद छात्रा चेहरा छुपाते हुए बाहर निकली।

वहीं, पुलिस ने मोबाइल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की है। जांच रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कि मोबाइल का इस्तेमाल केवल जवाब खोजने के लिए हुआ था या प्रश्नपत्र की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास भी हुआ था।

यदि जांच में परीक्षा के दौरान अनुचित साधनों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तब संबंधित छात्रा के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। इस कानून के तहत दोष सिद्ध होने पर पांच साल तक के कारावास और 10 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।

दरअसल, बिंदायका स्थित परीक्षा केंद्र में छात्रा को परीक्षा देने के दौरान मोबाइल से चीटिंग की कोशिश करते पकड़ा गया था। एग्जाम हॉल में मौजूद टीचर को उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगीं, तब उन्होंने छात्रा को पकड़ा। उसके पास मोबाइल मिला। छात्रा ने मोबाइल को अंडरगारमेंट्स में शर्ट के बटन के नीचे छुपाया था। आरोपी छात्र हिमांशी तिवाड़ी (22 साल) प्रेम नगर गुर्जर की थड़ी की निवासी है। पुलिस पूछताछ में छात्रा ने बताया कि वह परीक्षा के दौरान एआई की मदद से सवालों के जवाब खोजने के लिए मोबाइल लेकर पहुंची थी। परीक्षा केंद्र पर मौजूद अधिकारियों ने मोबाइल जब्त कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, परीक्षा समाप्त होने से करीब 15 मिनट पहले छात्रा के पास मिले मोबाइल में नीट के प्रश्नपत्र की तस्वीरें भी मिली हैं।

ईंधन संकट से भारत सुरक्षित : अगस्त 2026 तक का स्टॉक फुल

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला गंभीर रूप से प्रभावित हुई है, इससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि, इस चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद भारत को रसोई गैस (एलपीजी) और पेट्रोल-डीजल की कमी का सामना नहीं करना होगा। भारतीय रिफाइनरियों ने असाधारण सूझबूझ का परिचय देकर देश के लिए कम-से-कम अगस्त 2026 तक के लिए कच्चे तेल और एलपीजी का स्टॉक फुल कर दिया है। उद्योग सूत्रों के अनुसार, देश की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों ने हाल के हफ्तों में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) और अन्य अंतरराष्ट्रीय विक्रेताओं से भारी मात्रा में कच्चे तेल और एलपीजी की रिकॉर्ड खरीद की है। इस रणनीतिक खरीद के परिणामस्वरूप, भारत ने अपनी आगामी घरेलू ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित किया है। सप्लाई श्रृंखला को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए, भारतीय रिफाइनरियां एक अभिनव शिप-टू-शिप ट्रांसफर विधि का उपयोग कर रही हैं। इस प्रक्रिया में, समुद्र के बीचों-बीच ही एक जहाज से दूसरे जहाज में कच्चे तेल और एलपीजी को फ्री-ऑन-बोर्ड (एफओबी) आधार पर ट्रांसफर किया जाता है। एडीएनओसी अपने फुजैराह स्टोरेज, जिर्कू और दास द्वीप से भारतीय रिफाइनरियों को खेप उपलब्ध करावा रहा है। इसके अतिरिक्त, मलेशिया और ओमान के सोहार क्षेत्र में भी यह री-लोडिंग सुविधा प्रदान की जा रही है, जहां से भारत के लिए एलपीजी की मुख्य लोडिंग की जाती है। एक भारतीय रिफाइनरी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि देश के पास वर्तमान में करीब जुलाई के मध्य तक का पर्याप्त एलपीजी स्टॉक है और कच्चे तेल को लेकर भी अगस्त तक किसी तरह की समस्या की कोई आशंका नहीं है।

टेमनी खुर्द में मौत बनकर दौड़ा ट्रक, मजदूरों से भरी पिकअप से भिड़ंत में उजड़ गए कई घर

5 मजदूरों की मौके पर मौत, 20 से अधिक घायल

छिंदवाड़ा/जबलपुर । छिंदवाड़ा-बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह टेमनी खुर्द के पास हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया। रोजी-रोटी की तलाश में खेतों की ओर जा रहे मजदूरों की पिकअप वाहन अचानक मौत के सफर में बदल गई, जब सामने से आ रहे एक ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि घटनास्थल पर ही कई लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रशासन ने देर शाम तक मृतकों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि नहीं की थी, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे तेज रफ्तार ट्रक का टायर अचानक फट गया। इसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर मजदूरों से भरी पिकअप से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग कई मीटर दूर तक जा गिरे। कुछ लोग सड़क पर तो कुछ आसपास के खेतों में जा गिरे। हादसे के बाद घटनास्थल का दृश्य बेहद दर्दनाक था। सड़क पर खून बिखरा पड़ा था और कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिले।

खेतों में काम करने जा रहे थे मजदूर

जानकारी के अनुसार पिकअप में सवार 25 से 30 मजदूर जिले के मछेरा गांव के निवासी थे, जो खेतों में काम करने जा रहे थे। टक्कर के बाद ट्रक सड़क किनारे पेड़ों को तोड़ता हुआ खेत में उतर गया, जबकि पिकअप भी सैकड़ों मीटर दूर खेतों में जा घुसी। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालने में मदद की। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में महायुति को मिली भारी जीत, 17 में से 16 सीटें जीतीं

एक सीट पर बीजेपी के बागी उम्मीदवार गोकुल जीते, एमवीए की बढ़ी चिंताएं

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों में सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की और राज्य में हुई 17 सीटों के चुनाव में से 16 सीटें अपने नाम की हैं। इन नतीजों से महाराष्ट्र की राजनीति पर बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन की पकड़ और मजबूत हो गई है। मतदान से पहले ही महायुति के कई उम्मीदवार निर्विरोध चुने जा चुके थे, जिससे गठबंधन को बढ़त मिल गई थी। बाकी सीटों पर भी गठबंधन का दबदबा कायम रहा और विपक्षी महा विकास अघाड़ी के हाथ सिर्फ एक सीट लगी।

मीडिया रिपोर्ट

के मुताबिक महायुति को नासिक में झटका लगा, जहां बीजेपी के बागी उम्मीदवार गोकुल गीते ने गठबंधन समर्थित शिवसेना उम्मीदवार नरेंद्र दराडे को हराया। इससे पता चलता है कि गठबंधन की कुल सफलता के बावजूद, अंदरूनी मतभेद की कुछ जगहें अभी भी मौजूद हैं। इस नतीजे को आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और महायुति नेतृत्व के लिए एक बड़ी बढ़त माना जा रहा है, जबकि विपक्ष के लिए अपनी संगठनात्मक ताकत और चुनावी रणनीति को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं।

मतदान शुरू होने से पहले ही महायुति को बढ़त मिल गई थी, क्योंकि चुनाव से पहले उसके छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए थे। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में नासिक सीट से बीजेपी के बागी उम्मीदवार गोकुल गीते ने जीत हासिल की। चुनाव अधिकारियों के मुताबिक गीते को 357 वोट मिले, जबकि दराडे को 248 वोट मिले। इस नतीजे ने कई राजनीतिक जानकारों को चौंका दिया, क्योंकि उम्मीद की जा रही थी कि शिवसेना का उम्मीदवार चुनाव में कड़ी टक्कर देगा। हालांकि, गीते ने अपने प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ते हुए आसानी से जीत हासिल की।

जूनियर शिंदे ने कर दिया कमाल...उद्धव गुट के 6 सांसदों को असली शिवसेना में कराया शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है, जहां उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने जा रहे हैं। इस पूरी राजनीतिक उठापटक के सूत्रधार कोई और नहीं बल्कि उप मुख्यमंत्री शिंदे के बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे बताए जा रहे हैं, जिन्होंने मानों अपने पिता शिंदे की बगावत का रीप्ले कर दिखाया है। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने इसकी पुष्टि कर बताया कि छह सांसद आधिकारिक तौर पर शिवसेना में शामिल होने जा रहे हैं। जिससे उनकी पार्टी के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 होगी और इससे शिवसेना की ताकत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उप मुख्यमंत्री शिंदे ने भी ऑपरेशन टाइगर की सफलता पर मुहर लगाई थी, वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने श्रीकांत शिंदे के प्रयासों की तारीफ की थी।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरी योजना ऑपरेशन टाइगर के नाम से जानी जा रही है, जिसकी तैयारी करीब एक साल पहले शुरू हो चुकी थी और बीते कुछ महीनों में श्रीकांत शिंदे ने इस ऑपरेशन टाइगर को तेजी से अंजाम दिया। जूनियर शिंदे ने ही सांसदों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क साधा, उनसे बातचीत की और मुंबई व दिल्ली के बीच जारी चर्चाओं में एक अहम मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इन अटकलों के बीच, उद्धव ठाकरे गुट ने बीते रविवार को अपने 9 सांसदों की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें केवल 4 सांसद व्यक्तिगत रूप से पहुंचे और 5 ने ऑनलाइन शामिल होने का दावा किया। उद्धव गुट ने सभी सांसदों के उनके संपर्क में होने और एकजुट होने का दावा किया था, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, बैठक से पहले ही पांच सांसदों ने शिंदे गुट के समर्थन पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए थे। इस पूरे ऑपरेशन को बेहद गोपनीय रखा गया था, जिसकी जानकारी उपमुख्यमंत्री शिंदे सहित केवल चार-पांच प्रमुख लोगों को ही थी।

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर करोड़ो की धोखाधडी के आरोपी राजा अली को बचाने विधायक विवेक पटेल कर रहे प्रयास- प्रदीप जायसवाल

भाजपा की नपा परिषद के बडे बडे विकास कार्यो को सहन नही कर पा रहे कांग्रेसी विधायक

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने प्रेस नोट जारी कर वारासिवनी खैरलांजी विधायक विवेक पटेल पर फारेक्स ट्रेंडिंग के नाम पर करोड़ो रूपये की धोखाधडी करने वाले ग्राम वारा के पूर्व सरपंच रिजवान उर्फ राजा अली को बचाने आरोप लगाया है। साथ ही प्रदीप जायसवाल ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नितियों के खिलाफ गत दिवस कांग्रेस के धरना प्रदर्शन में विधायक विवेक पटेल के भाषण को फेक नेरेटिव सेट करने की कोशिश करार दिया है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने विधायक विवेक पटेल पर आरोप लगाते हुये कहा है की कभी विधायक विवेक पटेल अपने तात्कालिन नपा परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में भ्रष्टाचार की लंबी लिस्ट पर निगाह तो फैला लेते तो उन्हे आरोपो की राजनिति क्या होती यह अवश्य पता चल जाता।

जनपद पंचायत विधायक प्रतिनिधि राजा अली को बचा रहा विधायक विवेक पटेल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा है की विधायक विवेक पटेल के जनपद पंचायत वारासिवनी के विधायक प्रतिनिधि वारा के पूर्व सरपंच रिजवान राजा अली ने लाभ कमाने का प्रलोभन देकर फारेक्स ट्रेडिंग के नाम पर नगरीय व ग्रामीण जनता से धोखाधडी की है। यह मामला लगभग २५ करोड़ से उपर का हो चुका है अनेको प्रार्थीयों ने पुलिस में लिखित शिकायत भी दर्ज करा दी है पर आज तक आरोपी रिजवान उर्फ राजा अली के उपर कोई कार्यवाही नही होना और विधायक विवेक पटेल के द्वारा इस मामले में पुरी तरह चुप्पी साध लेने से प्रतित हो रहा है की वह अपने करीबी साथी को बचा रहे है। जबकि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रो से रोज आकर पीडित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवा रहे है।

नगर की चारो दिशाओं में डिवाईडरो पर लग रही एलईडी लाईट

श्री जायसवाल ने कहा है की नपा परिषद के बडे बडे विकास कार्य विधायक पटेल को नही सहन हो रहे है। अत: उन्होने धरना प्रदर्शन में मनमानी आरोपो की राजनिति के कदम को पंसद किया है। विधायक के एक आरोप में हकीकत यह है की वारासिवनी नगर में बालाघाट मार्ग, रामपायली मार्ग , कटंगी मार्ग और लालबर्रा मार्ग पर सभी तरफ की चौडी चौडी एंड़ी पर डिवाईडरो पर एलईडी लाईट लग रही है या लग चुकी है।

नपा चुनाव में कांग्रेस का एक भी पार्षद जीत नही पाने पर कर रहे आरोपो की राजनिति

श्री जायसवाल ने कहा कि नपा परिषद के चुनाव में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेत्रत्व में ही पूर्ण बहुमत से सरकार बनी थी। अत: नपा परिषद में अब जनता दरबार व बडे बडे विकास कार्यों में उनका मार्गदर्शन मिलना नपा के लिये सौभाग्य की बात है। जनता दरबार में जनता के जबरदस्त जनविश्वास को मिलते देख विधायक विवेक पटेल ने अपना आपा खो गये है। इसलिये सिर्फ आरोपो की राजनिति का सहारा ले रहे है। गत नपा चुनाव में कांग्रेस का एक भी पार्षद जीत नही पाया था अत उसकी खीज भी अब निकलते दिख रही है।

विवेक पटेल चरण वंदना और आर्शीवाद लेने की करता है राजनिति

श्री जायसवाल ने कहा है की कांग्रेस के धरने प्रदर्शन में विधायक विवेक पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर भी आरोपो की बौछार कर दी थी। जबकि हकीकत यह है की शासकीय कार्यक्रमों में विधायक विवेक पटेल स्वंय अनेको बार मुख्यमंत्री का आर्शीवाद और चरण वंदना लेते हुये नजर आते है। और तो और नगर में बडे बडे फ्लैक्स लगाकर मुख्यमंत्री का आभार भी व्यक्त करते सहजता से दिख जाते है। दूसरी ओर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष को मुख्यमंत्री ने २ कौडी का बोला पर कांग्रेस चुपचाप बैठी रही। इसका अर्थ है की विधायक पटेल दो नाव पर सवारी कर रहे है। वहीं बीजेपी से न्योता मिलने का इंतजार कर रहे है और विपक्ष का विधायक होने का धर्म भूल गए है। जिससे वह कौन सी पार्टी के विधायक है अब जनता यह समझ ही नही पा रही है।

विवेक पटेल ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में कितना भ्रष्टाचार किया क्या जवाब देंगे

श्री जायसवाल ने कहा कि जब विवेक पटेल नपा अध्यक्ष थे, तब के कार्यकाल में मेरे द्वारा टिकिट लाकर पद, प्रतिष्ठा एवं पैसा लगाकर चुनाव जीताने के बावजूद सबसे पहले मुझे धोखा दिया। और मुझसे अलग होकर नगर पालिका में भष्ट्राचार की सारी सीमाओं को लांघकर बिजली सामान, सफाई पावडर, फिनाइल , बाल्टी खरीदी के नाम पर करोड़ो की फर्जी खरीदी कर रूपये का बंदरबाट भी किया है। विवेक पटेल ने अध्यक्ष रहते नगर पालिका की संपत्ति सोसायटी को किराये से दिए गए दो कमरे को बेच कर लाखो रूपये का गबन भी किया है। और उन दुकानों की फर्जी रजिस्ट्री भी हो गयी थी। जब मामला उजागर हुआ तब खरीददार के नाम नामांतरण नहीं हो पाया और उसके २० लाख रूपये आखिर फंस ही गयें।

एसडीएम ने अनेको बार भ्रष्टाचार के कारनामो पर क्यों लगायी थी रोक

श्री जायसवाल ने कहा है की नपा अध्यक्ष रहते विवेक पटेल ने तात्कालिन समय में राजा भोज कांम्प्लेक्स में आदिवासी कोटे की आरक्षित दुकान को नियमों को तक पर रखकर अपने सगे भाई के नाम पर हड़पने का काम किया है। वार्ड नंबर ८ और वार्ड नंबर ९ में तालाब के सौन्दर्यकारण के नाम पर बिना कुछ किए लाखो रूपये के बिल भी निकल गये थे। इसी तरह जयस्तम्भ के पास द्वारका चाय दुकान के बाजू में अवैध कब्जा कर दुकान बनाकर १० लाख में बेचने का प्रयास किया था। किन्तु एसडीएम ने तुरंत कार्यवाही कर अवैध दुकान तुड़वा दिया था। इसी प्रकार पद का दुरूपयोग करते हुये रामपायली रोड़ पर नजुल की जमीन पर २० बाई २० की अवैध दुकान बनाई थी। और उसे भी २० लाख रूपये में बेचा जा रहा था । उसकी भी शिकायत मिलने पर एसडीएम के द्वारा रामपायली रोड़ पर उसे तोड़ दिया गया था। श्री जायसवाल ने कहा की नगर में दुर्गा मंदिर के बाजु में मरारी माली समाज के सब्जी भाजी बेचने वाली महिलाओं और वृद्ध जनों को बैठने की जगह को बलपुर्वक जेसीबी लगाकर विवेक पटेल के द्वारा हटाकर धन्ना सेठो को देने का कार्य इसी पटेल के द्वारा किया गया था। इसी विषय में बाद मे मैने हस्तक्षेप कर मरार माली समाज को यह जगह वापस दिलवाया था।

विवेक पटेल ने १० प्रतिशत कमिशन देने की थी मांग ठेकेदारो ने काम करना ही कर दिया था बंद

श्री जायसवाल ने कहा की दुर्गा मंदिर के सामने की चाल में लाखो रूपये लेकर दुकान निर्माण की अनुमति रहने के बावजूद और रूपया मिलने की लालसा के चलते स्लैब निर्माण कार्य को रोककर तुडवाने का कार्य इसी विवेक पटेल के द्वारा किया गया। जिसमें एक दुकान इनके मित्र रवेश मिश्रा और दूसरी दुकान मरार समाज के पूर्व पार्षद वार्ड नम्बर ६ खैरवार की थी। विवेक पटेल ने आखिरी साल में तो सारे ठेकेदारो से १० प्रतिशत कमीशन मिलने पर ही बिल निकालने की प्रथा चालू कर दी थी। जिससे परेशान होकर सारे ठेकेदारों ने काम ही बंद कर दिए थे। और कह दिया था की अब वो सब पटेल के हटने के बाद ही काम करेंगे। यही कारण है की विवेक पटेल का नपा अध्यक्षीय कार्यकाल विकास कार्यों में जीरो रहा, किन्तु फर्जी चेक काटने में हीरो रहा था।

मुख्यमंत्री के साथ आभार वाली अपनी फोटो लगाकर जनता को कर रहे गुमराह

श्री जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस विधायक पटेल दुसरो पर आरोप लगाने के पहले वे स्वंय अपने ढाई साल के कार्यकाल में प्रदेश सरकार के बजट से कितनी राशि क्षेत्र के विकास के लिये लाये है इसका भी हिसाब देवे। बार बार भाजपा के मुख्यमंत्री के साथ आभार वाली अपनी फोटो लगाकर वे झूठी वाहवाही और फर्जी संबंधो से क्षेत्र की जनता को कितना और कब तक बेवकूफ बनायेंगे। हमारा क्षेत्र बहुत जागरूक व बौद्धिक है अब वह आरोपो की राजनिति और फर्जी कहानीयो के किस्सो को अच्छे से पहचानता भी है।

एपीसी ने कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य एवं पशुपालन विभागों की समीक्षा की

खरीफ फसलों के उत्पादन बढ़ाने एवं विभागीय योजनाओं में तेजी लाने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) श्री के.सी. गुप्ता ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में खरीफ सीजन की तैयारियों, किसानों को उर्वरक उपलब्धता, मत्स्य उत्पादन, पशुपालन योजनाओं एवं विभागीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बालाघाट जिला मुख्यालय से आयोजित इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर श्री मृणाल मीना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय, सहायक संचालक उद्यानिकी श्री क्षितिज कराड़े, सहायक संचालक मत्स्य सुश्री पूजा रोगड़े, कॉर्पोरेट बैंक के सीईओ श्री अभिनव सिंह बघेल तथा उप संचालक पशुपालन डॉ. घनश्याम परते उपस्थित रहे। इसके अलावा जबलपुर एवं सागर संभाग के कलेक्टर एवं संभागायुक्त भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए कृषि उत्पादन आयुक्त श्री गुप्ता ने सभी कलेक्टरों को निर्देश दिए कि किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को समय पर और आवश्यकता अनुसार खाद प्राप्त हो सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि यदि कोई किसान अतिरिक्त उर्वरक की मांग करता है तो उसे रोकने के बजाय उसकी आवश्यकता का कारण जानकर उचित मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए। श्री गुप्ता ने जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए किसानों को सोयाबीन जैसी कम पानी वाली फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे धान आधारित खेती के क्षेत्रफल में संतुलन आएगा तथा जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने मत्स्य अधिकारियों को मछली उत्पादन गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मत्स्य उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और बड़ी संख्या में लोग इस क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करना चाहते हैं। ऐसे में पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं की जानकारी एवं लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभिन्न जिलों में संचालित केज कल्चर परियोजनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान श्री गुप्ता ने विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्यों की शीघ्र पूर्ति के निर्देश दिए। कुछ जिलों में लखपति गौपालक दीदी योजना एवं क्षीरधारा ग्राम योजना की अपेक्षाकृत धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को इन योजनाओं पर विशेष ध्यान देने और परिणामोन्मुखी कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसानों, पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों तक शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए तथा विभागीय गतिविधियों में तेजी लाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि खरीफ सीजन प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करें।

कन्या शिक्षा परिसर बिरसा में अतिथि शिक्षक के लिए 28 जून तक आवेदन आमंत्रित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर बिरसा(मलाजखंड) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न विषयों के अतिथि शिक्षक के लिए योग्य एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। आवेदन पत्र आवश्य क दस्तावेजों के साथ 28 जून 2026 को शाम 04 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। संस्था के प्राचार्य द्वारा बताया गया है कि हिंदी, अंग्रेजी, भौतिकी, रसायन, जीवविज्ञान, गणित, भूगोल एवं इतिहास विषयों में अतिथि शिक्षक वर्ग-1 के एक-एक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पदों के लिए अभ्यर्थी के पास संबंधित विषय में स्नातकोत्तर उपाधि के साथ बी.एड./एम.एड. की योग्यता होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित 28 जून 2026 तक कार्यालयीन समय में सायं 4 बजे तक जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ पूर्व कार्यानुभव, शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। सीटीईटी एवं एमपीटीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। साथ ही सीबीएसई विद्यालयों में अध्यापन अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को भी वरीयता दी जाएगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संस्था कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम MOHAMMED SAMEER KHAN था जिसे बदलकर MOHAMMAD SAMEER KHAN कर दिया गया है।

अत: अब से मुझे MOHAMMAD SAMEER KHAN नाम से जाना व पहचाना जावे।

मोहम्मद समीर खान
(MOHAMMAD SAMEER KHAN)
पिता मोहम्मद रफीक खान
वार्ड न. 17 महात्मा वार्ड बालाघाट

ओलंपिक डे सेलिब्रेशन नेशनल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों ने झटके 38 पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित ओलंपिक डे सेलिब्रेशन नेशनल स्पोर्ट्स चैंपियनशिप कराते प्रतियोगिता में, यूनाइटेड शोतोकान कराते एसोसिएशन, बालाघाट के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 20 गोल्ड, 11 सिल्वर एवं 7 ब्रॉन्ज सहित कुल 38 पदक अर्जित कर बालाघाट जिले एवं मध्य प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया।वह उपलब्धि यूनाइटेड शोतोकान कराते एसोसिएशन, मध्य प्रदेश के सचिव सिहान आकाश झा के मार्गदर्शन एवं जिला सचिव सैंसाई लक्की मड़ावी (ब्लैक बेल्ट डॉन) के नेतृत्व, प्रशिक्षण एवं समन्वय में प्राप्त हुई। जिला सचिव के रूप में सैंसाई लक्की मड़ावी ने खिलाड़ियों के चयन, नियमित प्रशिक्षण, प्रतियोगिता की तैयारी, टीम प्रबंधन एवं प्रशिक्षकों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व एवं निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप बालाघाट की टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर यह ऐतिहासिक सफलता हासिल की।इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश सहित 7 से अधिक राज्यों के खिलाड़ियों ने सहभागिता की थी।

पदक विजेता खिलाड़ियों में इनका शमावेश

काता गोल्ड एवं कुमिते गोल्ड (डबल गोल्ड) विजेता खिलाड़ियों में सैंसाई लक्की मड़ावी, सैंसाई राकेश वरकड़े, आराध्या मोहरे, चन्दना घोरमारे, अंजलि गोंदुडे, ऋचा चंदेवार, ऋषिका चंदेवार एवं आकाश कोलटे रहे जबकि काता गोल्ड एवं कुमिते सिल्वर विजेता में संचय डोंगरे, आशमी सेलोकर एवं आशी मेश्राम ने अपना नाम दर्ज कराया।वही काता गोल्ड एवं कुमिते ब्रॉन्ज विजेता खिलाड़ियों मेंविवेक मेश्राम एवं पूर्वा डोनोटकर का दबदबा रहा।इसके अलावा काता सिल्वर एवं कुमिते गोल्ड में तितीशा कुशवाहा, रुचि कोलटे, साहिल गोंदुडे एवं आरोही बडेट्टी बाजी मारी।वही काता ब्रॉन्ज एवं कुमिते सिल्वर में आलिया मेश्राम एवं राशि भंडारकर ने अपना नाम दर्ज कराया।बताया गया कि प्रतियोगिता में क्योशी एम. एम. हैदर अली, राष्ट्रीय अध्यक्ष, यूनाइटेड शोतोकान

कराते एसोसिएशन इंडिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं सिहान वरुण पांडे, राष्ट्रीय सचिव, यूनाइटेड शोतोकान कराते एसोसिएशन इंडिया ने प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर सैंसाई रुक्मणि पांडे मैडम, प्रदेश सचिव, यूनाइटेड शोतोकान कराते एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

ब्लैक बेल्ट डॉन ग्रेड परीक्षा में भी मिली सफलता

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के दौरान आयोजित ब्लैक बेल्ट डॉन ग्रेड परीक्षा में एसोसिएशन के प्रशिक्षकों ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इस परीक्षा में सिहान आकाश झा ने ब्लैक बेल्ट 5वां डॉन प्राप्त किया, जबकि सैंसाई लक्की मड़ावी (ब्लैक बेल्ट तीसरा डॉन), सैंसाई राकेश वरकड़े (ब्लैक बेल्ट तीसरा डॉन) एवं सैंसाई आशीष बाघ (ब्लैक बेल्ट तीसरा डॉन) ने सफलतापूर्वक अपनी डॉन ग्रेड परीक्षा उत्तीर्ण की।विशेष उल्लेखनीय यह रहा कि जिला सचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक सैंसाई लक्की मड़ावी ने ना केवल अपने नेतृत्व में खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर 20 गोल्ड, 11 सिल्वर एवं 7 ब्रॉन्ज सहित कुल 38 पदक दिलाने में सफलता प्राप्त की, बल्कि स्वयं भी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए काता एवं कुमिते दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक अर्जित कर खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया।

अनुशासन,निरंतर अभ्यास, समर्पण एवं आत्मविश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं-मड़ावी

इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों में हर्ष का वातावरण है। सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए सैंसाई लक्की मड़ावी ने कहा कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास, समर्पण एवं आत्मविश्वास ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं तथा आने वाले समय में भी बालाघाट के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

दर्शनशास्त्र विषय में गीतेश पटले को मिली पीएचडी की उपाधि

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36 वे दीक्षांत समारोह में हुए सम्मानित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36 वे दीक्षांत समारोह मे बालाघाट के गीतेश पटले ने दर्शनशास्त्र विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के इस गरिमामय कार्यक्रम में भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ,मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ राजेश कुमार वर्मा, लोकसभा और राज्यसभा सांसद विधायकगण, विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलगुरु,शिक्षा विभाग के अधिकारी गण एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।बताया गया कि डॉ गीतेश पटले ने दर्शनशास्त्र में महात्मा गांधी और बी.आर.अंबेडकर के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक पर शोध कार्य किया है।ज्ञातव्य है कि डॉ गीतेश पटेल को सन 2010 में एम. ए. दर्शनशास्त्र में विश्वविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने के लिए दो स्वर्ण पदको से महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।एमफिल और नेट जेआरएफ परीक्षा भी उत्तीर्ण है, वर्तमान में शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में दर्शनशास्त्र विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं डॉ. गीतेश पटले ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी माता श्रीमती इंद्रकला पटले, पिता के. एल. पटले, पत्नी श्रीमती रामेश्वरी पटले, अपने भाई बहन ,परिवार, संबंधियों और मित्र मंडली को दिया है। डॉ उपाधि मिलने के उपलक्ष में डॉ.तारा चंद बड़पैया, वेंकट राव रंगारे, खिलेश्वर ठाकरे ,महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक और मित्र गणों ने बधाइयां प्रेषित की है।

आवश्यकता है
उत्कर्ष कम्प्युटर लालबर्रा में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद

इच्छुक युवक-युवती सम्पर्क
बॉयोडाटा इंटरव्यू में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-उत्कर्ष कम्प्युटर
पंवार मंगल भवन के पास, सिवनी रोड लालबर्रा
7691909255, 9424663575

आवश्यकता है
आराध्या कम्प्युटर में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 02 पद
- ऑफिस कार्य - 02 पद

इच्छुक युवक-युवती सम्पर्क
बॉयोडाटा इंटरव्यू में जमा कर सकते है
वेतन-योग्यतानुसार
पता-आराध्या कम्प्युटर
मोतीनगर, गौरव पथ रोड, बालाघाट
7691909255, 8889326305

भलावी ने जिला आपूर्ति अधिकारी का पदभार संभाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मण्डला से स्थानांतरित होकर आये संत कुमार भलावी ने 22 जून को जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी बालाघाट का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बालाघाट में पदस्थ आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर का कटनी स्थानांतरण हो गया है।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्पलेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 23 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जीपीएफ खातों की गुमशुदा कटौतियों के निराकरण के लिए शुरू हुआ विशेष शिविर

25 जून तक चलेगा शिविर, पहले दिन आये 15 आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट, सिवनी एवं मंडला जिले के शासकीय सेवकों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) खातों में दर्ज गुमशुदा कटौतियों एवं अप्रविष्ट मदों के त्वरित निराकरण के लिए महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) कार्यालय, मध्य प्रदेश, ग्वालियर के मार्गदर्शन में जिला स्तर पर 22 से 25 जून 2026 तक विशेष जीपीएफ शिविर का आयोजन किया गया है। 22 जून से यह विशेष शिविर कलेक्ट्रेट कार्यालय बालाघाट के प्रथम तल स्थित कक्ष क्रमांक 205 में प्रारंभ हो गया है। शिविर के पहले दिन विभिन्न विभागों के शासकीय सेवकों के गुमशुदा कटौतियों एवं अप्रविष्ट मदों के त्वरित निराकरण के लिए 15 आवेदन प्राप्ति हुए है।

इस शिविर के लिए सहायक कोषालय अधिकारी यशवंत मसकरे को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविर में महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर से वरिष्ठ लेखा अधिकारी अवधेश पाण्डेय, सहायक लेखा अधिकारी बाबूलाल मीणा, सुमित कुमार एवं मुकेश सैनी उपस्थित द्वारा जीपीएफ खातों से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। शिविर में आने वाले कर्मचारियों को सामान्य भविष्य निधि कटौती पत्रक (जीपीएफ डिडक्शन शेड्यूल), संबंधित महीनों के वेतन देयक, चालान की प्रति तथा कैशबुक एवं बिल रजिस्टर की प्रमाणित प्रतियां साथ में अनिवार्य रूप से लाने कहा गया है। महालेखाकार कार्यालय द्वारा गुमशुदा कटौतियों, निष्क्रिय खातों एवं अप्रविष्ट मदों की चेकलिस्ट भी उपलब्ध कराई जा गई है। इसके आधार पर संबंधित डीडीओ अथवा उनके कार्यालय के जीपीएफ रिकार्ड्स देखने वाले लिपिकों को आवश्यक जानकारी एवं मूल अभिलेखों के साथ शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

शिविर के दौरान जीपीएफ के अंतिम भुगतान प्रकरणों में बरती जाने वाली सावधानियों एवं आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। जिला कोषालय बालाघाट, सिवनी एवं मंडला के अंतर्गत आने वाले सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) तथा कर्मचारियों से शिविर की जानकारी व्यापक रूप से साझा करने का आग्रह किया गया है। जिन कर्मचारियों के जीपीएफ खातों में कटौतियां मिसिंग हैं अथवा अप्रविष्ट मदों की समस्या है, उन्हें संबंधित डीडीओ कार्यालय के लिपिक के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी शिकायतों का निराकरण कराने कहा गया है।

जनगणना में भी ओबीसी वर्ग के साथ किया जा रहा अन्याय
पहले जोड़े ओबीसी का कालम,फिर कराए जनगणना

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा, ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

नारेबाजी कर निकाली रैली, सौपा ज्ञापन,मांग पूरी ना होने पर बड़ा आंदोलन की दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

देश में लंबे समय से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा ओबीसी की जनगणना कराए जाने की मांग की जा रही है, लेकिन आजादी के बाद से ही देश में ओबीसी की जातिगत जनगणना नहीं कराई गई हैं।ब्रिटिश हुकूमत ने 1871 से 1931 तक जातिगत जनगणना कराई, लेकिन आजादी के बाद ओबीसी की जातिगत जनगणना नहीं कराई गई जिसके चलते जनसंख्या के आधार पर ओबीसी को उनका हक और अधिकार नहीं मिल पा रहा है। जनसंख्या के आधार पर ओबीसी को आरक्षण और सभी वर्ग क्षेत्रो हिस्सेदारी ना मिलने पर विगत कई वर्षों से सामाजिक संगठनों द्वारा ओबीसी की जनगणना कराए जाने की मांग की जा रही है। जिसे देखते हुए देश मे जनगणना का कार्य तो शुरू कर दिया गया है।लेकिन जनगणना के फार्म में ओबीसी का कालम ही नही रखा गया है।जहां ओबीसी वर्ग को सामान्य में गिना जा रहा है।इस पर आपत्ति जताते हुए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा द्वारा सरकार के खिलाफ शुरू किया गया चरणबद्ध आंदोलन सोमवार को भी देखने को मिला है।जिसके तीसरे व अंतिम चरण के तहत सोमवार 22 जून को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग(ओबीसी) मोर्चा द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपनी इस प्रमुख मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की गई।इस दौरान पदाधिकारियो ने केंद्र सरकार पर ओबीसी का हक मारने का आरोप लगाते हुए धरना स्थल से नगर में एक रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमे उन्होंने जनगणना के फार्म में ओबीसी का कालम जोड़ने और ओबीसी वर्ग के सही आंकड़े जारी कर, जनसख्या के हिसाब से ओबीसी वर्ग को नौकरी में आरक्षण देते हुए सभी क्षेत्रो में ओबीसी वर्ग को आरक्षण देकर ओबीसी वर्ग को जनसख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दिए

जाने की मांग की है।

ओबीसी वर्ग को मिले उसका हक और अधिकार

पदाधिकारियों ने बताया कि हमने हमेशा संविधान के दायरे में रहकर अपने हक की लड़ाई लड़ी है।ओबीसी जनगणना, केवल आंकड़े नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के हक, अधिकार और पहचान का सवाल है।ओबीसी समुदाय के इस हक -अधिकार के लिए कई बार धरना प्रदर्शन आंदोलन आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौपा गया है।इस जनगणना में ओबीसी वर्ग का कालम ना होने के चलते,ओबीसी वर्ग को हर क्षेत्र में काफी नुकसान हो रहा है और उन्हें जनसंख्या के आधार पर उनका हक अधिकार नहीं मिल पा रहा हैं।हमारी मांग है कि जनगणना के आंकड़े पारदर्शिता के साथ सार्वजनिक किए जाए।ओबीसी वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी दी जाए और केंद्र व राज्य स्तर पर नीति निर्धारण में ओबीसी वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।ताकि जनसंख्या के आधार पर ओबीसी वर्ग को हर क्षेत्र में आरक्षण मिल सके।

जिसकी जितनी संख्या भारी उसकी उतनी हिस्सेदारी चाहिए

पदाधिकारियों ने, जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का नारा बुलंद करते हुए ओबीसी जनगणना और जन संख्या के आधार पर आरक्षण दिए जाने की मांग की है। जिन्होंने स्पष्ट कर दिया कि 15 प्रतिशत लोग ,85 प्रतिशत लोगों पर राज नहीं करेंगे। जिन्होंने केवल सरकारी नौकरी ही नहीं बल्कि शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक सहित अन्य क्षेत्रों में भी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण दिए जाने की मांग की है।वहीं उन्होंने इस मांग को लेकर पूरे देश में सड़को पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

जनसंख्या के आधार पर हर क्षेत्र में दिया जाए प्रतिनिधित्व

पदाधिकारियो ने बताया कि पूरे देश में ओबीसी का प्रतिशत अधिक होने के बावजूद उन्हें प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते कैसे ओबीसी वर्ग के लिए योजना बनेगी और कैसे उन्हें लाभ मिलेगा। देश में सबसे ज्यादा ओबीसी समाज होने के बावजूद कार्यपालिका न्यायापालिका व कर्मचारियों की संख्या में ओबीसी का प्रतिशत ना के बराबर है। उन्होंने मांग की कि सरकार ओबीसी की जनगणना कराकर उसे हर क्षेत्र प्रतिनिधित्व दे।अब हम सामाजिक शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे।हमें जनसंख्या के आधार पर राजनीति, सरकारी नौकरी, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार सहित अन्य क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व चाहिए।

तो पूरे देश में किया जाएगा बड़ा आंदोलन- सदाशिव हरिनखेड़े

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष सदाशिव हरिनखेड़े ने बताया कि अभी जो जनगणना हो रही है उसमें ओबीसी का कालम नहीं दिया गया है ऐसे में ओबीसी वर्ग को सामान्य वर्ग में गिना जा रहा है जब ओबीसी वर्ग का जनगणना में कालम ही नहीं होगा तो फिर ओबीसी के लिए बजट कहां से आएगा देश को आजाद हुए करीब 80 वर्ष बीत गए आज तक आजादी के बाद से ओबीसी की जाति आधारित जनगणना नहीं हुई है,जनगणना में एससी एसटी का कॉलम तो है लेकिन ओबीसी का कालम नहीं है जिसे लागू करने की मांग संगठन द्वारा की जा रही है।,इसी को लेकर संगठन द्वारा चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया है,इसके बाद भी यदि मांग पूरी नहीं होती तो पूरे देश में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सद्गुरु कबीर प्रकट उत्सव पर निकली विशाल रैली, प्रतिभावान बच्चों का हुआ सम्मान

नशा मुक्ति, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के स्थानीय कमला नेहरू सभा हाल में सद्गुरु कबीर साहेब एवं धर्मदास वंशावली मिशन द्वारा सद्गुरु कबीर प्रकट उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में धर्मावलंबी, समाजसेवी, महिलाएं, पुरुष एवं युवा शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य समाज में सद्भाव, नशा मुक्ति, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह एक विशाल शोभायात्रा एवं रैली के साथ हुई। रैली कमला नेहरू सभा हाल से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों और विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए पुनः आयोजन स्थल पहुंची। रैली के दौरान श्रद्धालुओं ने सद्गुरु कबीर साहेब के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया तथा समाज में भाईचारा, प्रेम और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। इसके पश्चात सभा हाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। शिक्षा, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजकों ने कहा कि समाज के होनहार बच्चों को सम्मानित करने से अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी विशेष संदेश दिया गया। आयोजकों ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण बचाने के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण करने का संकल्प भी दिलाया

गया। मिशन के संचालक सतीश दास ने बताया कि सतगुरु कबीर धनी धर्मदास वंशावली मिशन द्वारा पिछले कई वर्षों से सद्गुरु कबीर प्रकट उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु कबीर साहेब के विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। उनका संदेश मानवता, समानता, सत्य और सदाचार पर आधारित है, जिसे जन-जन तक पहुंचाने का कार्य मिशन लगातार कर रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन का प्रमुख उद्देश्य समाज को एकजुट करना तथा युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। आज नशा समाज के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है, जिससे युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। ऐसे में सद्गुरु कबीर के विचारों को अपनाकर समाज को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भी सद्गुरु कबीर साहेब के जीवन और उनके संदेशों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर साहेब ने हमेशा जाति-पाति, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध किया तथा मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके विचार आज भी समाज को सही मार्ग दिखाने का कार्य कर रहे हैं। आयोजन में जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रीय विधायक ने भी सहभागिता की। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने मिशन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक जागरूकता का माहौल देखने को मिला। अंत में सभी ने सद्गुरु कबीर साहेब के बताए मार्ग पर चलने, नशामुक्त समाज के निर्माण और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। सफल आयोजन के लिए मिशन के पदाधिकारियों ने सभी धर्मावलंबियों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह समाजहित के कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

खिल्यामुठ्या देव स्थल,से तत्काल हटाया जाए अतिक्रमण

ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार, सौपा ज्ञापन,शीघ्र कार्रवाई की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत कटंगी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत लखनवाड़ा के वार्ड क्रमांक 4 स्थित पारंपरिक खिल्यामुठ्या स्थल पर कथित अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अतिक्रमण हटाकर धार्मिक स्थल को मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग की है, ताकि वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपराओं का निर्वहन बिना किसी बाधा के किया जा सके। अपनी इसी मांग को लेकर उन्होंने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है जिसमें उन्होंने जल्द से जल्द इस मामले में कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत पर किया जा रहा अवैध कब्जा,कार्यक्रम प्रभावित

ज्ञापन को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुचे ग्रामीणों ने बताया कि उनके ग्राम लखनवाड़ा के वार्ड नंबर 4 स्थित खिल्यामुठ्या देव भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है।खिल्यामुठ्या देव भूमि केवल एक स्थान नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक है। यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में समाज के लोग एकत्र होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना करते हैं। यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो भविष्य में धार्मिक आयोजनों और सामाजिक परंपराओं के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।इसी को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत एवं प्रशासन को आवेदन सौंपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है,ताकि आगामी दीपावली पर गोवर्धन पूजा एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम पूर्व की भांति सुचारू रूप से आयोजित किए जा सकें।

यह भूमि हमारी आस्था का केंद्र है- गणेश सहारे

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्रामीण गणेश कुमार सहारे ने बताया कि ग्राम लखनवाड़ा के वार्ड क्रमांक 4 में स्थित खिल्यामुठ्या स्थल आदिवासी गोंड-गोवारी समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां समाज के लोग कई वर्षों से दीपावली के अवसर पर गोवर्धन पूजा, गाय खिलाने सहित अन्य पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करते आ रहे हैं।उन्होंने आगे बताया कि कुछ लोगों द्वारा इस स्थल पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे धार्मिक आयोजनों के संचालन में कठिनाई उत्पन्न हो रही है। उन्होंने बताया कि इसके पूर्व भी कई बार इसी मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ, इसीलिए आज पुनः कलेक्टर कार्यालय आकर ज्ञापन सौपा गया है हमारी मांग है कि जल्द से जल्द भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए ताकि परंपराओं के अनुसार वर्षों से चले आ रहे कार्यक्रम आगे भी जारी रहे और भविष्य में किसी प्रकार के विवाद की स्थिति उत्पन्न ना हो।जिला प्रशासन ने इस मामले में निष्पक्ष जांच कराकर अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटाना चाहिए।

लखनऊ अग्निकांड के बाद बालाघाट प्रशासन अलर्ट, कोचिंग-लाइब्रेरी की सुरक्षा व्यवस्था होगी होंगी जाँच

एसडीएम ने दिए विशेष निरीक्षण के संकेत, फायर सेफ्टी, इमरजेंसी एग्जिट और भवन सुरक्षा मानकों की होगी व्यापक जांच

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक निजी कोचिंग संस्थान में लगी भीषण आग की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे के बाद अब जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिले में संचालित निजी कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी तथा निजी भवनों में संचालित शैक्षणिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक जांच अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जानकारी के अनुसार 22 जून को लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में दोपहर के समय अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि भवन में मौजूद विद्यार्थियों को बाहर निकलने का पर्याप्त समय तक नहीं मिल सका। कुछ ही मिनटों में पूरा परिसर धुएं और आग की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जान बचाने के लिए कई छात्रों को भवन की ऊपरी मंजिलों से छलांग लगानी पड़ी। इस भयावह हादसे में लगभग 18 छात्रों की मौत होने की जानकारी सामने आई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना के बाद देशभर में कोचिंग संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। इधर बालाघाट शहर में भी बड़ी संख्या में निजी कोचिंग संस्थान, प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र और लाइब्रेरी संचालित हो रही हैं। इनमें से कई संस्थान बहुमंजिला भवनों में चल रहे हैं, जहां प्रतिदिन सैकड़ों विद्यार्थी अध्ययन करने पहुंचते हैं। लेकिन इन संस्थानों में फायर सेफ्टी, इमरजेंसी एग्जिट, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा और आपदा प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। कई भवनों में केवल एक ही प्रवेश और निकास मार्ग होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं, जिससे किसी आपात स्थिति में विद्यार्थियों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। लखनऊ की घटना के बाद जब इस विषय को लेकर बालाघाट के एसडीएम गोपाल सोनी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें भी इस घटना की जानकारी मीडिया के माध्यम से प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पहले भी समय-समय पर निजी अस्पतालों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करता रहा है। हाल ही में भी प्रशासनिक टीम द्वारा विभिन्न निजी भवनों और संस्थानों का निरीक्षण किया गया था। एसडीएम श्री सोनी ने बताया कि लखनऊ की घटना को गंभीरता से लेते हुए अब एक विशेष टीम गठित की जाएगी, जो शहर में संचालित निजी कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और निजी भवनों में चल रही शैक्षणिक संस्थाओं का निरीक्षण करेगी। जांच के दौरान भवनों में उपलब्ध फायर सेफ्टी उपकरणों, अग्निशमन यंत्रों की कार्यशीलता, इमरजेंसी निकासी मार्ग, विद्युत वायरिंग की स्थिति, फायर एनओसी, आपदा प्रबंधन व्यवस्था तथा भवन की संरचनात्मक सुरक्षा का विस्तृत परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई बार संस्थान प्रारंभ तो हो जाते हैं, लेकिन सुरक्षा संबंधी आवश्यक नियमों का पूर्ण पालन नहीं किया जाता। ऐसे में किसी भी आकस्मिक घटना के दौरान बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इसलिए प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि सभी संस्थान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करें। जहां कमियां पाई जाएंगी वहां सुधार के निर्देश दिए जाएंगे और गंभीर लापरवाही पाए जाने पर वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि आगजनी जैसी घटनाएं बिना किसी पूर्व सूचना के होती हैं और ऐसी परिस्थितियों में केवल मजबूत सुरक्षा व्यवस्था ही जनहानि को रोक सकती है। इसलिए कोचिंग संचालकों और भवन मालिकों को भी सुरक्षा नियमों के प्रति गंभीर होना होगा। विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था केवल कागजी प्रक्रिया न होकर व्यवहारिक रूप से प्रभावी होना आवश्यक है।

दीपक राणा ने कोषालय अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपक राणा (उपसंचालक वित्त) द्वारा 19 जून को वरिष्ठ कोषालय अधिकारी बालाघाट का पदभार ग्रहण कर लिया गया है। श्री राणा, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग परीक्षा वर्ष 2014 बैच के वित्त सेवा के अधिकारी हैं। पूर्व में पदस्थ अमित मरावी का स्थानांतरण उपसंचालक केंद्रीकृत पेंशन सेल, भोपाल में किया गया है। श्री राणा ने पदभार ग्रहण करने के अवसर पर कोषालय परिवार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्री राणा का स्वागत किया गया और उन्हें नवीन दायित्व के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।

आस-पास की खबरें

महाविद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य एवं समय प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में सोमवार को विद्यार्थियों एवं स्टाफ हेतु मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे

के नेतृत्व में संपन्न हुआ। नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कहा कि विद्यार्थियों एवं स्टाफ को कार्य स्थल में सामंजस स्थापित कर क्षमता अनुरूप कार्य करने तथा समय पर कार्य को पूर्ण करने से तनाव से दूर रह सकते है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. सुखचन्द एडे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच एवं धैर्य के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित किया एवं बौध्दिक क्षमता अनुरूप कार्य करने पर बल दिया। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने कहा कि शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सदैव अं छे कार्य करते रहना चाहिए एवं योग और प्रणायाम के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर कर सकते है। कार्यक्रम का मंच संचालन दीपक अहिरवार एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफ ल बनाने में डॉ. निर्मल किर्ती गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता एडे, पीतम मुरते, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बबरियाटोला से छिंदलई पहुंच मार्ग का खस्ताहाल

बरसात में सड़क में बने गड्ढों में पानी जमा एवं कीचड़ होने से आवागमन में होती है परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क का मरम्मत या नवीन सड़क का निर्माण करवाने की प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर ग्राम पंचायत बबरिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम बबरियाटोला से छिंदलई को जोड़ने वाला मुख्य पहुंच मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गये हैं, जिसके कारण इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मार्ग में बने गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है। लेकिन सड़क का खस्ताहाल हो जाने के कारण सभी को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं लंबे समय से प्रशासन से बबरियाटोला से छिंदलई पहुंच मार्ग का मरम्मत या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

जिम्मेदारों की उदासीनता से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत बबरिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम बबरियाटोला से छिंदलई पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया था। लेकिन निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क का खस्ताहाल हो चुका है और बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही तेज बारिश होती है तो इस मार्ग की स्थिति और भी बदतर हो सकती है। बारिश होने पर सड़क के गड्ढों में पानी जमा हो जाता है और पूरी सड़क कीचड़ में तब्दील हो जाती है। कई स्थानों पर तो जलभराव के कारण बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है। सड़क की इस खस्ताहाल स्थिति के कारण दुर्घटनाएं भी घटित होती है लेकिन जिम्मेदार मौन बैठे है। इस तरह से जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि इस महत्वपूर्ण सीमेंटीकरण सड़क की मरम्मत के लिए लंबे समय से मांग की जा रही है। लेकिन प्रशासन और संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस गंभीर समस्या की ओर लगातार अनदेखी की जा रही है। जिम्मेदारों की इस उदासीनता के कारण अब क्षेत्र के ग्रामीणों और राहगीरों में रोष व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि इस मुख्य मार्ग से केवल बबरियाटोला या छिंदलई ही नहीं, बल्कि आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण रोजाना आवागमन करते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होती है इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि बबरियाटोला से छिंदलई पहुंच मार्ग का जल्द मरम्मत कार्य या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

आवागमन में हो रही परेशानी - गोंडीजी

गोंडीजी भगत ने बताया कि बबरियाटोला से गुजरी सड़क लालबर्रा से लामता की ओर जाती है और इस मार्ग से रोजगार क्षेलीयजन एवं राहगीर आवागमन करते है। लेकिन सड़क खराब होने से सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क में जगह-जगह बने गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। श्री भगत ने बताया कि इस मार्ग से आधा दर्जन से अधिक ग्रामों के ग्रामीणजन आवागमन करते है, प्रशासन से मांग है कि सड़क का जल्द मरम्मत या फिर नवीन सड़क का निर्माण करवाये।

इनका कहना है-

बबरियाटोला से छिंदलई पहुंच मार्ग खराब हो चुका है, इस समस्या से सड़क विभाग को अवगत करवा दिया गया है और मांग की गई है कि सड़क का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

मोहनलाल गौतम
सरपंच
ग्राम पंचायत बबरिया।

महामहिम राष्ट्रपति की प्रेरणा से गोंडीटोला बुट्टा ह. में विशाल स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा आदिवासी महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत दी जा रही निःशुल्क सेवाएं, तीन वर्षों तक निरंतर चलेगा सेवा अभियान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। श्री सत्य साई सेवा संगठन भारत द्वारा महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के दिशा-निर्देशन व प्रेरणा से देशव्यापी आदिवासी महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस महाभियान के अंतर्गत देशभर के 500आदिवासी बाहुल्य गांवों का चयन किया गया है, जिसमें बालाघाट जिले के श्री

सत्य साई सेवा संगठन द्वारा 5 आदिवासी गांवों को गोद लिया गया है। वहीं तीन वर्षों तक निरंतर चलने वाले इस गरिमामयी सेवा कार्यक्रम के तहत सोमवार को श्री सत्य साई सेवा संगठन लालबर्रा के द्वारा जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोंडीटोला (बुट्टा हजारी) में एक दिवसीय विशाल स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर श्री सत्य साई सेवा संगठन लालबर्रा के पदाधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। आयोजित शिविर के दौरान डॉक्टरों की टीम द्वारा ग्रामीण एवं विशेषकर आदिवासी महिलाओं के स्वास्थ्य की गहनता से निःशुल्क जांच की गई। साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाइयां मुफ्त में वितरित कर उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया। वही शिविर में उपस्थित संगठन के पदाधिकारियों व स्वास्थ्य अधिकारियों ने ग्रामीणों को इस विशेष अभियान के उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी और ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और सजग रहें। किसी भी प्रकार की बीमारी या तबियत खराब होने पर झाड़-फूंक या लापरवाही के बजाय तत्काल योग्य चिकित्सकों से ही उपचार करवाने की सलाह दी है। वहीं इस आदिवासी बाहुल्य गांवों में आदिवासी महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत श्री सत्य साई सेवा संगठन द्वारा तीन वर्षों तक निरंतर निःशुल्क सेवाएं दी जा रही है। ताकि सभी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सके। श्री सत्य साई सेवा संगठन जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि श्री सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी वर्ष में राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मु के द्वारा श्री सत्य साई संगठन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए संगठन को आदिवासी गांव में महिला सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर जनहित के काम करने निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में संगठन के द्वारा मध्यप्रदेश के 124 गांव में और पूरे भारत में 500 गांव में महिला स्वास्थ्य सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसके तहत 22 जून को गोंडीटोला बुट्टा हजारी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया और चिकित्सकों के द्वारा ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गई है। साथ ही यह भी बताया कि 24 जून को लालबर्रा के गोद ग्राम खैरगोंदी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जायेगा और यह विशेष शिविर महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर आयोजित गया जा रहा है। डॉ. शिवकुमार गौतम ने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति द्रौपति मुर्मु के सम्मान में पूरे भारतवर्ष में श्री सत्य साई सेवा संगठन के द्वारा गोद लिए हुए आदिवासी गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाकर उन्हें स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जा रही है। साथ ही आदिवासी महिलाओं के लिए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है। गोंडीटोला (बुट्टा ह) में आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा संगठन को पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया है। इस अवसर पर श्री सत्य साई सेवा संगठन प्रांत सेवा समन्वय डॉ. शिवकुमार गौतम, जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, जिला सेवा सामान्य शैलेश आश्वले, संयोजक गणेशप्रसाद देशमुख एवं महिला सेवा समन्वय प्रभा गौतम, लक्ष्मीनारायण झंझाड़े, ग्राम सरपंच सीके बघेल, उदेलाल बघेल, उदेलाल भोगाडे, मुन्नालाल गौतम, आशा कार्यकर्ता सुखवंत टेंभरे, ईगलाल बोपचे, चेतनलाल टेम्भरे, शिक्षक श्री खान, ज्ञानलता दशरिये, मोनिका दशरिये, अनुसुईया झंझाड़े, रेखा, मंजु मलेवार, दिलीप उइके, दीवानसिंह उइके, लक्ष्मण मर्सकोले, मोतन झंझाड़े, रुखमन झंझाड़े सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

एपीसी खेल मैदान में उत्साह के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठजनों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, स्वस्थ जीवन अपनाने का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार स्थित एपीसी (फिजीकल क्लब) खेल मैदान में 21 जून को प्रात: 6 बजे भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।'करो योग-रहो निरोग' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों, युवाओं, महिलाओं तथा वरिष्ठ नागरिकों ने सहभागिता करते हुए योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति एवं योग के महत्व पर प्रेरणादायी संदेशों के साथ किया गया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी विनोद चौहान, एपीसी चैयरमेन ओपी बिसेन, हल्का पटवारी दीपक पारासर, सेवानिवृत्त सचिव/सीईओ कृषि उपज मंडी नारायणप्रसाद बनवाले, अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी अध्यक्ष शरद धानेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर प्राथमिक शाला के शिक्षक गिरी गोस्वामी एवं श्री कटरे, ग्रामीण जैराज भारद्वाज तथा वरिष्ठ नागरिक गनीराम हरिद्वाज द्वारा योगासन की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने उपस्थित लोगों को योग की विधियां, उनके लाभ तथा सही तरीके से अभ्यास करने के बारे में बताया। वहीं करीब एक घंटे तक योगाभ्यास किया गया। योगाभ्यास के दौरान शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और अनुशासित जीवन शैली के महत्व पर भी चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने योग को केवल एक दिवस का कार्यक्रम न मानकर जीवन की नियमित दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में योग दिवस से जुड़े प्रसारण को भी सामूहिक रूप से उपस्थितजनों ने सुना। वन परिक्षेत्र अधिकारी विनोद चौहान ने कहा कि ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के साथ सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियां भी निरंतर चलती रहनी चाहिए एवं योग स्वस्थ समाज निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। साथ ही यह भी कहा कि जो कर्मचारी ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं, उनके साथ न्याय होना चाहिए। यदि किसी कर्मचारी का नियमों के विरूध्द स्थानांतरण किया जाता है तो यह चिंताजनक विषय है। एपीसी चैयरमेन ओपी बिसेन ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ नहीं रखता बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक सोच भी विकसित करता है और आने वाले समय में सामुदायिक भवन में ग्रामीणों को नियमित योगाभ्यास के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए पंचायत स्तर पर आवश्यक पताचार एवं पहल की जायेगी। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढ़रवानी अध्यक्ष शरद धानेश्वर ने कहा कि समाज के सदस्यों की इच्छा थी कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रम न बनाकर सामूहिक सहभागिता के रूप में मनाया जाये। इसी उद्देश्य से सभी सामाजिक सदस्यों को एपीसी क्लब में शामिल होकर योग करने का आग्रह किया गया। साथ ही यह भी कहा कि औल्याकंहार फिजीकल क्लब लगातार खेल, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुका है तथा यह केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं बल्कि व्यापक पहचान स्थापित कर रहा है। वहीं अखिल भारतीय गढ़वाल समाज महासभा के पूर्व सचिव एवं सेवानिवृत्त सीईओ एन.पी. बनवाले ने कहा कि योग केवल एक दिवस का आयोजन नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन जीने की सतत प्रक्रिया है। यदि लोग प्रतिदिन योग करें तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर चन्द्रकुमार ब्रम्हें , संतोष ब्रम्हें, देवेन्द्र बनवाले, गणेश नागेश्वर, निकलेश नागेश्वर, सुशील ब्रम्हे, जैराज भारद्वाज, तारकेश्वर नागेश्वर, वरिष्ठ नागरिक गनीराम हरिद्वाज, उम्मेद चावलें, उमाप्रसाद नागेश्वर, ग्राम रक्षक प्रमोद चौहान, धुनेश्वर कटरे, धनेश यादव, नितेश यादव सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बैहर के प्रतिष्ठित व्यापारी राधा शरण प्यासी नहीं रहे- अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं सम्मानित नागरिक राधा शरण प्यासी पिता स्वर्गीय भोला प्रसाद प्यासी का 82 वर्ष की आयु में बुधवार सुबह लगभग 8 बजे उनके निज निवास पर निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार, रिश्तेदारों, व्यापारी वर्ग, अधिवक्ताओं और नगरवासियों ने उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।निधन के समय उनके छोटे भाई अधिवक्ता आर. कांत प्यासी उपस्थित थे।जबकि बड़े पुत्र जयप्रकाश प्यासी बाहर होने के कारण तत्काल मौजूद नहीं थे। उनके बैहर पहुंचने के बाद शाम लगभग 4 बजे अंतिम यात्रा निकाली गई। अंतिम यात्रा में नगर के सभी वर्गों के लोग, व्यापारी, मित्रगण, रिश्तेदार एवं शुभचिंतक भारी संख्या में शामिल हुए। हजारों लोगों ने कंधा देकर उन्हें अंतिम विदाई दी। पूरे नगर में गमगीन माहौल देखने को मिला।राधा शरण प्यासी अपने समय के प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय व्यापारी थे। उनकी दुकान जी.एम.जी. मिष्ठान भंडार नगर में विशेष पहचान रखती थी। वे प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लाउडस्पीकर के माध्यम से अपनी दुकान का अनाउंसमेंट कर मिठाइयों की बिक्री करने में माहिर माने जाते थे। उनका व्यवहार अत्यंत मधुर और मिलनसार था। जिसके कारण सभी वर्गों के लोगों से उनके आत्मीय संबंध थे।वे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। नगर में उनकी पहचान एक सरल, सहज और मददगार व्यक्ति के रूप में थी। उन्होंने अपने जीवन में पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन किया।अपने पीछे वे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके परिवार में दो पुत्र जयप्रकाश प्यासी एवं रवि प्रसाद प्यासी तथा दो पुत्रियां हैं।मुखाग्नि बड़े पुत्र जयप्रकाश प्यासी द्वारा दी गई। अंतिम संस्कार के पश्चात शिक्षक चंदन विश्वकर्मा द्वारा शोकसभा आयोजित की गई।जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

कोसरीटोला से मुरझड़ मार्ग जर्जर राहगीर परेशान

ग्रामीणों में आक्रोश पक्की सड़क की कर रहे मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मुरझड़ से कोसरीटोला तक जाने वाला एकमात्र संपर्क मार्ग इस समय बेहद दयनीय और जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। उबड़ खाबड़ हो चुके इस रास्ते पर जगह जगह छोटे.बड़े गड्ढे उभर आए हैं जिससे हर दिन राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में धूल और गिट्टी के कारण लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं तो वहीं आगामी मानसून में यह समस्या पूरी तरह विकराल रूप धारण कर लेती है। लंबे समय से उपेक्षा का दंश झेल रहे कोसरीटोला वासियों में अब शासन प्रशासन के खिलाफगहरा आक्रोश पनपने लगा है।

कटंगी और लालबर्रा मार्ग को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण बाईपास

भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो ग्राम पंचायत मुरझड़ मुख्य बस्ती के अलावा दो टोलों में बंटी हुई है। इनमें से सबसे बड़ी और घनी आबादी वाला टोला कोसरीटोला है जो कटंगी मुख्य मार्ग पर स्थित है। वहीं मुरझड़ का मुख्य पंचायत भवन लालबर्रा रोड़ पर आता है। इन दोनों महत्वपूर्ण क्षेत्रों को आपस में जोड़ने वाला यह लगभग २ किलोमीटर से अधिक लंबा कच्चा मार्ग है। यह मार्ग केवल ग्रामीणों के लिए ही नहीं बल्कि कटंगी से लालबर्रा और लालबर्रा से कटंगी क्षेत्र की ओर आने जाने वाले राहगीरों के लिए एक बाईपास के रूप में काम करता है। इस वजह से यहां से प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। कोसरीटोला के ग्रामीणों के लिए ग्राम पंचायत संबंधी कामकाज, राशन दुकान या अन्य शासकीय कार्यों के लिए लालबर्रा रोड़ स्थित पंचायत भवन पहुंचने का यही इकलौता जरिया है। इसके अलावा गांव के स्कूली बच्चों को भी अपनी पढ़ाई के लिए हर दिन इसी पथरीले और उबड़.खाबड़ रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। सड़क पर उभरी नुकीली गिट्टियां और अंधाधुंध मोड़ों पर जमी धूल की मोटी परत के कारण अक्सर दुपहिया वाहन चालक यहां स्लिप होकर चोटिल हो रहे हैं। लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। बीते कुछ वर्ष पहले इस मार्ग पर मुरूमीकरण का कार्य कराया गया था लेकिन देखरेख के अभाव में अब स्थिति और बदतर हो गई है। बारिश के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह बंद होने की कगार पर पहुंच जाता है। सड़क के दोनों ओर किसानों के खेत हैं खेती के सीजन में जब भारी भरकम ट्रैक्टर इस कच्चे मार्ग से गुजरते हैं तो टायरों के गहरे निशान बन जाते हैं और पूरी सड़क कीचड़ के दलदल में तब्दील हो जाती है। ऐसी स्थिति में साइकिल या मोटरसाइकिल से निकलना तो दूर पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। बरसात में सिर्फ किसान ही खेतों तक जाने के लिए मजबूरन पैदल इस रास्ते का उपयोग करते हैं, बाकी आम जनता के लिए संपर्क पूरी तरह कट जाता है। ग्रामीणों और राहगीरों के द्वारा इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित कराया गया है। मांग की जा रही है कि इस महत्वपूर्ण बाईपास मार्ग पर जल्द से जल्द पक्की डामरीकरण सड़क या कम से कम व्यवस्थित ग्रेवल सड़क का निर्माण कराया जाए ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

बारिश में मार्ग की दुर्दशा बहुत ज्यादा खराब हो जाती है-विक्रांत मेश्राम

राहगीर विक्रांत मेश्राम ने बताया कि यह मार्ग बहुत महत्वपूर्ण मार्ग है कम दूरी में व्यक्ति इस मार्ग से नेवरगांव की ओर निकालने के लिए उपयोग करते हैं। यह पूरा कच्चा मार्ग

है इस पर अभी मुरूमीकरण किया गया था किंतु यह इस मार्ग के लिए ठीक नहीं है ग्रेवल सड़क कि यहां पर जरूरत है। क्योंकि आने जाने की समस्या बहुत समय से बनी हुई है बारिश में मार्ग की दुर्दशा हो जाती है पूरा कीचड़ मार्ग पर फैला रहता है ट्रैक्टर लगातार चलते रहते हैं उनके आने जाने से भी मार्ग बहुत खराब हो जाता है। यह २ किलोमीटर का मार्ग है जो कोसरी टोला से मुरझड़ का है जिसमें अभी तो जगह.जगह गड्ढे और धूल पड़ी हुई है। मोटरसाइकिल साइकिल या बड़े वाहन भी अनियंत्रित हो जाते हैं गड्ढे के कारण वाहनों में खराबी आ जाती है दुर्घटना तो बहुत कम इसलिए होती है कि लोग रास्ता खराब होने के कारण धीरे चलते हैं। परंतु यहां ठीक से लोग नहीं चल पाए इतनी रोड़ खराब है दुर्घटना की हमेशा झाड़ियां टर्निंग और गड्ढों के कारण संभावना बनी हुई है। अति शीघ्र इस मार्ग का निर्माण यदि कर दिया जाता है तो हर किसी को सुविधा होगी।

जर्जर मार्ग से आना जाना हुआ मुश्किल-रामचरण डहरवाल

राहगीर रामचरण डहरवाल ने बताया कि यह कोसरी टोला से मुरझड़ का मार्ग है जो कटंगी रोड़ को लालबर्रा रोड़ से जोड़ता है। यह सड़क बाईपास के रूप में उपयोग की जाती है जहां से सैकड़ो लोग रोजाना आना जाना करते हैं ,कोसरी टोला के रहने वाले पंचायत या विभिन्न कार्यों से इसी मार्ग से आना जाना करते हैं। ऐसे तो यह २ किलोमीटर का मार्ग है परंतु बरसात के समय यह मार्ग बंद होने के कारण वारासिवनी होते हुए सभी को आना जाना पड़ता है वहां ५ किलोमीटर की दूरी का अंतर आता है। बहुत ज्यादा मार्ग में गड्ढे है जो बारिश में पानी से भर जाते हैं ट्रैक्टर के आने जाने से कीचड़ बहुत ज्यादा हो जाता है ,उस समय समस्या इतनी बढ़ जाती है कि मार्ग बंद हो जाता है केवल ट्रैक्टर चलाते हैं। इस मार्ग को बनाया जाना चाहिए क्षेत्र के लोगों को सुविधा होगी।

पंचायत के द्वारा कई बार सड़क की मांग की गई है परंतु कुछ नही हुआ- राजेंद्र गौतम

राजेंद्र गौतम ने बताया कि यह रास्ता स्कूलों के बच्चों के लिए बहुत ज्यादा जरूरी है जिन्हें यहां सबसे ज्यादा परेशानी होती है गिरकर वह चोटिल होने के साथ अपने कपड़े भी गंदे कर लेते हैं। बारिश के समय यहां रोड़ बंद हो जाता है जिससे हमें पंचायत भवन वारासिवनी होते हुए करीब ५ किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर जाना पड़ता है । यह मार्ग बहुत लंबा है जो पंचायत द्वारा संभव नहीं है ऐसे में जिला प्रशासन को इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए । पंचायत के द्वारा कई बार सड़क की मांग की गई है किंतु आज तक कुछ नहीं हुआ बहुत दुखद विषय है।

एसएसपी महाविद्यालय में मनाया गया १२ वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल कला, वाणिज्य एवं विधि महाविद्यालय में भारत सरकार युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निर्देशालय भोपाल तथा उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार २१ जून २०२६ को १२ वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग का आयोजन किया

गया। जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे के मार्गदर्शन एवं कृष्णा परातें कार्यक्रम अधिकारी रासेयो के नेतृत्व में किया गया। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष २०१५ से २१ जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करते हुए प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। इस वर्ष योग दिवस का आयोजन स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य योग के माध्यम से जीवन में संतुलन, स्वस्थ जीवन, आध्यात्मीक दृष्टिकोण तथा सकारात्मक उर्जा प्राप्त करना है। महाविद्यालय परिसर में सामूहिक योग का कार्यक्रम ऑनलाइन कोलकत्ता से प्रसारण प्रधानमंत्री के उद्घोषन के पश्चात प्रकाश कठाने के सहायोग से कार्यक्रम में उपस्थित समस्त महाविद्यालय परिवार, छात्र-छात्राओं को योगाभ्यस के द्वारा भ्रामरी, अनुलोम विलोम, कपाल भारती आदि महत्वपूर्ण योग क्रियाओं को कराते हुए स्वास्थ्य लाभ कैसे प्राप्त करें जानकारी प्रदान की गयी। प्राचार्य के द्वारा अपने उद्बोधन में योग के महात्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों को नियमित योग करना चाहिए जिससे उनका शारिरीक, आध्यात्मीक एवं मानसिक विकास हो सके। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वास्थ्य, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन प्रदान करता है। योग दिवस पर उपस्थित रासेयो अधिकारी कृष्णा परातें के द्वारा कहा गया कि वर्तमान समय में योग को समस्त युवाओं को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। आओं हम सभी योग को अपनाने का संकल्प ले ताकी सभी जनमानस स्वास्थ्य, निरोग एवं तनावमुक्त जीवन प्राप्त कर सके। इस दौरान श्रीमती सरिता नागवंशी, श्रीमती टीना बिसेन, डी एल एड्, राजेश तुमरामे, संतोष त्रिवेदी, महेन्द्र कुमार डोंगरे, संतोष गोखले, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, श्रीमती चिन्तामणी अवरीया एवं समस्त स्टॉफ एनएसएस के स्वयं सेवक एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

तहसील कार्यालय के सामने आंधी तूफान से गिरा विशालकाय पेड़ , टला बड़ा हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के तहसील कार्यालय के सामने सोमवार की दोपहर अचानक आए तेज आंधी तूफान के कारण एक विशालकाय वृक्ष बीच से टूटकर धराशायी हो गया। पेड़ गिरने से सड़क पार कर रही विद्युत विभाग की केबल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत यह रही कि इस बेहद व्यस्त मार्ग पर हादसे के वक्त कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया अन्यथा एक बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। घटना के बाद विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुधार कार्य शुरू किया। सोमवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज काफी तल्ख था। सूर्य देवता आसमान से लगातार तापमान बरसा रहे थे और तेज धूप के कारण लोग बेहाल थे। लेकिन दोपहर करीब २ बजे मौसम ने अचानक करवट ली। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और तेज आंधी.तूफान का दौर प्रारंभ हो गया। धूलभरी आंधी के बीच तहसील कार्यालय के सामने और सिविल अस्पताल के गेट के पास स्थित एक पुराना विशालकाय पेड़ तेज हवाओं का दबाव नहीं झेल पाया और अचानक बीच से टूटकर मुख्य सड़क पर आ गिरा। पेड़ जैसे ही नीचे गिरा उसने वहां से गुजर रही विद्युत विभाग की मुख्य केबल को अपनी चपेट में ले लिया जिससे तार टूट गए और क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। चूंकि यह नगर का मुख्य मार्ग है और यहां हमेशा वाहनों व पैदल यात्रियों की भारी चहल पहल रहती है इसलिए पेड़ गिरने से मार्ग का एक हिस्सा पूरी तरह बंद हो गया। हालांकि सड़क के किनारे से दो पहिया वाहन चालक जैसे.तैसे अपनी राह बनाते नजर आए जिससे आवागमन पूरी तरह ठप नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग का अमला और तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सबसे पहले सुरक्षा के लिहाज से लाइन को बंद किया गया। जिसके बाद कटर मशीनों की सहायता से बीच रास्ते में गिरे विशालकाय वृक्ष की डालियों और तने को काटकर सड़क से हटाया गया। मार्ग साफ होने के बाद विद्युत कर्मियों द्वारा युद्धस्तर पर क्षतिग्रस्त केबल को बदलने और बिजली आपूर्ति बहाल करने का सुधार कार्य शुरू किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह नगर का सबसे मुख्य और व्यस्ततम इलाका है। अस्पताल और तहसील कार्यालय होने के कारण यहां हर समय लोगों की भीड़ रहती है। पेड़ गिरने के ठीक पहले वहां से कुछ लोग गुजरे ही थे जिससे एक बड़ा हादसा होते.होते टल गया। वहीं दूसरी ओर करीब २० मिनट तक चले हवा.तूफान के थमने के बाद नगर में झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ। लगभग १५ मिनट की इस बारिश ने तपती धरती और वातावरण को कुछ समय के लिए ठंडा जरूर किया लेकिन पानी थमने के बाद धूप निकलने से उमस भरी गर्मी ने लोगों को और अधिक बेचैन कर दिया।

केशव विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस गरिमामय वातावरण में संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेंडरी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। प्रात:कालीन पावन बेला में विद्यालय प्रांगण योगमय वातावरण से आलोकित हो उठा। जहाँ विद्यार्थियों शिक्षकगणों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ, संतुलित एवं संस्कारित जीवन का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रदीप तिवारी, विजय तेलासकर ,जितेंद्र टेंभरे,मयंक मिश्रा व समस्त शिक्षकगण विद्यार्थीगण एवं नगर के गणमान्य नागरिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु भारतीय संस्कृति की वह अमूल्य धरोहर है जो शरीर को स्वास्थ्य मन को शांति बुद्धि को एकाग्रता और जीवन को

अनुशासन प्रदान करती है। विद्यालय के सचिव विजय तेलासकर ने कहा कि योग भारतीय चिंतन परंपरा एवं जीवन दर्शन का अभिन्न अंग है। अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह उनमें एकाग्रता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। उन्होंने विद्यार्थियों शिक्षकों एवं उपस्थित नागरिकों से आह्वान किया कि योग को केवल एक दिवस का कार्यक्रम ना मानकर दैनिक जीवन की नियमित साधना बनाया जाए। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज सम्पूर्ण विश्व योग के माध्यम से भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को स्वीकार कर रहा है। योग मानवता को स्वास्थ्य सद्भाव संयम और आत्मिक शांति का मार्ग दिखाता है। अंत में विद्यालय परिवार के द्वारा सभी उपस्थित नागरिकों विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों को नियमित योगाभ्यास करने तथा स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने का संकल्प दिलाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कायदी में शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर २१ जून को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं आयुष आरोग्य मंदिर कायदी के संयुक्त तत्वाधान में वृहद योग शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन आयुष आरोग्य मंदिर कायदी के सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष घोड़ेश्वर एवं स्कूल के प्राचार्य करण सिंह मेडावी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ । शिविर में योग प्रशिक्षक एवं शिक्षक के द्वारा सामूहिक योग एवं प्राणायाम कराया गया। साथ ही योग से होने वाले शारीरिक और मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि योग व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है ,तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में सहायक होता है।

इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य ने उपस्थित योग साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि योग और प्राणायाम को जीवन का नियमित हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग से मन शांत रहता है मानसिक तनाव कम होता है तथा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। योग ना केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दौरान स्कूल प्राचार्य करण सिंह मेडावी, नरेंद्र डोहरे ,गुरुनन्द पवार योग शिक्षक के साथ स्कूल स्टाफ एवं आयुष आरोग्य मंदिर से श्रीमती पुष्पा ठाकरे, श्रीमती करुणा घोड़ेश्वर, योग प्रशिक्षक श्रीमती पूजा दुबे, ललिता सोनवाने, श्रीराम सोनवाने के साथ बड़ी संख्या में बच्चे एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सत्ता पक्ष में जाने के बाद क्या बागी सांसदों को टिकट मिलेगा?

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। समय-समय पर विभिन्न दलों के नेता और सांसद राजनीतिक परिस्थितियों, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं या वैचारिक मतभेदों के कारण अपने दल छोड़कर दूसरे दलों का दामन थामते रहे हैं। हाल के वर्षों में कई राज्यों में यह प्रवृत्ति और अधिक बढ़ी है। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि सत्ता पक्ष में शामिल होने वाले बागी सांसदों को क्या अगले चुनाव में टिकट मिलेगा? राजनीति में टिकट का निर्धारण केवल निष्ठा के आधार पर नहीं होता, बल्कि जीत की संभावना, जनाधार और पार्टी की रणनीति भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सत्ता पक्ष आमतौर पर उन नेताओं को अपने साथ जोड़ना चाहता है जो चुनावी दृष्टि से लाभकारी साबित हो सकते हैं। इसलिए यदि कोई बागी सांसद अपने क्षेत्र में मजबूत जनाधार रखता है और उसके आने से पार्टी को राजनीतिक फायदा होता है, तो उसे टिकट मिलने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि यह भी सच है कि किसी दल में वर्षों से कार्य कर रहे पुराने कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए ऐसे फैसले असंतोष का कारण बन सकते हैं। जब बाहर से आए नेता को प्राथमिकता मिलती है, तो संगठन के भीतर नाराजगी बढ़ने का खतरा रहता है। कई बार यही नाराजगी चुनावी नुकसान का कारण भी बन जाती है। इसलिए राजनीतिक दलों को संतुलन बनाकर चलना पड़ता है। दूसरी ओर, बागी सांसदों के सामने भी चुनौती कम नहीं होती। दल बदलने के बाद उन्हें नए दल की विचारधारा, संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच अपनी स्वीकार्यता साबित करनी पड़ती है। केवल सत्ता पक्ष में शामिल हो जाना टिकट या राजनीतिक भविष्य की गारंटी नहीं है। यदि पार्टी नेतृत्व को लगता है कि संबंधित नेता चुनाव जिताने में सक्षम नहीं है, तो टिकट किसी अन्य उम्मीदवार को भी दिया जा सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में दल-बदल की बढ़ती घटनाएं राजनीतिक सिद्धांतों और जनादेश की भावना पर भी सवाल खड़े करती हैं। मतदाता किसी उम्मीदवार के साथ-साथ उसकी पार्टी और विचारधारा को भी ध्यान में रखकर मतदान करता है। ऐसे में बार-बार होने वाले राजनीतिक पलायन से जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होना स्वाभाविक है। बागी सांसदों को टिकट मिलेगा या नहीं, इसका निर्णय राजनीतिक समीकरणों, जनाधार, संगठनात्मक संतुलन और चुनावी संभावनाओं पर निर्भर करेगा। लेकिन यह अपेक्षा अवश्य की जानी चाहिए कि राजनीति में अवसरवादिता के बजाय जनसेवा, सिद्धांत और लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता मिले। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनावों से नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों और जनप्रतिनिधियों की निष्ठा, सिद्धांतों तथा जनसेवा की भावना से तय होती है। दुर्भाग्यवश, हाल के वर्षों में दल-बदल, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सत्ता प्राप्ति की राजनीति ने अवसरवादिता को बढ़ावा दिया है। इससे जनता के बीच राजनीति की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं। राजनीति का मूल उद्देश्य समाज और राष्ट्र की सेवा है।

ईरान-अमेरिका इस्लामाबाद एमओयू समझौता टायं-टायं फिस्स?

24 घंटे में संकट की वापसी, होर्मुज फिर बंद, दुनियाँ फिर दहशत में? -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में शांति की जो किरण 17-18 जून 2026 कोअमेरिका और ईरान के बीच हुए 14- सूत्रीय इस्लामाबाद मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) के बाद दिखाई दी थी,वह महज कुछ दिनों में ही गंभीर परीक्षा के दौर में पहुंच गई है। 21 जून 2026 को शाम 6 बजे तक की स्थिति यह संकेत दे रही है कि जिस समझौते को क्षेत्रीय युद्ध विराम, होर्मुज जलडमरूमध्य के पुनः खुलने और 60 दिनों के भीतर व्यापक शांति समझौते को दिशा में ऐतिहासिक पहल माना जा रहा था,वह अब गहरे संकट में है।ईरान नेआरोप लगाया है कि अमेरिका और इज़राइल ने समझौते की मूल भावना तथा विशेष रूप से लेबनान मोर्चे पर युद्धविराम संबंधी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं किया। इसके जवाब में तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पुनः बंद करने की घोषणा कर दी है,जबकि अमेरिकी पक्ष का कहना है कि समुद्री यातायात अभी भी जारी है और बड़ी संख्या में व्यापारिक जहाज इस मार्ग से गुजर रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसी विरोधाभासी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार,वित्तीय बाजारों और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में धकेल दिया है। अब पूरी दुनियाँ की निगाहें 23 से 25 जून के बीच स्विट्ज़रलैंड में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान वार्ता पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि यह समझौता बचाया जा सकता है या पश्चिम एशिया एक नए और अधिक गंभीर संकट की ओर बढ़ रहा है।

साथियों, अमेरिका और ईरान के बीच जिस 14-सूत्रीय समझौते की घोषणा की गई थी,उसका मूल उद्देश्य केवल दोनों देशों के बीच तनाव कम करना नहीं था, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैले संघर्ष को नियंत्रित करना था। समझौते के प्रमुख बिंदुओं में सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाइयों का अंत, लेबनान में युद्धविराम,होर्मुजजलडमरूमध्य का पुनः खुलना, ईरानी तेल निर्यात पर प्रतिबंधों में राहत, परमाणु कार्यक्रम पर आगे की वार्ता तथा 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते तक पहुंचने का रोडमैप शामिल था। समझौते को अंतरिम दर्जा माना गया था, न कि अंतिम शांति संधि। इसी कारण इसकी सफलता इस बात पर निर्भर थी कि संबंधित पक्ष जमीन पर हिंसा रोकने में कितने सफल रहते हैं।लेकिन समझौते के लागू होने के तुरंत बाद लेबनान मोर्चे पर तनाव फिर बढ़ गया। इज़राइल और हिजबुल्लाह के बीच नई झड़पों तथा इज़रायली सैन्य अभियानों ने तेहरान को यह कहने का अवसर दिया कि समझौते की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त का उल्लंघन हो चुका है। ईरान का तर्क है कि यदि युद्धविराम स्थायी और व्यापक होना था, तो अमेरिका को अपने सहयोगी इज़राइल को रोकना चाहिए था। तेहरान के अनुसार ऐसा नहीं हुआ और परिणाम स्वरूप समझौते की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गया।

साथियों, इसी पृष्ठभूमि में ईरान ने एक बार फिर होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा की। ईरानी सैन्य प्रतिष्ठान और संबंधित अधिकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक समझौते की शर्तों का वास्तविक अनुपालन नहीं होता, तब तक ऊर्जा आपूर्ति को सामान्य नहीं होने दिया जाएगा। ईरान का कहना है कि दक्षिणी लेबनान से इज़रायली सैन्य गतिविधियां समाप्त होनी चाहिए, अमेरिकी नौसैनिक दबाव पूरी तरह हटना चाहिए और क्षेत्र में सैन्य तनाव कम होना चाहिए। अन्यथा होर्मुज का प्रश्न केवल समुद्री मार्ग का नहीं बल्कि व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का विषय रहेगा।हालांकि अमेरिकी पक्ष इस दावे से पूरी तरह सहमत नहीं है।अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने कहा है कि जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही जारी है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार 55 से अधिक व्यापारिक जहाज हाल ही में इस मार्ग से गुजरे और उन्होंने 17 मिलियन बैरल से अधिक तेल तथा अन्य माल का परिवहन कियाबाशिंगटन का तर्क है कि ईरान की घोषणाएं और वास्तविक समुद्री स्थिति में अंतर हो सकता है। यही कारण है कि अमेरिका इस संकट को वार्ता के माध्यम से हल करने की सटीकता से कोशिश कर रहा है।

साथियों, यह विवाद केवलद्व क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा की धुरी माना जाता है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, इराक और कतर जैसे ऊर्जाद्य उत्पादक देशों का निर्यात बड़े पैमाने पर इसी मार्ग पर निर्भर है। इसलिए जब भी होर्मुज के बंद होने की खबर आती है, वैश्विक बाजारों में तुरंत चिंता बढ़ जाती है।ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह स्थितिद्य लंबी चली तो कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र उछाल आ सकता है। पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही महामारी, यूक्रेन संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला संकटों से जूझ चुकी है। ऐसे में होर्मुज में व्यवधान ऊर्जा लागत बढ़ाकर मुद्रास्फीति को फिर से भड़का सकता है। एशिया के बड़े आयातक देशों-भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया पर इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

साथियों, भारत के लिए यहद्र संकट विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और खाड़ी क्षेत्र उसका प्रमुख स्रोत है। यदि होर्मुज में वास्तविक अवरोध उत्पन्न होता है तो कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरकों और परिवहन लागत पर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने की आशंका रहेगी और आर्थिक विकास की गति पर भी दबाव पड़ सकता है। हालांकि भारत ने हाल के वर्षों में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार बढ़ाने और आयात स्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं, फिर भी होर्मुज का महत्व कम नहीं हुआ है।वित्तीय बाजार भी इस पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं। यदि सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो शेयर बाजारों में अस्थिरता देखी जा सकती है। ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में तेजी आ सकती है जबकि विमानन, परिवहन और ऊर्जा-गहन उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है। निवेशक आमतौर पर ऐसे समय में सोना, अमेरिकी डॉलर और सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर रुख करते हैं। इसलिए यह संकट केवल भू-राजनीतिक नहीं बल्कि वित्तीय और आर्थिक चुनौती भी बन चुका है।

साथियों दिलचस्प बात यह है कि इसी दौरान अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज संकट की बजाय जहाजों पर संभावित टोल टैक्स लगाने की चर्चा करके राजनीतिक बहस को नया मोड़ दे दिया। ट्रंप का तर्क है कि क्षेत्रीय संघर्षों से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए ऐसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है।हालांकि आलोचकों का कहना है कि वर्तमान संकट का मुख्य प्रश्न जलमार्ग की सुरक्षा और शांति समझौते का भविष्य है, न कि टोल वसूली।अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या अमेरिका-ईरान समझौता वास्तव में टूट चुका है? उपलब्ध संकेत बताते हैं कि स्थिति गंभीर अवश्य है, लेकिन समझौता औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है। दोनों पक्ष अभी भी स्विट्ज़रलैंड में वार्ता के लिए तैयार हैं और मध्यस्थ देशों—विशेषकर कतर तथा पाकिस्तान की भूमिका जारी है। इसलिए इसे पूर्ण विफलता कहना जल्दबाजी होगी। बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि समझौता अपने पहले बड़े परीक्षण से सटकिता से गुजर रहा है।

साथियों, 23-25 जून 2026 की वार्ता इसलिएनिर्णायक मानी जा रही है क्योंकि वहीं यह स्पष्ट होगा कि क्या लेबनान मोर्चे पर निगरानी तंत्र बनाया जा सकता है, क्या होर्मुज को स्थायी रूप से खुला रखा जा सकता है, क्या प्रतिबंधों में राहत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और क्या 60-दिवसीय शांति प्रक्रिया को बचाया जा सकेगा। यदि वार्ता सफल रहती है तो यह पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में बड़ा कदम होगी। लेकिन यदि वार्ता विफल हुई तो तेल बाजारों, वैश्विक व्यापार और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए नए संकट का दौर शुरू हो सकता है।

अतः अगर हम उपयोग पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 21 जून 2026 तक का निष्कर्ष यही है कि इस्लामाबाद एमओयू अभी औपचारिक रूप से समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन उसकी विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो चुके हैं। होर्मुज का पुनः बंद होना, लेबनान में जारी संघर्ष, अमेरिका और ईरान के परस्पर आरोप तथा ऊर्जा बाजारों में बढ़ती बेचैनी यह दर्शाती है कि पश्चिम एशिया की शांति अभी भी बेहद नाजुक अवस्था में है। आने वाले कुछ दिन तय करेंगे कि यह समझौता इतिहास में शांति की शुरुआत के रूप में दर्ज होगा या फिर एक ऐसे असफल प्रयास के रूप में, जो केवल कुछ दिनों की उम्मीद देकर वैश्विक संकट की नई कहानी लिख गया।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

जंगलराज से विकासराज तक-उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर और नई आर्थिक शक्ति बनने का सफर

-कांतिलाल मांडोत

विकास की बुलंदियों को छूता उत्तर प्रदेश, बुनियादी ढांचे से उद्योग और रोजगार तक नई पहचान गढ़ता प्रदेश

उत्तर प्रदेश लंबे समय तक देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य के रूप में जाना जाता रहा, लेकिन अब उसकी पहचान तेजी से बदल रही है। आज उत्तर प्रदेश केवल आबादी के आधार पर नहीं, बल्कि विकास, निवेश, उद्योग, आधारभूत संरचना और आर्थिक प्रगति के कारण देश की अग्रणी शक्ति के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में जिस गति से विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है, उसने प्रदेश की छवि को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। कभी कानून-व्यवस्था और पिछड़ेपन की चर्चा के लिए सुर्खियों में रहने वाला उत्तर प्रदेश आज एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक कॉरिडोर और निवेश परियोजनाओं के लिए जाना जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में 570 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के दौरान प्रदेश के विकास मॉडल को रेखांकित करते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश में योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि धरातल पर उतरती हैं और जनता तक उनका लाभ पहुंचता है। उन्होंने कहा कि उन्नाव के स्टेट कैपिटल रीजन का हिस्सा बनाया गया है और लखनऊ से उन्नाव होते हुए कानपुर तक रैपिड रेल चलाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल परिवहन को गति देगी, बल्कि औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगी। प्रदेश में विकसित हो रहे एक्सप्रेसवे नेटवर्क को उत्तर प्रदेश की प्रगति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाएं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने का कार्य कर रही हैं। गंगा एक्सप्रेसवे के पूरा होने के बाद पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बीच आवागमन पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्नाव के लोग अब लखनऊ को बाईपास करते हुए सीधे दिल्ली और प्रयागराज तक पहुंच सकेंगे। इससे समय की बचत होगी और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए डिफेंस कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्नाव में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के लिए लगभग 700 एकड़ भूमि तथा औद्योगिक क्लस्टर के लिए 200 एकड़ भूमि तैयार की गई है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी। सरकार का मानना है कि उद्योगों के विस्तार से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश ने उल्लेखनीय बदलाव देखा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार यह कहते रहे हैं कि निवेश और विकास के लिए सुरक्षित वातावरण आवश्यक है। यही कारण है कि प्रदेश में अपराध और माफिया गतिविधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई। इसका परिणाम यह हुआ कि देश और विदेश के निवेशकों का विश्वास प्रदेश में बढ़ा है। निवेशकों की बढ़ती रुचि के कारण उत्तर प्रदेश में हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पास हुए हैं, जो भविष्य में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का आधार बनेंगे। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास और किसानों के उत्थान को भी समान महत्व दे रही है। कानपुर में आयोजित प्राकृतिक कृषि प्रोत्साहन कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया। सरकार का मानना है कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होगी, भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को जीवामृत, बीजामृत तथा गो-आधारित प्राकृतिक खेती की जानकारी देकर उन्हें आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। किसानों के साथ-साथ गरीब और वंचित वर्गों के लिए भी अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, मुफ्त राशन वितरण और सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि अब योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव और सिफारिश के सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। इससे शासन के प्रति जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। आधारभूत संरचना के विकास में भी उत्तर प्रदेश ने नई उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रदेश में नए एयरपोर्ट विकसित किए जा रहे हैं और कई हवाई अड्डों का विस्तार किया जा रहा है। अयोध्या, कुशीनगर और जेवर जैसे एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान कर रहे हैं। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के क्षेत्र में हो रहे निवेश से प्रदेश की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की सड़कों की गुणवत्ता अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सड़कों की बराबरी कर रही है। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन भी उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के बाद देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। काशी विश्वनाथ धाम, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों के विकास ने पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। इससे स्थानीय व्यापार, होटल उद्योग और रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश का विकास मॉडल अब अन्य राज्यों के लिए भी चर्चा का विषय बन गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय महाधिवक्ता ने कहा कि पिछली सरकारों के समय जहां नई योजनाओं की गति सीमित थी, वहीं वर्तमान सरकार ने विकास कार्यों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया है। उनके अनुसार उत्तर प्रदेश आज जिस तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है, उसने विपक्ष को भी राज्य की बदलती ताकत का एहसास करा दिया है। अरबों रुपये की लागत वाली परियोजनाएं प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जा रही हैं।

वास्तव में उत्तर प्रदेश का यह परिवर्तन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सड़कों, उद्योगों, निवेश, रोजगार, कृषि, पर्यटन और जनकल्याण योजनाओं के रूप में धरातल पर दिखाई देता है। राज्य सरकार का दावा है कि विकास की यह यात्रा आने वाले वर्षों में और अधिक गति पकड़ेगी। यदि वर्तमान योजनाएं निर्धारित समय पर पूरी होती हैं और निवेश परियोजनाएं सफलतापूर्वक जमीन पर उतरती हैं, तो उत्तर प्रदेश न केवल भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा, बल्कि देश के विकास इंजन के रूप में भी अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। यही कारण है कि आज उत्तर प्रदेश की चर्चा केवल राजनीति के संदर्भ में नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और आर्थिक प्रगति के मॉडल के रूप में भी की जा रही है।

राष्ट्रवाद, एकात्मता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रणेता-डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी

यह सत्य है कि कुछ महापुरुष कुछ समय के लिए पृथ्वी अवतरित होकर इस जग के लिए महान कार्य कर कालजयी हो जाते हैं ऐसे ही एक महापुरुष हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हुए जिनकी आज 23 जून 2026 को पुण्यतिथि है। हम श्री मुखर्जी को एक राजनीतिक घटना से ही याद नहीं करते वरन उनके महान कार्यों के लिए उन्हें याद करेंगे। भारतीय जनसंघ के गठन से उनकी विरासत सदा सदा के लिए अमर हो गई। 23 जून भारतीय राजनीति और राष्ट्र जीवन में एक महत्वपूर्ण तिथि है। इसी दिन देश के प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद्, स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री तथा भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई जाती है। वर्ष 1953 में रहस्यमय परिस्थितियों में उनका निधन हुआ, किंतु उनके विचार, संघर्ष और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण आज भी भारतीय राजनीति और समाज को प्रेरित करते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानने का उदाहरण रहा। वे मात्र 33 वर्ष की आयु में यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता के सबसे युवा कुलपति बने। शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रवाद के क्षेत्र में उनका योगदान असाधारण रहा। स्वतंत्रता के बाद वे देश की पहली केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए, लेकिन राष्ट्रीय हितों से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के कारण उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना उचित समझा। यह उनके सिद्धांतवादी व्यक्तित्व का प्रमाण था। डॉ. मुखर्जी का सबसे बड़ा राजनीतिक संघर्ष जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरुद्ध था। उनका प्रसिद्ध नारा—एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे—राष्ट्रीय एकता की उनकी सोच को दर्शाता है। उनका मानना था कि भारत की संप्रभुता और अखंडता सर्वोपरि है तथा किसी भी राज्य के लिए अलग संवैधानिक व्यवस्था दीर्घकाल में राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं हो सकती।

भारतीय जनसंघ के गठन से अमर हुई विरासत

वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय राजनीति को नई दिशा दी। आज की भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक जड़ें भारतीय जनसंघ में ही देखी जाती हैं। संगठन निर्माण, वैचारिक स्पष्टता और लोकतांत्रिक संघर्ष की जो परंपरा उन्होंने स्थापित की, वह आज भी भारतीय राजनीति में प्रभावी दिखाई देती है। हालांकि डॉ. मुखर्जी के विचारों और नीतियों पर समय-समय पर मतभेद भी रहे हैं। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि विभिन्न विचारधाराएं अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और जनता उनके आधार पर निर्णय लेती है। लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी बात निर्भीकता से रखी और सिद्धांतों के लिए राजनीतिक जोखिम उठाने से कभी पीछे नहीं हटे। आज जब देश अनेक सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि हमें यह संदेश देती है कि राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों, वैचारिक प्रतिबद्धता और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्र निर्माण का साधन है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि केवल एक महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और विचारों पर गंभीर चिंतन का भी समय है। राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के प्रति उनका योगदान भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्र उनके प्रति कृतज्ञ है और आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

21 अक्टूबर 1951 का दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। इसी दिन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीके नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। यह केवल एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन नहीं था, बल्कि स्वतंत्र भारत में वैचारिक राजनीति के एक नए अध्याय की शुरुआत थी। डॉ. मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी, शिक्षाविद् और दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने उस समय की सत्ता की नीतियों से वैचारिक मतभेद होने पर सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय एक नए राजनीतिक विकल्प की स्थापना का मार्ग चुना। भारतीय जनसंघ का उद्देश्य राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक अस्मिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को केंद्र में रखकर राजनीति करना था। 21 अक्टूबर 1951 को स्थापित भारतीय जनसंघ ने धीरे-धीरे देश की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। डॉ. मुखर्जी ने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देकर राष्ट्रीय एकीकरण का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के विरोध में उनका संघर्ष आज भी याद किया जाता है। यद्यपि 1953 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके विचार और राजनीतिक दृष्टि जीवित रहे। जनसंघ आगे चलकर 1977 में जनता पार्टी का हिस्सा बना और 1980 में भारतीय जनता पार्टी के रूप में विकसित हुआ। आज देश की राजनीति में जिस वैचारिक धारा का व्यापक प्रभाव दिखाई देता है, उसकी नींव डॉ. मुखर्जी ने ही रखी थी। इस प्रकार कहा जा सकता है कि 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय राजनीति को एक स्थायी वैचारिक दिशा दी और स्वयं को इतिहास में कालजयी बना लिया। उनका जीवन राष्ट्रहित, सिद्धांतनिष्ठा और जनसेवा का प्रेरणादायी उदाहरण है।

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे-

एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और संवैधानिक समानता का प्रबल उद्घोष था। यह उद्घोष भारत के महान राष्ट्रवादी नेता डॉ. मुखर्जी ने उस समय दिया था, जब जम्मू-कश्मीर को विशेष संवैधानिक प्रावधानों के तहत अलग दर्जा प्राप्त था। आज उनकी पुण्यतिथि पर यह नारा भारतीय राजनीति और राष्ट्रवाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में स्मरण किया जाता है। स्वतंत्रता के बाद जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान, अलग झंडा और अलग प्रधानमंत्री (वजीर-ए-आजम) की व्यवस्था थी। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि यह व्यवस्था भारत की राष्ट्रीय एकता की भावना के विपरीत है। उनका तर्क था कि यदि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है, तो वहां के नागरिकों को भी वही संवैधानिक व्यवस्था प्राप्त होनी चाहिए जो देश के अन्य राज्यों में लागू है।इसी विचार को लेकर उन्होंने 1953 में जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया। उस समय राज्य में प्रवेश के लिए परमिट की आवश्यकता होती थी। डॉ. मुखर्जी ने इसका विरोध करते हुए बिना परमिट जम्मू-कश्मीर जाने का निर्णय लिया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया और उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए बलिदान देने वाले नेता के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. मुखर्जी के इस आंदोलन ने भारतीय राजनीति को गहराई से प्रभावित किया। उनके द्वारा स्थापित भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को लंबे समय तक जीवित रखा। बाद में यही विचारधारा भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख संकल्पों में शामिल रही। वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के निर्णय को अनेक लोग डॉ. मुखर्जी के सपने की पूर्ति के रूप में देखते हैं।हालांकि इस विषय पर राजनीतिक मतभेद भी रहे हैं। कुछ लोगों का मानना था कि विशेष दर्जा जम्मू-कश्मीर की विशिष्ट परिस्थितियों और पहचान की रक्षा के लिए आवश्यक था। लोकतंत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन यह भी सत्य है कि राष्ट्रीय एकता और संवैधानिक समानता का प्रश्न सदैव महत्वपूर्ण बना रहेगा।

आज जब भारत एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का यह नारा और भी प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, समान अधिकारों और अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति निष्ठा बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

**-सौरभ वार्

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर आवकों केबीच सोमवार को अनाज मंडी में उड़द बाजार बड़त पर रहे। चने में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार उड़द में पूछपरख सामान्य है। आवकें कमजोर रहने से बाजार तेजी की स्थिति में रहे। उड़द में बाजार 8800-9100 रु. क्विंटल पर आ गये। चना 6000 रु. क्विंटल पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 6800 रु. क्विंटल पर बने रहे। किराना बाजार में हल्दी व जीरा बाजार मजबूत रहे। अन्य किराना जिंसों में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4270, खोपरा गोला 365-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 800-825, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2000-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (बनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 840-870, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 840-870, सिंगापुरी 850-860, बादाम टॉच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2800-2850, (160) 3250-3300, (200) 3750-3800, (250) 4400-4500

तेल- सींगदाना 1570-1580, मुम्बई 1600, राजकोट तेलिया 2480, सोया साल्वेंट 1360-1370, सोया रिफाईंड 1435-1440, कपासया 1455-1460, धूलिया 1455, कड़ी 1460,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525-1530, मुम्बई पाम 1470, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2600, देवास-उज्जैन 2600, खंडवा-बुरहानपुर 2575, अकोला 3925 (प्रति क्विंटल)

तिलहन-सरसो 7500-7700, रायडा 6800, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना काटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 6000-6050, विशाल 5900-5950, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7100-7250, मूंग पुराना बोल्ड 7500-7700, मीडियम 7400-7700, मोगर 5500-6500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9000-9100, एवरेज 8800-8900, उड़द गर्मी 8000-8400, हल्की 8500-8600,

दाल- चना दाल एवरेज 7450-7550, मीडियम 7650-7750, बोल्ड 7950-8150, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रु. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मामूली सुधार के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 240000, चाँदी (99) 239800, टंच 239500, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 147500,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ ही 94.60 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह यह पिछले बंद के स्तर से 4 पैसे कमजोर रहा। हालांकि, यह पिछले सप्ताह की मजबूती के बाद हुआ है, जब रुपये ने 0.8 फीसदी की शानदार वापसी की थी। यह लगभग 3 महीनों में उसका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। उस दौरान रुपया 94.18 के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया था और मई के रिकॉर्ड निचले स्तर 97 से संभल गया था।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 291.17 अंक बढ़कर 77,094.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 89.80 अंक उछलकर प्रतिशत 24,102.90 पर बंद हुआ। आजज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 211.80 अंक बढ़कर 62,729.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 112.55 अंक उछलकर 18,897.00 पर बंद हुआ था। बाजार में डिफेंस और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस और निफ्टी मीडिया मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी

कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी एफएमसीजी के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स पैक की बात करें तो टेक महिंद्रा, सन फार्मा, इन्फोसिस, बीईएल, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक और टीसीएस के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, टाइटन, पावर ग्रिड, ट्रेंट, आईटीसी, इटरनल, एचयूएल, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो और एनटीपीसी के शेयर नीचे आये। बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों में से 2,600 से ज्यादा लाभ के साथ बंद हुए। वहीं अधिकतर कंपनियों की संख्या 1,700 से अधिक थी। निफ्टी की शुरुआत तेजी के साथ हुई और फिर इसने 95 अंक की सीमित रेंज में कारोबार किया। इससे पहले आज बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल के भाव तय करेंगे सोने-चांदी की दिशा

नई दिल्ली। एजेंसी। इस सप्ताह वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोने और चांदी की कीमतों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है, जिसके अनुसार निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता और ऊर्जा बाजारों पर इन वार्ताओं का सीधा असर पड़ेगा। स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता पर बाजार की पैनी नजर रहेगी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के अधिकारियों के साथ तनाव कम करने के उद्देश्य से बातचीत का नेतृत्व करेंगे। जानकारों का कहना है कि इन वार्ताओं का परिणाम निवेशकों के जोखिम लेने के रवैये और वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर गहरा असर डालेगा, जिसका सीधा प्रभाव बहुमूल्य धातुओं पर दिखेगा। पिछले सप्ताह घरेलू जिंस बाजार में मजबूत रुपये और घटती मांग के कारण सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 2.2 फीसदी गिरकर 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि चांदी 5.3 फीसदी की गिरावट के साथ 2.33 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि गिरती ऊर्जा कीमतें, मजबूत रुपया और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त नीतिगत रुख ने सोने पर दबाव डाला। वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत होने के कारण सोने-चांदी पर दबाव बना रहा, हालांकि रूस-यूक्रेन संघर्ष ने कुछ हद तक सोने को सहारा दिया। उनका कहना है कि बहुमूल्य धातुओं का रुझान फिलहाल सीमित दायरे में है, क्योंकि बाजार विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति सहित अमेरिका-ईरान वार्ता के घटनाक्रम पर केंद्रित है।

विदेशी निवेश आकर्षित करने को सेबी का बड़ा कदम, एफपीआई नियमों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) देश में सुस्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपने मौजूदा नियमों की समीक्षा कर रहा है। अगस्त 2023 में लागू हुए अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) के विस्तृत खुलासा प्रावधानों और एफपीआई के लिए निवेश से संबंधित अन्य शर्तों पर पुनर्विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सेबी एफपीआई को एक ही शेयर में निवेश करने की अनुमति देने पर विचार कर सकता है। मौजूदा नियम के तहत एफपीआई को कम से कम तीन शेयरों में निवेश करना अनिवार्य है, जिससे कुछ विदेशी निवेशक असहज महसूस कर रहे थे। इसके अलावा, नियमित यूबीओ की पहचान के लिए स्वामित्व सीमा में बदलाव पर भी बातचीत हो रही है। सेबी ने पहले यह अनिवार्य किया था कि जो एफपीआई अपने भारतीय प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) का 50 फीसदी से अधिक हिस्सा किसी एक कॉरपोरेट समूह में रखते हैं, उन्हें अतिरिक्त जानकारियां देनी होंगी। इस प्रावधान ने भी फंड प्रबंधकों के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी, हालांकि पिछले साल एयूएम सीमा 25,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके बावजूद निवेश से जुड़ी कई शर्तें अभी लागू हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतिम लाभकारी स्वामित्व की पहचान की भी समीक्षा की जा सकती है। पीएमएलए के तहत, किसी कंपनी में 10 फीसदी से अधिक शेयर रखने वाले किसी भी व्यक्ति की गहन पहचान अनिवार्य है, जिसे 2023 में 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी किया गया था। चूंकि दुनिया भर में यह सीमा 20 फीसदी है, इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप करने के सुझाव दिए जा रहे हैं। यह कदम विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच अहम है, जिन्होंने मई और जून में भारी बिकवाली जारी रखी है।

आज का राशिफल

मेष- आज भाग्य आपके लिए रिश्तों के खजाने का ताला खोल सकता है। कोई पुराना मित्र, जिससे वर्षों से संपर्क नहीं था, अचानक आपकी सफलता की राह का महत्वपूर्ण पात्र बन सकता है। रुके हुए काम गति पकड़ेंगे और मेहनत का फल दिखाई देने लगेगा। व्यापार में नई संभावनाएँ उभरेंगी, खासकर साझेदारी से जुड़े लोगों के लिए समय लाभदायक रहेगा। किसी जरूरतमंद मित्र की सहायता करके आप सम्मान और प्रशंसा प्राप्त करेंगे।

वृषभ- आज का दिन आपको सजगता और समझदारी का पाठ पढ़ाएगा। हर मुस्कुराता चेहरा आपका हितैषी हो, यह आवश्यक नहीं है, इसलिए अपने निर्णय सोच-समझकर लें। छोटे लाभ भी आगे चलकर बड़ी सफलता की नींव बन सकते हैं। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में थोड़ी कसक उठ सकती है, लेकिन वही अनुभव आपको अधिक मजबूत और परिपक्व बनाएगा।

मिथुन- आज रिश्तों में मिठास घुलने का दिन है। यदि वैवाहिक जीवन में कोई दूरी या गलतफहमी थी, तो उसके दूर होने के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में भी अपनापन और विश्वास बढ़ेगा। विदेश में पढ़ाई या करियर का सपना देखने वालों को उत्साहजनक समाचार मिल सकता है। संतान की किसी उपलब्धि से गर्व महसूस होगा।

कर्क- आज नई संभावनाएँ आपके दरवाजे पर दस्तक दे सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिलने के संकेत हैं। आपकी मधुर वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेंगे। इससे सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। कुछ लोग आपकी सरलता का गलत अर्थ निकाल सकते हैं, लेकिन आपकी सच्चाई ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

सिंह- आज आप अपने किसी बड़े लक्ष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं और सफलता आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगी। परिवार में संतान की उपलब्धि या नौकरी से खुशी का माहौल रहेगा। अविवाहित लोगों के जीवन में किसी खास व्यक्ति के आने की संभावना है। पैतृक संपत्ति से जुड़ी उलझनों में राहत मिल सकती है।

कन्या- आज आपका आत्मविश्वास और संकारात्मक ऊर्जा चरम पर रह सकती है। भाग्य का साथ मिलने से कठिन लगने वाले कार्य भी सरल प्रतीत होंगे। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके लिए मार्गदर्शन का काम करेगी। विवाह से जुड़ी किसी रुकावट के दूर होने से घर में प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान मिली जानकारी भविष्य में बड़ा लाभ दे सकती है।

तुला- आज पुरानी परेशानियों के बादल धीरे-धीरे छंटते नजर आएंगे। लंबे समय से चली आ रही उलझनों में राहत मिलेगी। कार्यक्षेत्र में लिया गया कोई निर्णय आपको दोबारा सोचने पर मजबूर कर सकता है, लेकिन यही विचार-विमर्श आगे की राह स्पष्ट करेगा। दूसरों पर अत्यधिक निर्भरता से बचें और अपने निर्णयों पर भरोसा रखें। पुराना लेन-देन सुलझ सकता है।

वृश्चिक- आज जीवन में स्थिरता और विस्तार दोनों के संकेत हैं। घर, जमीन या संपत्ति से जुड़ी योजनाएँ आकार ले सकती हैं। लंबी यात्रा का विचार भी मन में आ सकता है। व्यापार में लाभ और रुकी हुई योजनाओं को नई गति मिलने के योग हैं। जिस काम को पूरी लगन से करेंगे, उसमें सफलता की संभावना प्रबल रहेगी।

धनु- आज जिम्मेदारियाँ बढ़ेंगी, लेकिन यही जिम्मेदारियाँ आपकी सफलता की सीढ़ी बनेंगी। कार्यक्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण दायित्व मिल सकता है और वरिष्ठ आपके काम से प्रभावित रहेंगे। परिवार में किसी अहम विषय पर चर्चा हो सकती है। पुराने मित्र से मुलाकात मन को ताजगी और खुशी देगी।

मकर- आज लंबे समय से अटके कार्य पूरे होने की दिशा में बढ़ेंगे। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की संभावना से खुशी का माहौल बन सकता है। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी को लेकर संकारात्मक संकेत मिलेंगे। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है और किसी पुराने निर्णय की याद मन को विचलित कर सकती है।

कुंभ- आज आप स्वयं को हल्का, ऊर्जावान और उत्साहित महसूस करेंगे। पारिवारिक रिश्तों में निकटता बढ़ेगी और आपसी समझ मजबूत होगी। यात्रा या घूमने-फिरने की योजना बन सकती है। कोई पुराना आर्थिक मामला सुलझने से मन को राहत मिलेगी। व्यापारिक कारणों से बाहर जाने का अवसर मिल सकता है। संतान के साथ हल्की नोकझोंक संभव है, लेकिन प्रेम और संवाद से सब सामान्य हो जाएगा।

मीन- आज आपके मन में नए विचारों और नई योजनाओं की लहर उठ सकती है। कुछ अलग करने की इच्छा आपको प्रेरित करेगी, लेकिन नए लोगों पर तुरंत भरोसा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी, भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से थोड़ी कम लगे। दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचना बेहतर रहेगा। आपकी संकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टि अंततः लाभ दिलाएगी। यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसके वापस मिलने की संभावना भी बन रही है।

शब्दजाल - 8298

या	ज	गा	र	ग	व	ज	क	प	ल	क				
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	ज	ड़				
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	त	य	क				
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क				
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल				
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज				
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न				
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स				
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ना	प	हो				
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	य				
क	न	चे	ब्न	ई	क	ज	री	ग	प	ज				

शब्द जाल में 'ज' से शुरु होनेवाले 10 शब्दों के नाम ढूंढिए, शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

जवाहर, जयदेव, जनता, जय, जनार्दन, जनवरी, जनसहयोग, जमाना, जमीदार, जमीन.

शब्दजाल - 8297 का हल

म	अ	मु	न	सी	ज	ा	ड़	ा	सी	ा				
र	ब	ली	मि	व	जी	रे	द	ज	क	म				
मु	य	ल	बो	क	ष	स	ह	ब	ब	जा				
ह	ि	ब	ो	र	स	ह	ब	ल	न					
ह	ि	ति	ल	ल	बो	स	ब	ी	ए	ल				
व	ा	द	र	े	ी	ज	ी	ब	ष	ी				
र	ा	ब	ं	ध	न	े	ई	ं	ी	स				
क	ए	ई	द	क	ो	ष	ा	क						
ओ	म	ब	ी	र	स	ा	य	ी	व	आ				
न	ज	ल	प	ो	ल	ा	ए	म	ली	द				
म	ड	ल	प	य	ो	ं	व	ब	त	म				

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7242

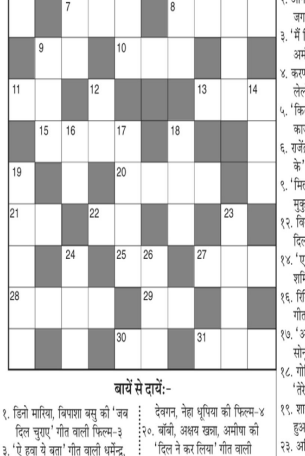

ऊपर से नीचे:-

१. 'दुनिया हसीनों का' गीत वाली बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२. अनिल धवन, नीतूसिंह को 'अपने दिल में जगह' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं निकला' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
४. कृष्ण दीवान, वैजयंती की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
५. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली शाहरुख, काजोल, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-४
६. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'बांसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'मिलने से पहले' गीत वाली शरद कपूर, मुकुल आनंद, सुष्मिता की फिल्म-३
१२. विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'एक तो ये बैरी' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
१६. 'रिंकि, करीना की 'ए रे ऐ क्या है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आपका चेहरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, सोनू, पल्लवी की फिल्म-४
१८. गोविंदा, ऋषिकपूर, नीलम, मीनाक्षी की 'सेरे डैडी ने दिया' गीत वाली फिल्म-३
१९. शाहरुख, सैफ, प्रीती जिंटा की 'कुछ तो हुआ है' गीत वाली फिल्म-२,१,१,१
२३. अभिताभ, सलमान, हेमा की 'चली चली फिर चली' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'रुकी सुकी रोटी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'इंतहा हो गई' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. डिंगो मारिया, विपाशा बसु की 'जब दिल चुराए' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ये हवा ये बहा' गीत वाली धर्मेन्द्र, रेखा की फिल्म-३
५. सलमान, नगमा की 'चांदनी रात है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'टूट गई तड़क करके' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
८. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'दिल बेचैन रहा' गीत वाली फिल्म-२,२
९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजयदत्त, सलमान खान, रवीना की फिल्म-२
१०. डैनी, विनोद मेहरा, मौसमी की 'संसार है एक' गीत वाली फिल्म-३
११. 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-२
१३. जीतेन्द्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'जो लड़की बहुत' गीत वाली अजय देवगन, नेहा धूपिया की फिल्म-४
२०. बॉबी, अक्षय खन्ना, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'मुझे साजन के' गीत वाली अनिल, जैकी, मनीषा, माधुरी की फिल्म-२
२२. सनी, सुनील, सेलिना की 'प्यार होने लगा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल की फिल्म-२
२७. फरदीन खान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'लाल लाल होठों पे' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-४
२९. फिल्म 'एलओसी' में अजय देवगन के साथ किस की जोड़ी है-२
३०. 'सोल्जर' में प्रीति का नायक?-२
३१. 'मेरे दिल का पता' गीत वाली राहुल राय, दीपक, पूजा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7241

ए	ल	ओ	सी		जा	नी	दु	श्म	न
क		म		दि	ल		श्म		गी
रि	श्ते		फू	ल		अ	न	जा	न
ख		शू		वा	स	ना		नू	
	दि	ल	जा	ने		ता	र		छि
छ		ख्रा		आ	र		जू		प
सं	गी	त		खू	बी		च	ह	त
ग		ल	वा		ब				
म	हे	श		आ	द	मी		बू	
		मा		रं	ग		न	ग	मि

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8766

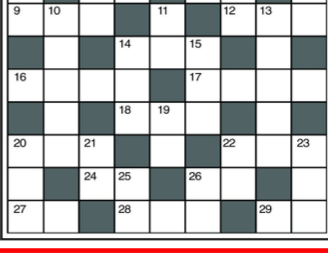

बाएँ से दाएँ

1. आकाश,व्योम-2
2. नाजुक,मुलायम-3
4. हार,पराजय-2
6. संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7. जोर,बल-2
9. सोना,धतूरा-3
12. साप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब,ताल,तलैया-4
18. निर्यात्रण,घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी,पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर,क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे

1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुशार,नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8. इंकार,मनाही-2
10. मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता-3
15. वचन,प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार,कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा,दोस्त-2
23. निजात,छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पत्रिक-2

शब्द पहेली -8765 का हल

म	हा	क	ल		च	र	क		
त	र		ह	कि		ला	क		
वा		ह	आ	र	त			सू	
ला	य	क		द		ना	सू	र	
		ला	वा		व	जू			
ना	प	ना		आ	क	या	स		
प			म	हा	न	ता		र	
क	था		जा		र		सी	ता	
	ल	ल	क		म	हा	र	ज	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 जून को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

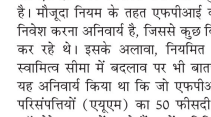

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मिथुन में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	कर्क में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

लग्नारंभ समय	
कर्क	07.01 बजे से
सिंह	09.17 बजे से
कन्या	11.29 बजे से
तुला	13.40 बजे से
वृश्चिक	15.55 बजे से
धनु	18.11 बजे से
मकर	20.16 बजे से
कुंभ	22.02 बजे से
मीन	23.35 बजे से
मेष	01.06 बजे से
वृष	02.46 बजे से
मिथुन	04.44 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05.53 से 07.22 बजे तक	काल	05.42 से 07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से 08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से 08.45 बजे तक
चर	08.15 से 10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से 10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से 11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से 11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से 01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से 01.19 बजे तक
काल	01.16 से 02.45 बजे तक	चर	01.19 से 02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से 04.13 बजे तक	रोग	02.51 से 04.22 बजे तक
रोग	04.13 से 05.42 बजे तक	काल	04.22 से 05.54 बजे तक

मंगलवार	2026 वर्ष का 174 वा दिन
दिशाशूल	उत्तर ऋतु वर्षा.
विक्रम संवत्	2083
शक संवत्	1948
मास ज्येष्ठ	पक्ष शुक्ल
तिथि	नवमी 16.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र	हस्त 11.54 बजे को समाप्त।
योग	वरीयान 10.14 बजे को समाप्त।
करण	कौलव 16.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रांशु	7.9 घण्टे
रवि क्रान्ति	उत्तर 23° 26'
सूर्य	उत्तरायन
कलि अहर्गण	1872749
जुलियन दिन	2461214.5
कलियुग संवत्	5128
कल्पारंभ संवत्	1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्	1955885128
वीरनिर्वाण संवत्	2552
हिजरी सन्	1447
महीना	नईरंग
तारीख	07
विशेष	महेश नवमी।

चौघड़िया शुभसंज्ञक- शुभ्यल श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय को मध्य बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मन का पाप

एक साधु थे. जंगल में रहते थे. एक दिन घूमते हुए वह नदी के किनारे गये. बड़ा रमणीक स्थान था. चारों ओर प्रकृति की साक्षात्कृत फैला था. श्रद्धा दृश्यों पर पक्षी चहचहा रहे थे. संत ने देखा कि एकान्त स्थान पर एक पेड़ के नीचे एक युवक और युवती बैठे हैं. दोनों बड़े आनंदित थे. दोनों के हाथ में एक-एक गिलास था. संत ने सोचा कि इस निर्जन स्थान पर बैठकर ये लोग विश्वस्य ही मदिरापान कर रहे होंगे और गंदी बातें कर रहे होंगे. शराब पीकर आदमी का दिमाग फिर जाता है. वह बुरी बातें ही सोचता है, बुरे काम ही करता है. आदमी का कितना पतन हो गया है ! वह यह सब सोच ही रहे थे कि सामने से एक नाव आती दिखाई दी. नदी की धारा बड़ी तीव्र था. जोर की लहरें उठ रही थीं. अचानक नाव को लहरों का थपेड़ा लगा और वह उलट गई. संत के मुंह से जोर की चीख निकली. उनकी आंखें बंद हो गई. जैसे ही आंखें खुली कि देखते क्या हैं कि जिस युवक को उन्होंने पापी समझा रखा था, वही युवक छलांग लगाकर पानी में कूदा और पांच आदमियों को निकालकर बाहर ले आया. संत खड़े-खड़े देख रहे थे. युवक पास आकर बोला, "महाराज, भगवान की कृपा से पांच आदमियों की तो जान बच गई. अब एक रह गया है. उसके प्राण आप बचा लीजिये." संत को तैरना नहीं आता था. वह कूदने की हिम्मत कैसे कर सकते थे? यह देखकर युवक ने कहा, "स्वामीजि, ईशान के लिए ईशान से बढ़कर और कुछ नहीं है." इतना कहकर उसने एक छलांग फिर लगाई और अंतिम व्यक्ति को भी बचाकर बाहर ले आया. साधु का लज्जा से सिर झुक गया. जिसे वह

शासकीय महाविद्यालय लांजी में मनाया गया विश्व योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व योग दिवस के अवसर पर शासकीय महाविद्यालय लांजी में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य सहायक प्राध्यापक महेंद्र कुमार तलवरे ने की। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी सहायक प्राध्यापक रितेश सोनवाने और स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ प्रभारी सहायक प्राध्यापक महेश ढोक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक एवं समाजसेवी रमेश आसटकर द्वारा योगाभ्यास कराया गया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक शेखर दक्षेमाल, डॉ.सपना शेंडे, स्वाति पसीने, अंजलि सोनी ने योग का महत्व बताया एवं जीवन में इसके लाभ की जानकारी साझा की जिसमें सभी अधिकारी समस्त कर्मचारी और विद्यार्थी ने सहभागिता की। श्री आसटकर ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का

प्रदर्शन करते हुए नियमित योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में योग को मन, शरीर एवं आत्मा को एक सूत्र में बांधने का प्रभावी माध्यम बताया तथा युवाओं के जीवन में योग के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है तथा वह शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ रहता है। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। 5 जून पर्यावरण दिवस से लेकर 21 जून योग दिवस तक चलने वाले सभी कार्यक्रम महाविद्यालय में सफलतापूर्वक संचालित किए गए।

राष्ट्र सेविका समिति गार्गी शाखा ने मनाया विश्व योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्र सेविका समिति की गार्गी शाखा ने विश्व योग दिवस पर आयोजित योग कार्यक्रम में योग के महत्व पर जोर देते हुए योग करें, निरोग रहें का संदेश दिया। कार्यक्रम 22 जून को नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ। राष्ट्र सेविका समिति लांजी की गार्गी शाखा द्वारा विश्व योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह के समय आयोजित इस कार्यक्रम में शाखा की बालिकाओं, शिक्षिकाओं तथा स्थानीय महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योगासन, प्राणायाम और ध्यान के विभिन्न अभ्यास कराए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को योग के शारीरिक, मानसिक तथा आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। राष्ट्र सेविका समिति की गार्गी शाखा की शाखा कार्यवाहिका पल्लवी खरगाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि जीवनशैली है। आज के तनावपूर्ण जीवन में योग हमें स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक बनाता है। राष्ट्र सेविका समिति बालिकाओं और महिलाओं को शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रही है। राष्ट्र सेविका समिति महिलाओं और बालिकाओं के शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए कार्यरत एक प्रमुख संगठन है। समिति अपनी विभिन्न शाखाओं के माध्यम से नियमित रूप से योग, खेलकूद, संस्कार शिक्षा, नेतृत्व क्षमता विकास, स्वास्थ्य शिविर और सामाजिक सेवा जैसे कार्यक्रम संचालित करती है। लांजी नगर की प्रथम शाखा गार्गी

शाखा प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में प्रतिदिन प्रातःकाल सरस्वती शिशु मंदिर में संचालित होती है। यहां बालिकाओं को शारीरिक व्यायाम और खेलकूद के साथ ही संस्कार, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी तथा राष्ट्रप्रेम की शिक्षा दी जाती है। शाखा स्थानीय स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। अंत में शांति पाठ और राष्ट्र सेविका समिति के प्रार्थना गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

घोटी में स्वामी विवेकानंद संयुक्त विद्यार्थी शाखा ने मनाया विश्व योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को वनांचल ग्राम घोटी-नंदौरा में स्वामी विवेकानंद संयुक्त विद्यार्थी शाखा ग्राम घोटी द्वारा योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उमंग के

साथ किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों, ग्रामीणों तथा बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। आरएसएस शाखा परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक योगाभ्यास से हुई। उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम कर शरीर और मन को स्वस्थ रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में योग के महत्व, लाभ और दैनिक जीवन में इसकी उपयोगिता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। नियमित योग करने से अनेक बीमारियों से बचाव संभव है और व्यक्ति तनावमुक्त जीवन जी सकता है। उन्होंने बताया कि योग एक ऐसा सरल माध्यम है, जिसे बिना किसी खर्च के हर आयु वर्ग का व्यक्ति अपना सकता है। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी के रूप में तुकाराम बारेकर, टेकचंद कौशल, पितमलाल सोनवाने, ओमप्रकाश आसटकर, जयप्रकाश आसटकर, हीरालाल मारेर, नंदू किरमे एवं राहुल चौके की विशेष भूमिका रही। इसके अलावा ग्राम घोटी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से नियमित योग करने की अपील की।

पॉली अकादमिक संस्थान बिसोनी में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्यालय पॉली अकादमिक संस्थान बिसोनी में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दिशा-निर्देशानुसार शिक्षकों के लिए एक दिवसीय इन हाउस ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य विषय एनईपी2020, हैप्पी क्लासरूम एआई एजुकेशन था। कार्यशाला की शुरुआत संस्थान प्रमुख श्रीमती वंदना वैद्य के मुख्य आतिथ्य व प्राचार्य श्रीमती श्रद्धा कांडूा, प्रबंधक संजय चौरे व मुख्य अतिथि, रिसोर्स पर्सन हरिओम दुबे, कमलकांत विठले की प्रमुख उपस्थिती में दीप प्रज्वलन और सरस्वती पूजन के साथ की गई।

सकारात्मक माहौल और खुशहाल शिक्षक ही बनाएंगे हैप्पी क्लासरूम

रिसोर्स पर्सन हरिओम दुबे ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि, एक खुशहाल शिक्षक ही एक खुशहाल कक्षा का निर्माण कर सकता है। कार्यशाला के पहले सत्र में हैप्पी क्लासरूम के तहत भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्म-नियंत्रण और शिक्षक-छात्र संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया गया। विभिन्न गतिविधियों, रूप डिस्कशन और केस स्टडीज के माध्यम से शिक्षकों को सिखाया गया कि कैसे कक्षा के तनाव को कम करके पढ़ाई को और अधिक रोचक व आनंददायक बनाया जा सकता है। एनईपी 2020 के तहत अनुभवात्मक शिक्षण पर चर्चा करते हुए कमलकांत विठले ने दूसरे सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एनईपी 2020 के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को रटने की प्रवृत्ति को छोड़कर गतिविधि-आधारित शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षण को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नीति के अनुसारं छात्र-केंद्रित माहौल बनाने और बच्चों के समग्र विकास के लिए नई शिक्षण पद्धतियों को साझा किया गया। प्राचार्य श्रीमती श्रद्धा कांडूा ने सभी प्रतिभागी शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की कार्यक्षमता बढ़ाने और छात्रों को बेहतर माहौल देने में मील का पत्थर साबित होते हैं। स्कूल प्रशासन भविष्य में भी सीबीएसई के नियमों के अनुसार ऐसे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित करता रहेगा। संस्थान में आयोजित इन हाउस ट्रेनिंग प्रोग्राम में समस्त शिक्षक व शिक्षिकाएँ जिनमें राजेश कुमार शुक्ला, सिफान मिर्जा, तरुण तिलवार, निश्चल दोनोडे, शुद्धोधन रामटेके, राजा विजयवार, सुभद्रा कलपुरे, संध्या चौरे, यास्मिन खान, ज्योति भीमटे, रोहिणी रण्दिवे, दिपिका चौरे, प्रतिभा वशिष्ठ, मंजुलता उमरे, दिक्षा घोंघडे, आँचल लांजेवार, सामिया खान, भगवंती खान, सुरेखा गंगभोज, ममता वधारे मैड्म समस्त क्रियाकलापों में उपस्थित रहे।

एमपीपीएससी की परीक्षा पास कर वेदप्रकाश नागपुरे बने खाद्य सुरक्षा अधिकारी

कठोर परिश्रम, नियमितता और अनुशासन ही सफलता की कुंजी- वेदप्रकाश

पद्मेश न्यूज। लांजी। जब सपनों को हकीकत बनाने का जज्बा हो, तो रास्ते की हर रुकावट छोटी लगने लगती है। यही कहानी है बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के ग्राम बिरनपुर निवासी वेदप्रकाश नागपुरे की, जिन्होंने कठिनाइयों और निराशाओं को पीछे छोड़ते हुए एमपीपीएससी खाद्य सुरक्षा अधिकारी-2025 की परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार, गांव और पूरे जिले का नाम रोशन किया। वेदप्रकाश की पढ़ाई बिरनपुर प्राथमिक शाला से शुरू हुई और लांजी, सावरी खुर्द होते हुए सरस्वती शिशु मंदिर तक पहुंची। इसके बाद उन्होंने सतना स्थित ज्ञान विश्वविद्यालय से बी.टेक एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। साल 2022 में वे इंदौर जाकर सिविल सेवा की तैयारी में जुट गए। तीन

बार मेन्स परीक्षा लिखी, लेकिन 2024 में आई खाद्य सुरक्षा अधिकारी की भर्ती 2025 में निरस्त होने से वे निराश हुए। लंबा इंतजार और कठिन तैयारी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सफलता उनके कदम चूमी। अगस्त 2022 में जब वेदप्रकाश ने गांव छोड़ा तो पिता ने कहा था कि बेटा सफल होकर ही लौटना है और बेटे ने ये कर दिखाया वेदप्रकाश ने बताया कि पिता का संघर्ष मुझसे भी ज्यादा है उन्होंने मुझे कभी किसी चीज की कमी नहीं होने दी। मां लीलाबाई नागपुरे के स्नेह ने उन्हें संबल दिया। बड़े भाई कमलेश नागपुरे और भाभी पूर्णिमा नागपुरे का सहयोग भी उनके साथ रहा। वेदप्रकाश बताते हैं कि उनके बड़े पापा स्व. अमृतलाल नागपुरे का सपना था कि वे अधिकारी बनें। वे आज इस दुनिया में नहीं हैं पर उनके सपनों को साकार करना ही मेरे लिए सच्ची श्रद्धांजली है।

कठोर परिश्रम, नियमितता और अनुशासन ही सफलता की कुंजी

वेदप्रकाश का कहना है कठोर परिश्रम, नियमितता और अनुशासन ही सफलता की कुंजी है। असफलताओं से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनसे सीखकर आगे बढ़ना ही असली जीत है। वेदप्रकाश नागपुरे की यह उपलब्धि न केवल बिरनपुर गांव बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व का क्षण है। उनकी कहानी हर उस युवा के लिए प्रेरणा है जो कठिनाइयों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने का साहस रखता है।

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में कल मनाई जाएगी गायत्री जयंती गंगा दशहरा पर्व

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कर 24 जून 2026 को प्रात: 8 से 12 बजे तक गायत्री शक्तिपीठ लांजी में गायत्री जयंती पर्व मनाया जायेगा। इस संबंध में जानकारी से अवगत कराते हुये परिव्राजक विनोद तिड़के ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथी को ऋषि भागीरथ ने अपने तप से माँ गंगा को धरा पर उतारा था, इसे हम गंगा दशहरा भी कहते है। शास्त्रों में इस दिन को मां गायत्री का जन्म दिवस भी माना गया है। अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युग ऋषि वेदमुर्ति तपोनिष्ठ आचार्य पं. श्रीराम शर्मा का महाप्रयाण भी माँ गायत्री की गोद में गायत्री जयंती के दिन ही हुआ। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ लांजी में तीन कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, विभिन्न संस्कारों पूर्णहुति कार्यकर्ता गोष्ठी एवं महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। संस्कार करवाने वाले भाई बहन कार्यक्रम से पहले ही अपना पंजीयन कर जानकारी प्राप्त कर ले ताकि कार्यक्रम के समय असुविधा न हो। ब्लॉक गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा सभी धर्म प्रेमी भाईयों बहनों, गायत्री परिवार मिशन की पत्रिकाओं के पाठक, गायत्री मंत्र लेखन कर रहे साधक, गायत्री शक्तिपीठ में अंशदान, अन्नदान करने वाले सभी परिजनों से इस

कार्यक्रम में आकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई है।

गायत्री शक्तिपीठ में धूमधाम से मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी नगर के बस स्टैंड स्थित गायत्री शक्तिपीठ में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। शक्तिपीठ के पुरोहित विनोद तिडके ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री सभाकक्ष में सस्वर गायत्री मंत्र जप से हुई। इसके बाद भजन यह शक्ति

हमें दो दयानिधे के गायन के साथ सभी सहभागियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। योग प्रशिक्षक एवं ट्रस्टी पूरनलाल जैतवार तथा व्यवस्थापक श्यामलाल पांडे ने योगासन एवं प्राणायाम का संचालन किया। कार्यक्रम में जप-ध्यान के साथ ही विभिन्न योग मुद्राओं का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नवीन शिवणकर, युग्नेश विजयवार, सेवकराम ठाकरे, टी.एल. कटरे, धनीराम सोनवाने, सालिकराम रामटेककर, प्रखर विजयवार, पार्थ विजयवार, लोकराम भोंडेकर, श्रीमती प्रमिला तिडके, रोहिणी तिडके, खुशी दहीकर आदि उपस्थित रहे। शक्तिपीठ प्रबंधन ने सभी योग प्रेमियों को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है।

विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं आचार्य परिवार ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया। इस अवसर पर योगाचार्य चन्नीलाल बोपचे द्वारा योग के महत्व एवं इसके लाभों की जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न योग आसन, प्राणायाम, मुद्रा एवं ध्यान का अभ्यास कराया तथा नियमित योग को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, व्यवस्थापक सचिन अग्रवाल एवं आयुष विभाग से सुरेश चुटे ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं आचार्य परिवार को योग दिवस के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय परिवार ने योग को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य परिवार की गरिमामय उपस्थिति रही।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नीट और राज्यसभा चुनाव पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

पांच दिवसीय मानसून सत्र होगा हंगामेदार

भोपाल । मप्र विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपने-अपने राजनीतिक एजेंडे तय कर लिए हैं। कांग्रेस जहां नीट परीक्षा विवाद, राज्यसभा चुनाव में कथित गड़बड़ी, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है, वहीं राज्य सरकार का मुख्य फोकस समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक और अनुपूरक बजट को पारित कराने पर रहेगा। ये इस बात के संकेत है कि इस बार मानसून सत्र काफी हंगामेदार होगा।

जानकारों का मानना है कि इस बार सदन में सबसे ज्यादा चर्चा यूसीसी और नीट परीक्षा को लेकर हो सकती है। हालांकि कांग्रेस यूसीसी का तीखा विरोध करने से बच सकती है और अपने हमलों का केंद्र युवाओं तथा रोजगार से जुड़े मुद्दों को बनाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहले ही संकेत दे चुके हैं कि मानसून सत्र में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया जाएगा। सरकार की कोशिश 25 जुलाई तक इसे विधानसभा से पारित कराने की है। भाजपा इसे सामाजिक समानता और कानूनी एकरूपता की दिशा में बड़ा कदम बता रही है।

कांग्रेस का फोकस नीट और बेरोजगारी

कांग्रेस ने सत्र के लिए जिन मुद्दों को प्रमुखता से चुना है, उनमें नीट परीक्षा में कथित अनियमितताएं, राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त होने का विवाद, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी और किसानों की समस्याएं शामिल हैं। पार्टी रणनीतिक रूप से यूसीसी को मुख्य मुद्दा बनाने से बच रही है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि यूसीसी पर अल्पधिक आक्रामक रुख अपनाने से सामान्य मतदाताओं के बीच गलत संदेश जा सकता है और इसका राजनीतिक लाभ भाजपा को मिल सकता है।

यूसीसी का प्रारूप तैयार, जनता से मांगे जा रहे सुझाव

समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति, जिसकी अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं, प्रारंभिक मसौदा तैयार कर चुकी है। अब ऑनलाइन माध्यम से आम जनता से सुझाव और राय ली जा रही है। प्रस्तावित कानून में विवाह, तलाक, भरण-पोषण, उत्तराधिकार, संपत्ति अधिकार और लिव-इन संबंधों से जुड़े प्रावधानों को एक समान कानूनी ढांचे में लाने की तैयारी है। इसका उद्देश्य विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों के कारण उत्पन्न कानूनी जटिलताओं को कम करना बताया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय को प्रस्तावित छूट

यूसीसी के मसौदे में अनुसूचित जनजातीय समुदाय को विशेष छूट देने का प्रस्ताव शामिल किया गया है। इसके तहत जनजातीय समाज अपनी पारंपरिक संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्थाओं के अनुसार संचालित होता रहेगा और यूसीसी की परिधि से बाहर रहेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यही प्रावधान कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकता है। प्रदेश की बड़ी जनजातीय आबादी को छूट मिलने के कारण कांग्रेस के लिए यूसीसी का व्यापक विरोध करना आसान नहीं होगा।

सत्र में टकराव के आसार

मानसून सत्र भले ही केवल पांच दिन का हो, लेकिन नीट परीक्षा, राज्यसभा चुनाव विवाद, बेरोजगारी और यूसीसी जैसे मुद्दों के कारण सदन में तीखी बहस और राजनीतिक टकराव देखने को मिल सकता है। सरकार जहां यूसीसी को ऐतिहासिक सुधार के रूप में पेश करेगी, वहीं कांग्रेस जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगी।

स्कूल शिक्षा विभाग में अब सभी कर्मचारी लगाएंगे ई-अटेंडेंस

1 जुलाई से होंगे लागू, शिक्षकों ने कहा- हमारे लिए भी नई व्यवस्था इसी तारीख से लागू हो

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षकों के साथ दोहरा रवैया अपनाने का आरोप एक बार फिर लगा है। यह स्थिति लोक शिक्षण आयुक्त द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के सभी कर्मचारियों के लिए एक जुलाई से हमारे एप के माध्यम से ई अटेंडेंस लगाने की अनिवार्यता के चलते बनी है। इसे देखते हुए शिक्षकों और शिक्षक संगठनों का कहना है कि ऐसी ही व्यवस्था शिक्षकों के मामले में भी लागू हो। शिक्षकों की ई-अटेंडेंस के लिए विभाग ने जानबूझकर जनवरी से मार्च 2026 तक का टाइम 90 प्रतिशत तय किया है। जबकि इस अवधि में शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में परीक्षा लेने, मूल्यांकन करने, एसआईआर जैसी ड्यूटी की गई है।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी नए आदेश में कहा गया है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले समस्त कार्यालयों एवं प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत शासकीय कर्मचारियों के लिए 1 जुलाई 2026 से हमारे शिक्षक एप के माध्यम से ई-अटेंडेंस दर्ज करना अनिवार्य है। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने कहा कि आदेश से स्पष्ट हो गया है कि ई-अटेंडेंस व्यवस्था केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं है, बल्कि विभाग के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर समान रूप से लागू होगी। कौशल ने कहा कि जब ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता पूरे विभाग के लिए लागू की जा रही है, तब स्थानांतरण नीति में केवल शिक्षकों पर 90 प्रतिशत ई-अटेंडेंस की शर्त लगाना न्यायसंगत नहीं है। जनवरी, फरवरी एवं मार्च माह 2026 के दौरान शिक्षक बोर्ड परीक्षा, मूल्यांकन कार्य, प्रशिक्षण, जनगणना एवं अन्य शासकीय दायित्वों में संलग्न रहे हैं, जिसके कारण तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं से उनकी ई-अटेंडेंस प्रभावित हुई है।

तबादले में ई अटेंडेंस की अनिवार्यता की शर्त पर पुनर्विचार करे सरकार

उपेन्द्र कौशल ने कहा कि शासन से मांग की गई है कि स्वैच्छिक स्थानांतरण नीति में ई-अटेंडेंस संबंधी कठोर एवं अव्यावहारिक शर्तों पर पुनर्विचार किया जाए और शिक्षकों को स्थानांतरण प्रक्रिया से वंचित न किया जाए। संगठन का मानना है कि स्थानांतरण नीति शिक्षक हितैषी, पारदर्शी एवं न्यायपूर्ण होनी चाहिए। शासकीय शिक्षक संगठन ने आशा व्यक्त की है कि प्रदेश सरकार शिक्षकों की समस्याओं एवं सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए स्थानांतरण नीति में आवश्यक संशोधन करेगी, जिससे हजारों शिक्षक अनावश्यक रूप से प्रभावित होने से बच सकें। इसके लिए स्कूल शिक्षा मंत्री और विभाग के सीनियर अफसरों से पुनर्विचार करने को कहा गया है।

48 साल बाद भी अधर में 22 अभयारण्यों की अंतिम अधिसूचना

भोपाल। मध्यप्रदेश के अधिकांश अभयारण्यों की सीमाओं का अंतिम निर्धारण और अधिसूचना दशकों बाद भी लंबित है। इसका सीधा असर वन्यजीव संरक्षण पर पड़ रहा है। अंतिम अधिसूचना नहीं होने के कारण कई अभयारण्यों के आसपास अवैध निर्माण और खनन गतिविधियां जारी हैं, जबकि ये क्षेत्र अब तक इको-सेंसिटिव जोन (ईएसजेड) का दर्जा भी हासिल नहीं कर पाए हैं। जानकारी के अनुसार प्रदेश के 26 अभयारण्यों में से 22 की अंतिम अधिसूचना अब तक जारी नहीं हो सकी है। इनमें कुछ अभयारण्यों के मामले 40 से 48 वर्ष पुराने हैं। बताया गया है कि चंबल क्षेत्र में आने वाले घाटीगांव और केन घड़ियाल सेंचुरी का अंतिम नोटिफिकेशन 1981 से लंबित है। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य को 1982 से अब तक इंतजार करना पड़ रहा है। हैरानी वाली बात तो ये है कि इन सभी अभयारण्यों की अंतिम सूचना वन विभाग के रिकार्ड से नदारत है।

जानकारी के अनुसार जब किसी वन्य क्षेत्र को अभयारण्य के तौर पर चिन्हित किया जाता है, तो उसके लिए प्रारंभिक अधिसूचना जारी की जाती है। इसके बाद अभयारण्यों की सीमाओं का निर्धारण किया जाता है, जिसमें संबंधित जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और वन विभाग की अहम भूमिका होती है। इनके द्वारा सीमा चिन्हित कर अभयारण्यों की अंतिम अधिसूचना जारी की जारी है। इसके उपरांत अधिसूचित क्षेत्र में पूरी तरह से खनन या निर्माण जैसे कार्य प्रतिबंधित हो जाते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि सीमा निर्धारण और अंतिम नोटिफिकेशन में देरी के कारण संरक्षित क्षेत्रों की वास्तविक सीमाएं स्पष्ट नहीं हो पातीं, जिसका फायदा अवैध गतिविधियों में लगे लोगों को मिलता है। मप्र के अधिकांश अभयारण्यों के आसपास अवैध निर्माण और खनन किया जा रहा है, जिससे ये क्षेत्र जहां इको-सेंसिटिव जोन नहीं बन पा रहे हैं, तो वहीं वन्यजीवों के जीवन पर भी खतरा मडरा रहा है। इसकी मूल वजह अभयारण्यों की सीमाओं का निर्धारण करने अंतिम अधिसूचना जारी नहीं होना है। सूत्रों का कहना है कि इस मामले में वन महकमा सहित राजस्व जैसे दूसरे विभाग वर्षों से निष्क्रिय हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी पूरा पालन नहीं

सुप्रीम कोर्ट संरक्षित वन क्षेत्रों के आसपास इको-सेंसिटिव जोन बनाए जाने की आवश्यकता पर स्पष्ट निर्देश दे चुका है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश में बड़ी संख्या में अभयारण्य अंतिम अधिसूचना के अभाव में इस व्यवस्था से बाहर हैं। इससे पर्यावरणीय सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण दोनों प्रभावित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार घाटीगांव अभयारण्य, केन घड़ियाल अभयारण्य और राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य जैसे महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्रों की अंतिम अधिसूचना 1981-82 से लंबित है। बताया जाता है कि कई मामलों में अंतिम अधिसूचना संबंधी रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं हैं।

तीन विभागों के बीच तालमेल की कमी

सूत्रों के मुताबिक अभयारण्यों की सीमाएं तय करने की प्रक्रिया में जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और वन विभाग की संयुक्त भूमिका होती है। लेकिन इन विभागों के बीच समन्वय की कमी के चलते कई अभयारण्यों का सीमा निर्धारण वर्षों से अधूरा पड़ा है। वन्यजीव संरक्षण से जुड़े एक्टिविस्ट अजय दुबे ने इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग जैन को शिकायत सौंपते हुए कहा है कि कई अभयारण्य तीन से चार दशक पहले संरक्षित घोषित हो चुके हैं, लेकिन आज तक उनका अंतिम नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ।

केवल चार अभयारण्य पूरी तरह अधिसूचित

प्रदेश में फिलहाल केवल चार अभयारण्य पूरी तरह अधिसूचित श्रेणी में हैं। इनमें पेंच मोगली अभयारण्य (सिवनी), रालामंडल अभयारण्य (इंदौर), खिवनी अभयारण्य (देवास) और वीरांगना दुर्गावती अभयारण्य (दमोह) शामिल हैं। सिवनी के पेंच मोगली अभयारण्य की प्रथम अधिसूचना वर्ष 1977 में जारी की गई थी, जबकि अंतिम अधिसूचना 1996 में कर दी गई। इंदौर के रालामंडल अभयारण्य को वर्ष 1989 में प्राथमिक तौर पर अधिसूचित किया गया था, जबकि 1998 में अंतिम नोटिफिकेशन कर दिया गया था। देवास के खिवनी अभयारण्य की प्रारंभिक अधिसूचना 1982 में, तो अंतिम अधिसूचना 2006 में जारी कर दी गई थी। इसी तरह दमोह जिले में आने वाले वीरांगना दुर्गावती सेंचुरी 1997 में पूरी तरह से नोटिफाइट कर दिया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि चार दशक बाद भी अंतिम अधिसूचना क्यों नहीं हो सकी? क्या विभागीय समन्वय की कमी वन्यजीव संरक्षण में सबसे बड़ी बाधा बन गई है?

एमएसएमई विभाग में 'जूनियर बॉस' विवाद

- अब कनिष्ठ अफसर लिखेंगे वरिष्ठों की सीआर!

भोपाल। मध्यप्रदेश के एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) विभाग में जारी तबादलों और प्रभार आदेशों ने नया प्रशासनिक विवाद खड़ा कर दिया है। विभाग के भीतर आरोप लग रहे हैं कि नियमित रूप से चयनित और वरिष्ठ अधिकारियों की अनदेखी कर प्रभारी प्रबंधकों को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्रों (डीआईसी) का महाप्रबंधक बना दिया गया है। इससे विभाग में वरिष्ठता, पदानुक्रम और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सबसे बड़ा विवाद इस बात को लेकर है कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद कई जिलों में कनिष्ठ अधिकारी अपने से वरिष्ठ अधिकारियों की गोपनीय चरित्रावली (सीआर/एसीआर) लिखेंगे। विभाग के भीतर इसे सेवा नियमों और प्रशासनिक परंपराओं के विपरीत बताया जा रहा है। एमएसएमई विभाग द्वारा 15 और 16 जून को जारी प्रभार आदेशों के बाद असंतोष खुलकर सामने आया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था चार्ज के ऊपर चार्ज जैसी स्थिति पैदा कर रही है। आरोप है कि जिन अधिकारियों का मूल पद सहायक प्रबंधक है और जो वर्तमान में प्रभारी प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं, उन्हें कई जिलों में महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र का प्रभार सौंप दिया गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों को दरकिनार करने का आरोप

विभागीय सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) के माध्यम से चयनित वर्ष 2016, 2017 और 2019 बैच के 60 से अधिक राजपत्रित अधिकारी वर्तमान में विभाग में कार्यरत हैं। इनमें प्रबंधक और सहायक संचालक स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इसके बावजूद कई जिलों में प्रभारी प्रबंधकों को उच्च पद का प्रभार दिए जाने से नियमित अधिकारियों में असंतोष बढ़ गया है। उनका तर्क है कि जब विभाग में योग्य और नियमित रूप से चयनित अधिकारी उपलब्ध हैं, तब उन्हें नजरअंदाज कर प्रभारी व्यवस्था के माध्यम से नियुक्तियां क्यों की जा रही हैं।

किन अधिकारियों को मिला महाप्रबंधक का प्रभार

जारी आदेशों के अनुसार कई प्रभारी प्रबंधकों को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्रों का प्रभार सौंपा गया है। विभाग के भीतर यही नियुक्तियां विवाद का मुख्य कारण बनी हुई हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह केवल अतिरिक्त जिम्मेदारी का मामला नहीं है, बल्कि इससे विभागीय पदानुक्रम प्रभावित हो रहा है और सेवा संरचना पर भी असर पड़ रहा है।

'जूनियर लिखेंगे सीनियर की सीआर'

विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू गोपनीय चरित्रावली (सीआर) से जुड़ा हुआ है। नई व्यवस्था के तहत कुछ जिलों में ऐसे हालात बन रहे हैं जहां राजपत्रित श्रेणी-2 अधिकारी, अपने से कनिष्ठ श्रेणी-3 अधिकारियों के अधीन कार्य करेंगे, और उन्हीं कनिष्ठ अधिकारियों द्वारा उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखी जाएगी। प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि इससे मूल्यांकन प्रक्रिया की निष्पक्षता और सेवा अनुशासन पर प्रश्न खड़े हो सकते हैं।

पदोन्नति रुकी, प्रभार में खुली छूट

असंतुष्ट अधिकारियों का कहना है कि एक ओर विभाग में पदोन्नतियां लंबे समय से लंबित हैं, वहीं दूसरी ओर प्रभारी व्यवस्था के जरिए उच्च पदों का प्रभार बांटा जा रहा है। उनका तर्क है कि यदि पदोन्नति प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है तो पहले नियमित व्यवस्था लागू की जानी चाहिए थी। इसके बजाय प्रभारी नियुक्तियों के माध्यम से वरिष्ठता क्रम को प्रभावित किया जा रहा है। विभाग के भीतर यह चर्चा भी तेज है कि यह फैसला रोटेशनल, अनुभव और योग्यता के स्थापित मानकों से मेल नहीं खाता। अधिकारियों का सवाल है कि जब नियमित चयनित अधिकारी उपलब्ध हैं तो प्रभारी व्यवस्था की जरूरत क्यों पड़ी?

मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए हर जिले में विकसित की जाए एक हैचरी -मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि प्रदेश को मछली बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रत्येक जिले में एक हैचरी विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि अगले ढाई वर्षों में ऐसी व्यवस्था बनाई जाए कि प्रदेश को मछली बीज के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर न रहना पड़े।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के तहत प्रदेश में मछली पालन क्षेत्र में 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्तावित है। मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 2 लाख 91 हजार 938 केज के प्रस्तावों पर कार्यदेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने मोती उत्पादन को भी प्रोत्साहित करने तथा अन्य राज्यों की सफल व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उन्हें मध्यप्रदेश में लागू करने के निर्देश दिए।

डॉ. यादव ने कहा कि बढ़ते मछली उत्पादन को देखते हुए कोल्ड चेन, प्रसंस्करण और विपणन संबंधी अधोसंरचना विकसित की जाए। साथ ही ब्रांडिंग और निर्यात के लिए प्रभावी नेटवर्क तैयार किया जाए। उन्होंने नदियों के पुनर्जीवन, जलीय जीवों के संरक्षण और जल आधारित पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समन्वित कार्ययोजना बनाने पर भी जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत अंतर्देशीय जल क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर सिवनी जिले को वर्ष 2023-24 में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

भाजपा ने तबादला नीति को उद्योग बनाया

भोपाल। मध्यप्रदेश में हो रही तबादला नीति पर समाजवादी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारतीय ने कहा कि अधिकारी जब सरकार की बात नहीं मान रहे, तो मंत्रियों और मुख्यमंत्री की जरूरत नहीं उन्हें हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने तबादला नीति को उद्योग बना दिया है। सचिव 5 लाख ले करके तबादला कर रहे हैं। तबादला नीति का दिखावा करने की क्या जरूरत है। सरकार एक रेट फिक्स कर दे और उस पर जीएसटी भी लगा दे। यश भारतीय ने उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की एक ट्रांसफर लिस्ट का हवाला देते हुए कहा कि विभागीय मंत्री के यहां से ट्रांसफर की एक लिस्ट बनकर गई, लेकिन अधिकारियों ने कई ट्रांसफर रोक दिए। उन्होंने कहा कि अब सरकार बताए कि मंत्री के आदेश का पालन क्यों नहीं हो रहा है। जिन अधिकारियों का ट्रांसफर रोका गया, उन सभी पर किसी ना किसी विभाग में जांच चल रही है। कई पर भ्रष्टाचार के मामले भी हैं।

5 लाख लेकर ट्रांसफर कर रहे अधिकारी

पार्टी के प्रवक्ता ने कहा कि ये जो भ्रष्टाचार चल रहा है इस पर रोक क्यों नहीं लगाई जा रही है। कई अधिकारियों पर जब 5 लाख लेकर ट्रांसफर करने के आरोप लग रहे हैं।

मप्र में ट्रांसफर के फिक्स रेट

- कांग्रेस का सरकार पर हमला, मुकेश नायक बोले - धार्मिक लोकों के निर्माण में 40 प्रतिशत कमीशनखोरी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश नायक ने आज राजधानी भोपाल में एक धमाकेदार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्य की वर्तमान सरकार पर सिपासी हमला बोला। मुकेश नायक ने प्रदेश में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक तबादलों में भ्रष्टाचार, धार्मिक स्थलों के निर्माण में भारी कमीशनखोरी और वेयरहाउसिंग कारपोरेशन में चल रही धांधली को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया और पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुकेश नायक ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक रील का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में तबादलों के 'रेट कार्ड' फिक्स हो चुके हैं और ऐसी धांधली पहले कभी नहीं देखी गई। उन्होंने दावा किया कि स्कूल शिक्षा विभाग में ट्रांसफर के लिए ?3 लाख और आदिम जाति कल्याण विभाग के शिक्षकों से ?4 लाख रुपये तक की रिश्वत ली गई। शिक्षा विभाग के अलावा स्वास्थ्य, पुलिस, वन और राजस्व विभाग में भी हजारों की संख्या में नियम विरुद्ध ट्रांसफर किए गए हैं।

दे रहा है। कर्मचारियों को बकायदा संदेश भेजे जा रहे हैं कि 'यदि ट्रांसफर रुकवाना है या मनचाही जगह जाना है, तो आकर मिलो।' नायक ने तंज कसते हुए कहा कि यह ऐसी सरकार है जो पैसे भी ले लेती है और काम भी नहीं करती।

ओरछा और महाकाल लोक में घोटाला

उन्होंने आरोप लगाया कि ओरछा में जो टाइल्स 50 की आती है, उसे कागजों में ?350 का दिखाकर खरीदा गया। उज्जैन के महाकाल लोक समेत प्रदेश में जितने भी 'धार्मिक लोक' बने हैं, उनके निर्माण कार्यों में 40 प्रतिशत की खुली कमीशनखोरी की गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केवल निर्माण ही नहीं, बल्कि मंदिरों में आने वाले दान तक में चोरी की जा रही है। इन सभी घोटालों की अयोध्या राम मंदिर मामले की तर्ज पर उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

वेयरहाउस निरीक्षण को बताया 'बेहूदा'

वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के अध्यक्ष संजय नगाइच द्वारा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के वेयरहाउस के निरीक्षण किए जाने के मामले पर पलटवार करते हुए मुकेश नायक ने इस कार्रवाई को पूरी तरह 'बेहूदा' करार दिया। उन्होंने साफ किया कि जीतू पटवारी के नाम पर कोई वेयरहाउस नहीं है, न ही कोई किराया दिया गया है। वहां जबरदस्ती अनाज ठूंसा गया है, जबकि वेयरहाउसिंग बोर्ड अपने कर्मचारियों को तनख्वाह तक नहीं दे पा रहा है।

विपक्ष के साथ भेदभाव

मुकेश नायक ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश के 80ह वेयरहाउस भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के हैं, जिनमें न तो कोई सुरक्षा व्यवस्था है और न ही फायर फाइटिंग सिस्टम। बीजेपी नेताओं के गोदामों को वीआईपी ट्रीटमेंट देकर भरा जाता है, जबकि मेरा खुद का गोदाम पिछले 25 साल से सिर्फ इसलिए खाली पड़ा है क्योंकि मैं कांग्रेस का नेता हूं।

विनोद / 22 जून 26

चमका पटवारियों का वर्चस्व

भोपाल में पटवारियों का वर्चस्व साफ दिखाई

सिंहस्थ 2028 के लिए आरपीएफ का मेगा सुरक्षा प्लान

- 4500 अतिरिक्त जवानों के साथ ड्रोन व 700 सीसीटीवी कैमरों की मांग

भोपाल । उज्जैन सिंहस्थ 2028 में 30 करोड़ श्रद्धालुओं की भीड़ को संभालने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने मेगा प्लान तैयार कर लिया है। सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने के लिए 4500 अतिरिक्त जवान, डॉग स्क्वॉड, ड्रोन और 700 हाईटेक सीसीटीवी कैमरों की मांग का प्रस्ताव भेजा गया है। उज्जैन रेलवे स्टेशन से लेकर सभी फ्लैग स्टेशनों तक चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखी जाएगी।

आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि सिंहस्थ के दौरान उज्जैन मुख्य रेलवे स्टेशन पर दो डॉग स्क्वॉड तैनात किए जाएंगे। इसके अलावा नईखेड़ी, पिंगलेश्वर, मोहनपुरा, पंवासा, चिंतामन और विक्रमनगर में बन रहे फ्लैग स्टेशनों पर एक-एक डॉग स्क्वॉड की तैनाती रहेगी। बताया जा रहा है कि प्रत्येक स्टेशन पर एक-एक ड्रोन भी तैनात किया जाएगा, जो आसमान से पूरे क्षेत्र की निगरानी करेगा। इसके साथ ही 700 अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों की मांग की गई है, जिन्हें सभी स्टेशनों पर लगाया जाएगा, ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि कैमरों की नजर से बच न सके। उन्होंने बताया कि सिंहस्थ 2028 की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 4500 अतिरिक्त जवानों की मांग का प्रस्ताव तैयार कर संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

इसीलिए पड़ी जरूरत

सिंहस्थ 2028 में करीब 30 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इनमें से अधिकांश श्रद्धालु ट्रेनों के माध्यम से उज्जैन पहुंचेंगे। रेलवे इस दौरान 7800 विशेष ट्रेनों के संचालन की योजना बना रहा है। इतनी बड़ी संख्या को देखते हुए आरपीएफ और जीआरएपी दोनों ने अतिरिक्त बल की मांग की है।

जीआरएपी भी है तैयार

उज्जैन जीआरएपी ने भी 6000 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की मांग का प्रस्ताव भेजा है। फ्लैग स्टेशन परिसरों में अस्थायी थाने स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक थाने में 100 पुलिसकर्मी 24 घंटे, सातों दिन (24×7) शिफ्ट के आधार पर तैनात रहेंगे।

महाकाल की तर्ज पर रतलाम में बनेगा कालिका माता लोक

भोपाल। उज्जैन महाकाल लोक के बाद अब रतलाम में कालिका माता मंदिर को कालिका माता लोक बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। कालिका माता लोक बनाने की कार्य योजना बन गई है। योजना को लेकर कैबिनेट मंत्री और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने रतलाम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की है। बैठक में मंत्री काश्यप ने महापौर प्रहलाद पटेल और कलेक्टर मिशा सिंह से कालिका माता मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की। बैठक के दौरान इंजीनियरों ने कार्ययोजना प्रस्तुत की। बताया कि कालिका माता मंदिर परिसर का नया रुप महाकाल लोक की तरह सुंदर दिखाई देगा। कालिका माता लोक के प्रस्तावित डिजाइन भी तैयार की है। प्रस्तावित नक्शे के अनुसार झाली तालाब परिसर अष्ट कोणिय रुप में विकसित किया जाएगा।

सालाह के गोल से मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर बनाया रिकार्ड

वैंकूवर। मिस्र ने यहां हुए विश्व कप फुटबॉल मुकाबले में मोहम्मद सालाह के गोल की सहायता से न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की है। इससे मिस्र के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। स्टार खिलाड़ी सालाह ने 67वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। ये सालाह के करियर का 68वां अंतरराष्ट्रीय गोल रहा।

इस अहम जीत के साथ मिस्र की टीम ग्रुप जी में नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। गया है, हालांकि नॉकआउट राउंड में उसके हालांकि अभी जगह बनानी है। अब मिस्र का सामना शुक्रवार को सिएटल में ईरान से होगा। इसमें जीतने वाली टीम ही अगले दौर में पहुंचेगी। वहीं अगर मुकाबला बराबरी पर रहा तो भी टीम के पास आगे बढ़ने का अवसर रहेगा। मिस्र, चौथी बार विश्वकप में भाग ले रहा है। इस मैच की शुरुआत में ही

न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत कर मिस्र पर बढ़त बना ली थी। फिन सुस्मन ने 15वें मिनट में शानदार हेडर लगाकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। यह बढ़त ज्यादा देर तक बनी नहीं रह पाई। मिस्र ने 58वें मिनट में बराबरी का गोल दागकर वापसी की। मुस्तफा ज़िको ने हेडर से गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 67वें मिनट में सालाह ने ज़िको के पास पर गोल किया। मिस्र की ओर से तीसरा और अंतिम गोल 82वें मिनट में ट्रेज़ेगुएट ने हेडर पर किया। इससे टीम को 3-1 से जीत मिलना तय हो गया।

वहीं इससे पहले मिस्र को बेल्जियम से पहला मैच 1-1 से बराबरी पर रहा था। वहीं न्यूजीलैंड ने भी ईरान के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में दो बार बढ़त दर्ज की थी पर अंत में उसे 2-2 से बराबरी पर ही रहना पड़ा। कैलिफोर्निया के इंगलवुड में हुए ईरान और बेल्जियम मैच में भी कोई गोल नहीं हुआ। न्यूजीलैंड की टीम अब शुक्रवार को वैंकूवर में बेल्जियम से मुकाबला करेगी।

एफआईएच प्रो लीग-भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने नीदरलैंड को 3-2 से हराया

रॉटरडम। जुगराज सिंह, अभिषेक और राजिंदर सिंह के गोल से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के रॉटरडम चरण के अपने अंतिम मुकाबले में नीदरलैंड को 3-2 से हरा दिया। भारत की ओर से जुगराज ने 18 वें जबकि अभिषेक ने 27वें और राजिंदर सिंह ने 56वें मिनट में गोल किये। मेजबान टीम की ओर एकमात्र गोल पेपीन वान डेर हाइज्डेन ने 19वें मिनट में जबकि काएन बिजेन ने 59 वें मिनट में किया। भारतीय टीम की इस मैच में कप्तान कर रहे हार्दिक सिंह को उनके बेहतरीन नेतृत्व और मिडफील्ड में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। नीदरलैंड ने शुरुआत में तेजी से हमले किये पर कुछ देर बाद ही भारतीय टीम पलटवार कर हावी हो गयी। पहले क्वार्टर में कोई टीम गोल नहीं कर पायी।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने

तेजी से हमले किये। 18वें मिनट में जुगराज ने ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल कर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया। डच टीम ने इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर पर वान डेर हाइज्डेन के गोल से स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। 27वें मिनट में अभिषेक ने एक गोल कर भारतीय टीम को फिर बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम मैच पर हावी रही। तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारतीय टीम 2-1 से आगे था। अंतिम क्वार्टर में नीदरलैंड ने बराबरी के प्रयास किये पर असफल रही। 56वें मिनट में भारतीय टीम को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर राजिंदर सिंह ने गोल दाग कर भारतीय टीम की बढ़त 3-1 कर दी। डच खिलाड़ी कोएन बिजेन ने 59वें मिनट में एक शानदार पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया। इसके बाद दोनो ही टीम कोई गोल नहीं कर पायी।

रोहित के आलोचकों पर बरसे कैफ, ऐसे लोग चाहते हैं वह विफल हो जाएं

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि कुछ लोग ऐसे हैं तो अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को असफल होने देखना चाहते हैं जिससे कि उन्हें एकदिवसीय विश्वकप से बाहर करने का अवसर मिल जाये। कैफ के अनुसार रोहित ने अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय मैच में 79 रनों की पारी खेलकर साबित कर दिया है कि अभी उनमें काफी क्रिकेट बचा है और वह बड़े स्कोर बनाने में किसी से पीछे नहीं हैं। इसी कारण वह 39 साल की उम्र में भी जमकर रन बना रहे हैं। इस प्रकार जहां एक ओर रोहित अगले साल होने वाल एकदिवसीय विश्वप कप के लिए अपनी दावेदारी पक्की कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ ऐसे आलोचक भी हैं जो उनकी बढ़ती उम्र का हवाला देकर उन्हें रोकना चाहते हैं। ऐसे लोग नहीं चाहते कि रोहित विश्वकप खेलें। साथ ही कहा कि ऐसे लोगा चाहते हैं कि रोहित असफल हो जाएं जिससे उन्हें बाहर करने का अवसर मिल जाये।

वहीं रोहित ने अपनी पिछली 10 पारियों में एक शतक, दो बार 75 या उससे अधिक रन, एक 57 रनों की पारी और एक 48 रनों की पारी खेली है, जो उनकी बेहतरीन लय को दिखाती है जबकि आलोचक एक पारी में विफल होने पर ही इनके खिलाफ अभियान चलाना शुरु कर देते हैं। कैफ ने कहा कि चयन का पैमाना उम्र नहीं, बल्कि फॉर्म होनी चाहिए। विशेष रुप से रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के मामले में। ये दोनों ही खिलाड़ी अब टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं।

कैफ ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए लिखा, सच में समझ नहीं आता कि इतने सारे लोग क्यों चाहते हैं कि रोहित विफल हो जाएं। उन्होंने जिस तरह से विपरीत हालातों का सामना किया है, वह प्रशंसा के योग्य है। कैफ ने रोहित की पिछली उपलब्धियों को भी याद दिलाया, जिसमें चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाना, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ रन बनाना और अब अफगानिस्तान के खिलाफ 79 रनों की पारी शामिल है। उनका मानना है कि एक दो छोटे स्कोर को लेकर ये नहीं कहा जा सकता है कि उनका समय पूरा हो गय है। कैफ ने क्रिकेट प्रशंसकों से अपील की कि उन्हें प्रार्थना करनी चाहिए कि रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी अपने फॉर्म को बनाये रखें, गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भी उनकी फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे थे पर उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलायी। इसके बाद भी हैरानी की बात है कि उन्हें कप्तानी से बाहर कर दिया गया। वहीं अब कहा जा रहा टीम में भी उन्हें नहीं रखा जाना चाहिये। इसके बाद भी रोहित ने सभी प्रकार के दबावों को पीछे छोड़ते हुए फिटनेस बनाने के साथ ही प्रदर्शन को भी बेहतर कर विश्वकप के लिए मजबूत दावेदारी की है।

शाहिदी एक विशेष कलब का हिस्सा बने

चेन्नई । अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी अपने एकदिवसीय करियर में 13 साल के बाद पहला शतक लगाने के साथ ही दिग्गज क्रिकेटरों के खास क्लब का हिस्सा बन गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारी दबाव के बीच ही एक दशक से भी अधिक समय तक अपने को लगातार साबित करते रहना और अपने पहले शतक के लिए इतने लंबे इंतजार के बाद सफलता प्राप्त करना आसान नहीं है पर शहिदी निराश नहीं हुए। इसी कारण वह भारत के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 102 रनों की यादगार पारी खेलने में सफल रहे।

साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में कदम रखने वाले शाहिदी को अपने पहले शतक तक पहुंचने में पूरे 4644 दिन का अविश्वसनीय रूप से लंबा सफर तय करना पड़ा। यह यात्रा इतनी लंबी और संघर्षपूर्ण थी कि इसने क्रिकेट प्रेमियों को गुज़रे दौर के उन महान बल्लेबाजों की याद दिला दी जिन्होंने भी अपने करियर में ऐसे ही किसी खास मुकाम के लिए लंबा इंतजार किया था। एकदिवसीयच डेब्यू से लेकर पहले शतक के बीच सबसे ज्यादा दिनों के इंतजार के मामले में, शाहिदी अब दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन गए हैं, और इस

सूची में उनका नाम जुड़ना उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प को दिखाता है।

इस ऐतिहासिक और बेहद खास क्लब में सबसे ऊपर जिम्बाब्वे के बल्लेबाज रेगिस चकाबवा हैं, जिन्हें अपने पहले एकदिवसीय शतक के लिए 5040 दिनों का एक अकल्पनीय लंबा इंतजार करना पड़ा था। वहीं दूसरे स्थान पर भारत के महानतम बल्लेबाजों में से एक, सुनील गावस्कर का नाम आता है। गावस्कर ने अपने पहले एकदिवसीय शतक के लिए 4858 दिनों का लंबा समय लिया था, जो उनकी एकदिवसीय करियर की शुरुआत के काफी बाद आया। इसके ठीक बाद श्रीलंका को विश्व विजेता बनाने वाले पूर्व कप्तान अर्जुन रणातुंगा का नंबर आता है, जिन्होंने 4674 दिनों के बाद अपनी पहली वनडे सेंचुरी बनाई थी।

अब हशमतुल्लाह शाहिदी 4644 दिनों के इंतजार के बाद इस अत्यंत विशिष्ट और ऐतिहासिक एलीट क्लब के चौथे सदस्य के रूप में शामिल हो गए हैं। उनके ठीक पीछे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन हैं, जिन्होंने अपने पहले शतक के लिए 4639 दिन लिए थे।

हाशमतुल्लाह पर आचारसंहिता उल्लंघन के मामले में डिमेरिट अंक दर्ज

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले अफगानिस्तान के कप्तान हाशमतुल्लाह शहीदी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में कार्रवाई की है। हाशमतुल्लाह को मैच के दौरान बार-बार पिच के डेंजर एरिया में दौड़ने को दोषी पाया गया है, जिसके लिए उन्हें खाते में एक डिमेरिट अंक दर्ज किया गया है। शहीदी बार बार डेंजर एरिया में आ जाते थे। उनपर खेल भावना के नियमों का पालन नहीं करने का आरोप लगा है। मैच के ऑन-फील्ड अंपायरों क्रिस गैफनी और रोहन पंडित ने शहीदी को पिच पर दौड़ने को लेकर दो बार कड़ी चेतावनी दी थी। 31वें ओवर में उन्हें आधिकारिक चेतावनी भी मिली थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने नियमों का उल्लंघन जारी रखा।

नीदरलैंड को स्वीडन पर जीत दिलाने वाले ब्रायन ब्रोबे थे गैंगस्टर के निशाने पर

न्यूयार्क । स्वीडन के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में दो गोल दागकर अपनी टीम नीदरलैंड को 5-1 से जीत दिलाने वाले स्ट्राइकर ब्रायन ब्रोबे आज प्रशंसकों के बीच छाये हुए हैं पर उनके पिछले कुछ साल बेहद खराब रहे हैं और बड़ी मुश्किल से उनकी जान बची। इस फुटबॉल की जान अनजाने में हुई एक मुलाकात से संकट में फंस गयी थी जिससे वह एक खतरनाक गैंगस्टर के निशाने पर आ गये थे।

यह घटना साल 2022 की है, जब ब्रायन अपने गृहनगर में एक संगीत समारोह में शामिल हुए थे। वहीं उनकी मुलाकात स्कूल के दिनों के एक पुराने दोस्त से हुई। उस समय ब्रोबे को जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनका यह दोस्त हत्या और ड्रग तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में वांछित एक खतरनाक गैंगस्टर है।

ग्रुप सी के अंतिम मैच से वापसी करेंगे नेमार - एंसेलोटी

न्यूयार्क। ब्राजील की फुटबॉल टीम के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने कहा है कि स्टार खिलाड़ी नेमार विश्वकप में वापसी के लिए तैयार हैं। एंसेलोटी के अनुसार स्टार फॉरवर्ड नेमार स्कॉटलैंड के खिलाफ 24 जून को होने वाले ग्रुप सी के अंतिम और निर्णायक मैच के लिए पूरी तरह से उपलब्ध रहेंगे। नेमार की विश्व कप में वापसी की घोषणा से उनके प्रशंसक उत्साहित हैं। नेमार की वापसी निश्चित रूप से पांच बार की विजेता टीम के मनोबल और आक्रमण शक्ति को एक अभूतपूर्व बढ़ावा देगी, जो आगामी मैचों के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। टीम को अब अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर उतरने का मौका मिलेगा, जिससे विरोधी टीमों के लिए चुनौती और बढ़ जाएगी।

गौरतलब है कि नेमार, ब्राजील की शीर्ष लीग में सैंटोस के लिए खेलते हैं और पिंडली में खिंचाव के कारण 17 मई से ही खेल के मैदान से दूर थे। इस दुर्भाग्यपूर्ण चोट के चलते वह टूर्नामेंट के शुरुआती दो अहम मैचों में शामिल नहीं हो पाए थे, जिनमें मोरक्को के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ हुआ मैच और हाल ही में हैती के खिलाफ मिली जीत भी शामिल है। उनके बाहर होने से टीम का मनोबल घटा है जो मुकाबलों के दौरान देखने में आया है। ऐसे में उनकी वापसी को लेकर प्रशंसक जोश से भरे हुए हैं। इसका कारण है कि नेमार के रहने से टीम प्रेरित होती है।

हालांकि, पिछले कुछ दिनों से नेमार अपनी पूरी फिटनेस हासिल करने में लगे थे। इसी कारण वह न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन में पूरी ट्रेनिंग किट में नज़र आए और अपने साथियों के साथ अभ्यास में शामिल हुए। दिग्गज खिलाड़ी ने कोचिंग स्टाफ़ के साथ अलग से काम करने से पहले राफिन्या, ब्रूनो गुइमारेस, गैब्रियल मैगलहेस और फैबिन्हो जैसे अपने प्रमुख साथियों के साथ टीम की एक्सरसाइज़ में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। यह सब उनकी वापसी के स्पष्ट संकेत थे।वहीं मैनेजर एंसेलोटी ने ही सबसे स्पष्ट और निर्णायक संकेत दिया था कि नेमार की वापसी अब बस कुछ ही दूरी पर है। उनकी इस घोषणा ने अटकलों पर विराम लगा दिया है और अब ब्राज़ील की पूरी टीम और समर्थक एक बार फिर नेमार के खेल का जादू देखने को उत्सुक हैं। नेमार की मैदान पर वापसी न केवल ब्राज़ील की आक्रमण पंक्ति को और धार देगी, बल्कि विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती भी पेश करेगी। ।

स्टोक्स और एटकिंसन की तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम में वापसी

लंदन। नाइटक्लब विवाद के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहे इंग्लैंड क्रिकेट टीम में कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की न्यूजीलैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 25 जून से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट के लिए टीम में वापसी हुई है। गौरतलब है कि लॉर्ड्स टेस्ट में शानदार जीत के बाद जश्न के लिए नाइटक्लब गये स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन के वहां अन्य लोगों से हुए झगड़ें को लेकर इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की अनुशासनात्मक समिति ने दोनो को दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया था। वहीं अब जांच पूरी होने के बाद यह दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों को लिखित चेतावनी देकर वापस शामिल कर लिया है।

अनुशासनात्मक कार्रवाई के बीच पिछले अचानक ही ईसीबी के निर्देश पर इन दोनों खिलाड़ियों को उनके संबंधित काउंटी चैंपियनशिप मैचों के बीच से ही वापस बुला लिया गया। स्टोक्स डरहम के लिए 95 रनों की तेज तर्रार पारी खेल रहे थे, तभी उन्हें मैच से हटा दिया गया। दूसरी ओर, एटकिंसन को भी ग्लैमरगन के खिलाफ सरे के मैच से बाहर कर दिया गया। इस कदम ने साफ संकेत दे दिए थे कि दोनों की जल्द ही राष्ट्रीय टीम में वापसी होने वाली है।

अब ईसीबी ने आधिकारिक बयान जारी

कर पूरी स्थिति स्पष्ट कर दी है। बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि स्टोक्स और एटकिंसन को ईसीबी अनुशासनात्मक सुनवाई के निष्कर्ष के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की टीम में शामिल किया गया है। बोर्ड ने माना कि दोनों खिलाड़ियों ने विशिष्ट अनुबंधीय दायित्वों का उल्लंघन किया है, जिसके तहत इंग्लैंड के खिलाड़ियों को हर समय उच्चतम आचरण बनाए रखना और इंग्लैंड क्रिकेट के हित में काम करना अनिवार्य होता है।

हालांकि, बोर्ड ने जांच में यह भी साफ किया कि नाइटक्लब के बाहर हुई हिंसा में इन दोनों खिलाड़ियों की कोई गलती नहीं थी। ईसीबी के मुताबिक, स्टोक्स उस झगड़े में शामिल नहीं थे और न ही उन्होंने ऐसी किसी घटना को देखा। वहीं, सबूतों से यह साबित हुआ है कि एटकिंसन बिना किसी उकसावे के हुए हमले के शिकार हुए थे और उन्होंने जवाबी कार्रवाई में किसी पर हाथ नहीं उठाया। यानी दोनों को हिंसक व्यवहार के आरोपों से पूरी तरह बरी कर दिया गया है।

तीसरे टेस्ट के लिए घोषित 15 सदस्यीय इंग्लैंड की पूरी टीम इस प्रकार है- बेन स्टोक्स (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो ग़े, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जेमी स्मिथ और जोश टोंग।

हरमनप्रीत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताया

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में भारतीय टीम को मिली छह विकेट से हार पर निराशा जतायी है। हरमनप्रीत ने हार के लिए खराब फील्डिंग को जिम्मेदार बताते हुए कहा है कि टीम ने जो कैच छोड़े उससे मुकाबला हाथ से निकल गया। भारतीय टीम की ये इस टूर्नामेंट में पहली हार है। इससे पहले उसने अपने दोनों मुकाबले जीते थे। कप्तान के अनुसार भारतीय टीम उसे मिले अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पायी।

हरमनप्रीत ने कहा कि दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज मारिजाने कैप को आउट करने के दो अच्छे अवसर हाथ से निकल गये थे। वहीं स्थानापन्न खिलाड़ी राधा यादव ने कैप के दो आसान कैच छोड़े, जिसका कैप ने पूरा लाभ उठाते हुए केवल 45 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की सहायता से नाबाद 81 रन बनाये। इससे दक्षिण अफ्रीका की टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 19.1 ओवर में ही चार विकेट पर 161 रन बनाकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की है। इससे अंक तालिका में चार अंकों के साथ ही भारतीय टीम तीसरे स्थान पर खिसक गयी है। इससे पहले, भारतीय टीम ने दीप्ति शर्मा के 29 और कप्तान हरमनप्रीत के 24 रनों की सहायता से 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन बनाये थे। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने 15 गेंदों में तेजी से 31 रन बनाये। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, "हमें अवसर मिले पर हम उनका लाभ नहीं उठा पाये। इसी कारण मैच हमारे हाथ से निकल गया। इस मैच में हम अच्छ क्षेत्ररक्षण नहीं कर पाये। उन्होंने हालांकि 24 रन देकर तीन विकेट लेने वाली स्पिनर स्पिनर श्री चरणी के प्रदर्शन की प्रशंसा की है।

टेस्ट क्रिकेट में वापसी से विराट का इंकार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में वापसी से इंकार कर दिया है। विराट ने मजाकिया लहजे में कहा कि वह अपने नए लांच किए गए जूतों की बिक्री में कमी सहन कर सकते हैं पर दोबारा टेस्ट कैप नहीं पहुंगेंने। विराट ने पिछले साल टेस्ट से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारूप में खेलते हैं। विराट के नाम टेस्ट करियर में 9,230 रन हैं। वहीं रोचक बात ये है कि उन्होंने अपने नए जूतों की कीमत भी इतनी ही रखी है। वहीं जब एक

कार्यक्रम में उनसे पूछा गया कि क्या वह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहेंगे जिससे उनके लाल रंग के जूतों की बिक्री और लाभ बढ़ सके। इस पर कोहली ने हंसते हुए जवाब दिया, "नहीं , मैं कम बिकी होना पसंद करूंगा। मैं टेस्ट क्रिकेट से आगे बढ़ चुका हूं इसलिए वापसी का सवाल ही नहीं है।"

कोहली ने अपने उस अडिग कभी हार न मानने वाले रवैये को लेकर कहा। कोहली ने समझाया, "मैं ऐसा ही हूं। मुझे ऐसी स्थितियां पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप खेल को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं।" उन्होंने कहा कि बहुत छोटी उम्र से ही वह हालातों को इसी नजरिए से देखते आए हैं और कभी भी, आखिर तक, यह नहीं मानते कि मैच हार गए हैं।

अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट आज से, लक्ष्य और तन्वी पर रहेंगी नजरें

फुलर्टन। यहां मंगलवार से शुरू हो रहे अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय टीम की नजरें अपने शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन और तन्वी शर्मा पर रहेंगी। इसके अलावा पुरुष एकल, महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में भी टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त लक्ष्य खिताब के प्रबल दावेदार हैं। इंडोनेशियाई ओपन में शुरुआती दौर से बाहर होने के बाद, लक्ष्य यहां बेल्जियम के जूलियन कैरागी के खिलाफ अपने पहले मैच में जीत के साथ वापसी करना चाहेंगे। उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रैंकिंग में और ऊपर जाना होगा, जिससे आगामी बड़े टूर्नामेंटों के लिए उनका मनोबल बढ़े।

लक्ष्य के अलावा, पुरुष एकल में किदाम्बी श्रीकांत से भी भारत को जीत की उम्मीदें रहेंगी। श्रीकांत का सामना चीनी ताइपे के लियाओ झुओ-फू से होगा, इसमें वह जीत के साथ शुरुआत करना चाहेंगे। वहीं भारत को पांचवीं वरीयता प्राप्त तन्वी से जीत की उम्मीदें रहेंगी। उनका

पहला मुकाबला जर्मनी की यवोन ली से है। छठी वरीयता प्राप्त देविका सिहाग का मुकाबला पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो सालाजार से होगा।

वहीं अन्य भारतीय महिला खिलाड़ियों की बात करें तो अनमोल खरब बुल्गारिया की कालोयना नलबंतोवा के खिलाफ उतरेंगी। रक्षिता श्री एस का पहला मुकाबला क्रालोफाक खिलाड़ी से होगा, और अगर वे इसमें जीत हासिल करती हैं, तो अगले दौर में उनका सामना शीर्ष वरीय कनाडाई खिलाड़ी मिशेल ली से होने की संभावना है, जो एक बड़ा इम्तिहान होगा।

वहीं महिला युगल में, त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की अनुभवी जोड़ी भारत की एकमात्र प्रतिनिधि होगी। पहले दौर में उनका मुकाबला स्पेन की पाउला लोपेज़ और लूसिया रोड्रिगुज़ की जोड़ी से होगा। पुरुष युगल में भारत की कोई जोड़ी हिस्सा नहीं ले रही है। मिश्रित युगल में, सातवीं वरीयता प्राप्त ध्रुव रावत और मनीषा की जोड़ी अपना अभियान इंडोनेशिया के विरावन इहसान आदम और सेरेना कानी के खिलाफ शुरू करेगी।

कोचेवाही में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

लांजी। जन अभियान परिषद म.प्र. बालाघाट जिला समंवयक महेश पटले, वि.ख.समंवयक संतोष नगपुरे के निर्देश में 21 जून को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्षानुसार ग्राम कोचेवाही में मनाया गया। ज्ञात हो कि इस दिन की पहल 27 सितम्बर 2014 को भारत के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में विश्व समुदाय से एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने अपील की थी जिसमें उन्होंने कहा था कि- योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है यह दिमाग और शरीर की एकता का प्रतीक है; मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य है; विचार, संयम और पूर्ति प्रदान करने वाला तथा स्वास्थ्य और भलाई के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को भी प्रदान करने वाला है। यह केवल व्यायाम के बारे में नहीं है, लेकिन अपने भीतर एकता की भावना, दुनिया और प्रकृति की खोज के विषय में है। हमारी बदलती जीवन-शैली में यह चेतना बनकर, हमें जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद कर सकता है। तो आयें एक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को अपनाने की दिशा में काम करते

हैं।

प्राचीन मान्यता के अनुसार 21 जून उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है और योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनाता है। 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र के 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को आंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। भारत के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अन्दर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो किसी प्रस्तावित दिवस को संयुक्त राष्ट्र संघ में पारित करने के लिए सबसे कम समय है। भारत के लिये आज का दिन एक गौरव का दिन है, आज के दिन हम सबको संकल्प लेकर, योग को नित्य दैनिक जीवन का हिस्सा बनायेंगे, इसे अपनायेंगे। क्योंकि सुखी जीवन की पहली सीढी निरोगी काया है। 11 दिसम्बर 2014 को अमेरिका में स्थित संयुक्त राष्ट्र महासभा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद सर्वप्रथम इसे 21 जून 2015 को पूरे विश्व में आंतरराष्ट्रीय योग दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ योगा) के नाम से मनाया गया। ग्राम कोचेवाही में विश्व योगा दिवस में सामिल रहे मुख्य अतिथि संतोष यादव (सरपंच), संतोष नगपुरे वि.ख. समंवयक लांजी, ग्रा.वि.प्रस्फुटन समिति से तुलसीराम उके (अध्यक्ष), राजेंद्र भागडकर (सचिव), हुलास प्रसाद पाण्डे (सह-सचिव), रोशनलाल धारणे (उपाध्यक्ष), श्रीमती रजमोती चौधरी(सदस्या), श्रीमती कचरी घोरमारे(सदस्या) तथा भरतलाल यादव, लखनलाल यादव, राजेश्वर पंचाले, भोजेंद्र नेवारे, दिलीप धुर्वे, जानवी चौधरी, रूपाली मानकर, मनीष बागडे, तरूण पाण्डे, सम्पत चचाने, पिंटु यादव, लक्की गेडाम, कुलपत चचाने सहित ग्रामीणजनो की उपस्थिति रही, साथ ही परामर्शदाता अशोक घरते, विजय घरते, ग्रा.वि.प्रस्फुटन समिति कलपाथरी के अध्यक्ष आकाश ऐडे, सचिव रंजीत ऐडे की सहभागिता रही। कार्यक्रम समंवयक व योग प्रशिक्षक के रूप में नवांकुर सचिव रमेश आसटकर की भूमिका रही। प्रणायाम, योग, ध्यान, सूर्यनमस्कार के पश्चात अल्पाहार वितरण कर योग कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

ज्ञान भारतम् मिशन को लेकर प्रशासन सक्रिय

प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु जिलेभर में चलेगा विशेष अभियान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित ज्ञान भारतम् मिशन के तहत बालाघाट जिले में प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण के लिए व्यापक अभियान शुरू किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने सभी विभागों, शैक्षणिक संस्थानों एवं राजस्व अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर कार्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा विकसित ज्ञान भारतम् एप के माध्यम से नागरिक अपने पास सुरक्षित पुरानी साहित्यिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व की हस्तलिखित पांडुलिपियों की जानकारी ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कमिश्नरों एवं कलेक्टरों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में इस अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया था।

प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे जिले के निजी शोध संस्थानों, महाविद्यालयों, पुस्तकालयों, मंदिरों, मठों, आश्रमों, निजी ट्रस्टों तथा अन्य संस्थाओं में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों की पहचान कर उनकी जानकारी ज्ञान भारतम् एप पर दर्ज करवाएं। इसके साथ ही आम नागरिकों को भी इस अभियान से जोड़ने के लिए जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। गौरतलब है कि ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा केंद्रीय बजट 2025 में की गई थी। मिशन का मुख्य उद्देश्य देशभर में बिखरी हुई हस्तलिखित ज्ञान-संपदा का सर्वेक्षण कर उसे डिजिटल स्वरूप में संरक्षित करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रह सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके पास किसी भी प्रकार की प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपि उपलब्ध हो, तो उसकी जानकारी ज्ञान भारतम् एप पर अपलोड कर इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागी बनें। प्रशासन का मानना है कि जनसहयोग से जिले में उपलब्ध दुर्लभ पांडुलिपियों का संरक्षण और दस्तावेजीकरण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

सांदीपनि विद्यालय बोलेगांव में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विश्व योग दिवस

लांजी। सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव में 21 जून 2026 को विश्व योग दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्राचार्य बी आर गुरवे एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं शिक्षक - शिक्षिकाओं ने बच्चों के साथ योग की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास किया। विद्यालय के शिक्षक युवराज कुशले एवं गोपाल कृष्ण तुरकर द्वारा छात्र छात्राओं को योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए संस्था प्राचार्य बी आर गुरवे ने कहा कि आज का दिन समस्त भारत वासियों के लिए गौरव एवं सम्मान का दिन है, क्योंकि योग भारत की विधा है जिसे समस्त विश्व ने माना और अपने जीवन में आत्मसात किया है। इसीलिए 21 जून को संपूर्ण विश्व में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। आगे आपने कहा कि यदि हम योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाते हैं तो न केवल शरीर अपितु हमारा मन भी शांत एवं स्वस्थ रहता है। योग के द्वारा

विभिन्न असाध्य रोगों का उपचार भी संभव है, जहां मेडिकल साइंस में भी जिस रोग का उपचार संभव नहीं है वहां भी योग लाभप्रद सिद्ध हुआ है। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि स्वामी विवेकानंद जी ने संपूर्ण विश्व में योग के महत्व को प्रसारित किया और विश्व ने उसे माना भी है। योग हमें अनुशासन और संयम के साथ जीवन जीने की कला सिखाता है, और अनुशासन हमें जीवन की कठिनाईयों से लड़ने के योग्य बनाता है। हमें जीवन में योग को अवश्य ही अपनाना चाहिए। कार्यक्रम में अशोक बापूरे पूर्व जनपद सदस्य, चित्रलेखा कालबले उपसरपंच ग्राम पंचायत बोलेगांव, ओमप्रकाश बापूरे, प्रभुराम तिड़के एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ विद्यालय के शिक्षक -शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

खाद के बढ़े हुए दाम तत्काल वापस ले सरकार, अन्यथा होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन-अरविंद चौधरी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने प्रेसविज्ञप्ति जारी कर किसानों को सोसायटियों के माध्यम से मिलने वाली खाद के दामों में की गई वृद्धि पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए सरकार को चेतावनी दी है कि यदि बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस नहीं ली गईं तो किसान गर्जना संगठन प्रदेशभर में उग्र आंदोलन शुरू करेगा।एक ओर सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर खाद, बिजली, पानी, डीजल और कृषि उपकरणों की कीमतों में लगातार वृद्धि कर किसानों की कमर तोड़ने का काम कर रही है। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है,जबकि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। ऐसे में खाद के दाम बढ़ाना

किसानों के साथ सीधा अन्याय और शोषण है।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण आज प्रदेश का किसान कर्ज के दलदल में फंसता जा रहा है। महंगाई की मार से किसान परिवारों का जीवन प्रभावित हो रहा है, लेकिन सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील दिखाई नहीं दे रही है।उन्होंने मांग की कि किसानों को पर्याप्त मात्रा में सस्ती खाद उपलब्ध कराई जाए, कृषि उपयोग के लिए बिजली और सिंचाई का पानी रियायती दरों पर दिया जाए और किसानों पर बढ़ते आर्थिक बोझ को कम करने के लिए विशेष राहत पैकेज घोषित किया जाए।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों को गंभीरता से नहीं लिया और खाद के बढ़े हुए दाम वापस नहीं लिए, तो किसान गर्जना संगठन द्वारा गांव-गांव और तहसील स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।आवश्यकता पड़ने पर जिला मुख्यालय का घेराव, धरना-प्रदर्शन और बड़े जनआंदोलन किए जाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी।किसान अब और शोषण बर्दाश्त नहीं करेगा। किसानों के अधिकारों की लड़ाई सड़क पे उतर कर लड़ी जाएगी।

पांढुर्णा के सवरनी भिटनी घाट में भीषण सड़क हादसे में 12 घायल, 6 गंभीर

छिंदवाड़ा/जबलपुर । सवरनी और भिटनी घाट के बीच सोमवार सुबह हुए बस हादसे के बाद कुछ मिनटों के लिए पूरा इलाका चीख-पुकार से गूंज उठा। महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की एक यात्री बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे उसमें सवार 12 यात्री घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य शुरू कर कई यात्रियों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना होते ही बस में बैठे यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई यात्री सीटों के बीच फंस गए थे, जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई थीं। ऐसे में स्थानीय ग्रामीण बिना समय गंवाए बस तक पहुंचे और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालना शुरू कर दिया। ग्रामीणों की तत्परता के कारण घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सका। सूचना मिलते ही पुलिस, डायल-112 और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को तत्काल सौंसर और बिछुआ के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से छह यात्रियों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया। अन्य घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में जारी है। प्रारंभिक जानकारी में बस के ब्रेक फेल होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि चालक ने वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हो सका और बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि पुलिस का कहना है कि हादसे के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी। घटना के कारण घाट क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में पुलिस ने सामान्य कराया।

पंचायत पोर्टल पर लाल स्याही लगाकर पीएम आवास का पोर्टल कराया बंद

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। पंचायत पोर्टल पर लाल स्याही लगाकर पीएम आवास का पोर्टल बंद कर,प्रधानमंत्री आवास योजना से कई ग्रामीणों को वंचित करने का एक मामला सामने आया है।जहां की ग्रामीण महिलाओं ने कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर पंचायत के प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों पर उन्हें आवास से वंचित करने का आरोप लगाया है।मामला रामपायली के ग्राम सिंगोडी का है।जहां की महिलाओं ने मुख्यालय पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया है। ज्ञापन सौंपने पहुंची महिला अनीता मेश्राम व किरण गजभिए ने बताया कि ग्राम सिंगोड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना के पोर्टल पर पंचायत प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने लाल स्याही लगाकर पोर्टल को बंद कर दिया है, लेकिन फिर भी अभी

गांव में करीब 200 ऐसे ग्रामीण है जो कच्चे मकान में निवास कर रहे हैं,लेकिन पंचायत से सभी के पक्के आवास बन गए हैं करके पोर्टल पर लाल स्याही लगाकर बंद कर दिया गया है जिसके चलते सैकड़ो ग्रामीण प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित है और बारिश में डर के साए में जीने को मजबूर है।वही अन्य महिलाओं ने बताया कि बारिश में घर की दीवार गिरने का डर बना रहता है इसके साथ ही मुसीबत के साथ में बारिश का मौसम काटना पड़ता है। 2022 के बाद से पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है जिसके चलते उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाई है कि उनके पंचायत का पोर्टल खुलवाया जाए और उन्हें इस योजना का लाभ मिले जिससे कि वह प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ ले सके और डर का साया खत्म हो। महिलाओं द्वारा जल्द से जल्द पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई है।

मानसून का इंतजार बरकरार, आंधी-तूफान के बावजूद जिला मुख्यालय में नहीं हुई बारिश

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जून माह समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, लेकिन जिले में मानसून का इंतजार अभी भी बना हुआ है। जिले के किसान, आम नागरिक और भीषण गर्मी से परेशान लोग लगातार अच्छी बारिश की राह देख रहे हैं। बीते कुछ दिनों से जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में तेज आंधी, तूफान और हल्की बूंदाबांदी जरूर देखने को मिली है, लेकिन जिला मुख्यालय सहित कई क्षेत्रों में अब तक ऐसी बारिश नहीं हुई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिल सके या किसानों का कृषि कार्य सुचारू रूप से शुरू हो पाए।

22 जून को भी जिले के कई हिस्सों में मौसम ने करवट ली। कहीं तेज हवाएं चलीं तो कहीं हल्की वर्षा दर्ज की गई, लेकिन बालाघाट शहर मुख्यालय में बारिश नहीं होने से लोगों को निराशा हाथ लगी। दिन निकलते ही तेज धूप और उमस लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। सुबह से ही तापमान तेजी से बढ़ने लगता है और दोपहर तक गर्मी असहनीय हो जाती है। वहीं शाम के समय बादल छाने के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं होने से उमस और अधिक बढ़ जाती है। कृषि कार्यों पर भी इसका सीधा असर दिखाई दे रहा है। जिले के अधिकांश किसानों ने खरीफ सीजन की तैयारियां पूरी कर ली हैं। खेतों की जुताई और अन्य प्रारंभिक कार्य हो चुके हैं, लेकिन पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण बुवाई शुरू नहीं हो पा रही है। किसान लगातार आसमान की ओर उम्मीद भरी निगाहें से देख रहे हैं। यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, तेज आंधी-तूफान के कारण कई ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति भी बाधित हुई है। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम जाकपुर में 11 केवी विद्युत लाइन पर एक बड़े पेड़ की टहनी गिर जाने से पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। बिजली नहीं होने से ग्रामीणों को भीषण गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि लगातार बिजली बाधित रहने से पेयजल आपूर्ति सहित अन्य दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार गर्रा, भरवेली और आसपास के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई है, जबकि कई ग्रामीण इलाकों में केवल तेज हवाएं और बूंदाबांदी ही हुई है। मौसम का यह बदला हुआ मिजाज लोगों को राहत देने के बजाय चिंता बढ़ा रहा है। एक ओर किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं तो दूसरी ओर आमजन गर्मी और उमस से परेशान हैं। मौसम जानकारों का कहना है कि जिले में मानसून की गतिविधियां धीरे-धीरे सक्रिय हो रही हैं। हालांकि अभी तक व्यापक और लगातार वर्षा की स्थिति नहीं बन पाई है। आने वाले दिनों में मौसम में और बदलाव देखने को मिल सकता है तथा जिले में अच्छी बारिश की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल जिले में लोगों की निगाहें मानसून पर टिकी हुई हैं। किसान खेतों में पानी गिरने का इंतजार कर रहे हैं, वहीं शहर और गांव के लोग भीषण गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए अच्छी बारिश की कामना कर रहे हैं। यदि जल्द ही मानसून पूरी तरह सक्रिय नहीं हुआ तो कृषि कार्यों के साथ-साथ जनजीवन पर भी इसका व्यापक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी और सही तरीके से आयोजित हुई

-एनटीए के डायरेक्टर जनरल ने परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर रोक लगाना जरूरी था

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के डायरेक्टर जनरल अभिषेक सिंह ने सोमवार को कहा कि नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा बिना किसी गड़बड़ी और सही तरीके से आयोजित की गई। उन्होंने सभी उम्मीदवारों के लिए बिना किसी गलत काम के आसानी से परीक्षा देने का अनुभव करने के लिए की गई सुरक्षा कोशिशों पर जोर दिया। परीक्षा खत्म होने के एक दिन बाद, डायरेक्टर सिंह ने कहा कि दोबारा परीक्षा से पहले टेलीग्राम पर रोक लगाना इसलिए जरूरी था ताकि उम्मीदवारों को और तनाव न हो। उन्होंने दावा किया कि ये प्लेटफॉर्म पेपर लीक होने की झूठी खबर फैला रहे थे और धोखाधड़ी करने वालों को बढ़ावा दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि एनटीए ने छात्रों के तनाव को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा बनाए रखने पर बहुत ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि यह परीक्षा जितनी सही और बिना किसी गड़बड़ी के हो सकती थी, वैसी ही हुई। हमने सुरक्षा और छात्रों की सुविधा के बीच संतुलन बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए। हमने सभी एजेंसियों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर काम किया ताकि यह पक्का किया जा सके कि हम ऐसी परीक्षा आयोजित कर सकें जो न सिर्फ बिना किसी तकनीकी खराबी के हो, बल्कि जिसमें कोई गड़बड़ी न हो और किसी भी तरह की धोखाधड़ी के लिए ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए।

उन्होंने पेपर लीक के बारे में गलत जानकारी फैलने से निपटने को लेकर कहा कि एजेंसी ने कुछ प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने के लिए कड़े कदम उठाए, क्योंकि उन्हें उम्मीदवारों के लिए बेवजह तनाव का कारण माना गया। हमें 100फीसदी यकीन था कि पेपर सुरक्षित थे और कस्टडी की चेन पर हमारा पूरा कंट्रोल था। ये प्लेटफॉर्म असल में पेपर लीक होने की झूठी खबर फैला रहे थे, जिससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ रहा था। इसके अलावा ये प्लेटफॉर्म धोखेबाज़ों को नकली प्रश्न-पत्रों के जरिए लोगों को बेवकूफ़ बनाने के लिए बढ़ावा दे रहे थे। वे लोगों की घबराहट और कमज़ोरी का फायदा उठाकर उनसे छोटी-मोटी रकम वसूलते थे, जबकि उस डॉक्यूमेंट का असली प्रश्न-पत्र से कोई लेना-देना नहीं होता था। यह पक्का करना जरूरी था कि लीक या सिस्टम फेलियर की झूठी अफवाहों या साइबर क्राइम के जरिए लोगों को ठगने और उनके पैसे हड़पने की कोशिशों को रोका जाए।

एनटीए की गुजारिश पर केंद्र सरकार ने 16 से 22 जून तक टेलीग्राम को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने का आदेश दिया था। एनटीए का आरोप था कि संगठित नकल गिरोह इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को गुमराह करने और उनसे धोखाधड़ी करने के लिए कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ऐसे गलत काम करने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने जनता को यह भी भरोसा दिलाया कि परीक्षा की शुचिता पूरी तरह से बरकरार है और पेपर लीक होने की कोई गुंजाइश नहीं है।

सिंह ने कहा कि जो कोई भी गलत जानकारी फैलाता है, नकली वीडियो या पोस्ट शेयर करता है ताकि किसी को धोखा दे सके या लोगों का मानसिक तनाव बढ़ा सके, तो कानून का डंडा उन पर चलेगा। ऐसे सभी मामले हमारी नजर में हैं और हमने इनकी रिपोर्ट की है, जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उनसे पुलिस और कानून सख्ती से निपटेंगी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री के भाई की मीट फैक्ट्री सील

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सरवर हुसैन के भाई अनवर हुसैन की मीट फैक्ट्री अल हम्द फोजन फूड्स को सील किया है। यह कदम पांच माह पहले अलीगढ़ जिले में पकड़े गए 700 किलो मीट के गौमांस होने की पुष्टि के बाद उठाया है, साथ ही फैक्ट्री में मानकों का उल्लंघन भी पाया गया। यह मामला 15 जनवरी का है, जब अलीगढ़ जिले के चंडौस थाना क्षेत्र में लोडर वाहन से भारी मात्रा में मीट बरामद हुआ था। संदेह होने पर मीट के सैंपल को मथुरा स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया, जहां प्रयोगशाला रिपोर्ट ने इसकी गौमांस होने की पुष्टि की। वाहन चालक ने पूछताछ में बताया था कि यह मीट खुर्जा स्थित अल हम्द फोजन फूड्स से लाया गया था।

सीएससी वीएलई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

लांजी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विकासखंड लांजी की ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा में कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के वीएलई फलेन्द्र बिसेन के द्वारा योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीएससी जिला प्रबंधक सत्येंद्र बिसेन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों तथा जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने बताया कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मिक संतुलन एवं तनावमुक्त जीवन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं के बीच योग एक प्रभावी एवं सरल उपाय है। उन्होंने सभी नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या

का हिस्सा बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान सीएससी वीएलई द्वारा ग्रामीणों को कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं डिजिटल सेवाओं की भी जानकारी दी गई। ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना, बीमा सेवाएं, बैंकिंग सेवाएं, पेंशन योजनाएं, टेली-लॉ, ऑनलाइन शिक्षा, कौशल विकास कार्यक्रम, पैन कार्ड, आधार सेवाएं, डिजीपे, एजुकेशन प्रोजेक्ट सहित अन्य शासकीय सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही डिजिटल सेवाओं का अधिकतम लाभ लेने एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने नियमित योग करने, स्वस्थ रहने तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा के ग्रामीणजन, युवा, महिलाएं, विद्यार्थी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बालाघाट
मंगलवार 23 जून 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक युवक ने दोस्तों के साथ अपने चचेरे भाई और उसके दोस्त से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक ने अपने अपने दोस्तों के साथ अपने चचेरे भाई और उसके दोस्त को मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह वारदात कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम मशीन टोला गर्रा में उस समय हुई जब यह युवक अपने दोस्त के साथ मोटरसाइकिल में इथेनॉल प्लांट बकेरा से अपने घर लौट रहा था इस मामले में कोतवाली पुलिस ने पंकज पिता काशी दास बारेकर ग्राम डोंगरिया थाना वारासिवनी निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच पड़ताल शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र में आने वाले ग्राम गर्रा में अपने परिवार के साथ निवास कर रहे श्यामलाल बारेकर और उसके डोंगरिया निवासी बड़े भाई काशीदास बारेकर के बीच पिछले कुछ सालों से पारिवारिक विवाद चल रहा है। और इस विवाद के चलते दोनों परिवार के बीच आपसी रंजिश बनी हुई है दोनों के एक-एक ही बेटे हैं। काशी दास के बेटे पंकज बारेकर की वारासिवनी रोड सरदार पटेल कॉलेज के पास चाय नाश्ता की दुकान है और श्यामलाल का बेटा विशाल बारेकर ट्रांसपोर्ट का काम करते हैं। 3 दिन पहले विशाल अपने दोस्त निखिल पंचेश्वर के साथ मोटरसाइकिल में इथेनॉल प्लांट बकेरा काम से गए थे और अपना काम निपटाने के बाद रात्रि में घर लौट रहे थे। रात्रि 12:30 बजे जैसे ही वे पुरानी पाइप फैक्ट्री के सामने मशीनटोला गर्रा पहुंचे। तभी पंकज अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल में वहां पहुंच गया और वह पुराने रंजिश को लेकर विशाल बारेकर को अश्लील गालियां देने लगा। विशाल ने उसे गालियां देने से मना किया तभी पंकज आवेश में आ गया और उसने विशाल को मारपीट करने लगा। बीच बचाव करने जब दोस्त निखिल आया तो उसे भी पंकज ने हाथभूसे से मारपीट किया। जिससे वह भी चोटिल हो गया था। इस घटना के संबंध में विशाल ने फोन कर के अपने परिजनों को बताये, वे पहुंचे तब तक के पंकज अपने साथियों के साथ वहां से जा चुका था। इसके बाद विशाल अपने परिवार वालों के साथ रिपोर्ट करने के लिए कोतवाली पहुंचा। कोतवाली पुलिस ने मारपीट में घायल विशाल औरउसके दोस्त निखिल का जिला अस्पताल में इलाज और मुलाहिजा करवाये। इसके बाद इस मामले में पंकज बारेकर के विरूद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

सीईओ के खिलाफ जिला पंचायत में बगावत, हटाने तक आंदोलन का ऐलान

मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद तालाबंदी की चेतावनी, जनप्रतिनिधियों ने कहा- अब नहीं होगा समझौता

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट कर दिया है कि अब उनका विरोध केवल ज्ञापन और बैठकों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीईओ को हटाए जाने तक आंदोलन जारी रहेगा। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने बताया कि जिला पंचायत की कार्यकारिणी ने इस मामले को लेकर आगे की रणनीति तैयार कर ली है। सबसे पहले मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे मामले से अवगत कराया जाएगा और सीईओ को हटाने की मांग रखी जाएगी। यदि इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है तो जिला पंचायत परिसर के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कार्यशैली के कारण जिला पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे हैं और निर्वाचित प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसी कारण लंबे समय से असंतोष की स्थिति बनी हुई है। अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को हटाया नहीं जाता, तब तक उनका विरोध, प्रदर्शन और आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के अधिकांश जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर एकजुट हैं और अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया है।

जिला पंचायत बालाघाट में मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक श्रॉफ और जनप्रतिनिधियों के बीच चल रहा विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। हाल ही में आयोजित जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में हुए घटनाक्रम के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अधिकांश सदस्यों ने सीईओ की कार्यप्रणाली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी लगातार निर्वाचित प्रतिनिधियों की उपेक्षा कर रहे हैं और प्रशासनिक बैठकों में भी जनप्रतिनिधियों को अपेक्षित सम्मान नहीं दिया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर 22 जून को जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार के शासकीय निवास पर जिला पंचायत सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और सीईओ की कार्यशैली को लेकर अपने विचार रखे। बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने एक स्वर में नाराजगी व्यक्त करते हुए आगे की रणनीति तैयार की। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार ने कहा कि वह पिछले लगभग दो वर्षों से सीईओ अभिषेक श्रॉफ की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट हैं। उन्होंने बताया कि कई बार विभिन्न बैठकों और प्रशासनिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की बातों को नजरअंदाज किया गया, लेकिन व्यवस्था और विकास कार्य प्रभावित न हों इसलिए उन्होंने अब तक संयम बनाए रखा। हालांकि हाल ही में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में जो घटना हुई, उसने सभी सदस्यों को आहत किया है। सम्राट सरस्वार ने बताया कि सामान्य सभा जिला पंचायत की सबसे महत्वपूर्ण बैठकों में से एक होती है, जहां जिले के विकास कार्यों, योजनाओं और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाती है। ऐसे महत्वपूर्ण मंच से मुख्य कार्यपालन अधिकारी का बीच बैठक में उठकर चले जाना जनप्रतिनिधियों के सम्मान के विपरीत है। उनका कहना है कि इस व्यवहार से न केवल अध्यक्ष बल्कि सभी सदस्यों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीईओ द्वारा लगातार जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की जा रही है। कई योजनाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की राय नहीं ली जाती और प्रशासनिक निर्णयों में भी उनकी सहभागिता सीमित कर दी जाती है। जबकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उन्हें सम्मान मिलना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने निर्णय लिया है कि अब इस मामले को शासन स्तर तक ले जाया जाएगा। इसके लिए जिला पंचायत सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री से समय लेकर मुलाकात करेगा। मुख्यमंत्री को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देने के साथ-साथ सीईओ अभिषेक श्रॉफ की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न मामलों से अवगत कराया जाएगा और उनके स्थानांतरण की मांग की जाएगी। सम्राट सरस्वार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि मुख्यमंत्री द्वारा उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं की जाती और सीईओ को नहीं हटाया जाता, तो जिला पंचायत सदस्य उग्र आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि आवश्यकता पड़ने पर जिला पंचायत कार्यालय के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर कामकाज बंद कराया जाएगा। इसके साथ ही धरना, प्रदर्शन और अनिश्चितकालीन आंदोलन जैसे कदम भी उठाए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्तिगत विरोध की नहीं बल्कि जनप्रतिनिधियों के सम्मान और अधिकारों की है। यदि प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनेंगे और उन्हें नजरअंदाज करेंगे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर होगी। इसलिए सभी सदस्य इस मुद्दे पर एकजुट हैं और पीछे हटने वाले नहीं हैं। बैठक में मौजूद अन्य सदस्यों ने भी अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जिला पंचायत की बैठकों में उठाए गए कई मुद्दों पर कार्रवाई नहीं होती और विकास कार्यों से जुड़े अनेक प्रस्ताव लंबित पड़े रहते हैं। उनका मानना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में ऐसा नहीं दिखाई दे रहा है।

लिंगा रोड पर दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत

गौतम दंपति और दो बच्चे घायल-अन्य बाइक सवार भी गंभीर

जिला अस्पताल से दो घायल हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत लिंगा रोड पर स्थित ग्राम नेतरा के पास सोमवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए । दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा से हुए इस हादसे में गौतम दंपति उनके दो मासूम बच्चे घायल हो गए। जबकि अन्य मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह व्यक्ति देवेश पिता गोवर्धन चोरे ग्राम भालवा थाना किरनापुर निवासी है। जबकि संजय गौतम 33 वर्ष उनकी पत्नी रितु गौतम उनके दो बच्चे त्याग्या गौतम 5 वर्ष और स्वास्तिक गौतम 13 वर्ष ग्राम तिवड़ी कला थाना हट्टा निवासी है। घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम तिवड़ी कला निवासी संजय गौतम वर्ष खेती किसानी का कार्य करते हैं। 22 जून को दोपहर करीब 2 बजे संजय गौतम अपनी पत्नी रितु गौतम वर्ष के साथ अपने दो बच्चे त्याग्या गौतम और स्वास्तिक गौतम को मोटरसाइकिल से बालाघाट डॉक्टर के पास इलाज कराने आ रहे थे। उसी दौरान दूसरी ओर से बालाघाट से हट्टा की दिशा में जा रहे देवेश चौरे की मोटरसाइकिल से उनकी भिड़ंत हो गई बताया जा रहा है कि ग्राम नेतरा स्थित राइस मिल के पास देवेश चौरे की मोटरसाइकिल अचानक रांग साइड में आ गई और सीधे संजय गौतम की मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मोटरसाइकिल में सवार सभी लोग सड़क पर गिर पड़े।दुर्घटना में संजय गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए।जबकि उनकी पत्नी रितु गौतम के सिर में चोटें आईं। उनके दोनों बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। वहीं दूसरी मोटरसाइकिल में सवार देवेश चौरे भी गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस एवं निजी वाहनों की सहायता से सभी घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां उनका उपचार शुरू किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल संजय गौतम और देवेश चौरे की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।ग्रामीण थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

भारत वर्ष में नं. 1, मध्यप्रदेश में भी नं. 1
भारत वर्ष की पहली 9 इंच में डीबीटी में उपलब्ध
(भारत सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त)
रॉइडान व वॉकबिहाइड दोनो
LC09W
Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
बुकिंग पर सीडर ट्रे फर्मा फ्री या 20000 हजार की छूट
बगैर अनुदान के 2.40/-
अनुदान होने पर 1.50/-
Kaira RTP 4 Row
साई ट्रेक्टर्स/ के.के. इंटरप्राईजेस Kaira
• मोती तालाब रोड, नर्मदा नगर बालाघाट
• पटेल टोला, बरपाट (सिवनी)
8770334649
8120467192

BALAGHAT'S MOST TRUSTED FIBER TO HOME NETWORK
PADMESH X FIBERNET
FREE INSTALLATION !
we offer free installation with new connection.
for new connection inquiries
GIVE A MISSED CALL NOW 08045777666

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट